{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 29 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 244
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स -
निफ्टी -
सोना -
चांदी -
डॉलर -

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

मास्टरशेफ पंकज भदौरिया को ब्रेस्ट कैंसर

मुंबई । देश की पहली मास्टरशेफ इंडिया विनर और सेलिब्रिटी शेफ पंकज भदौरिया इन दिनों एक कठिन दौर से गुजर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने प्रशंसकों को बताया कि उन्हें ब्रेस्ट कैंसर का पता चला है और वह इससे जूझ रही हैं। अस्पताल के बेड से तस्वीर साझा करते हुए, उन्होंने अपनी जल्द स्वस्थ होने के लिए दुआओं और समर्थन की अपील की है। उनकी इस घोषणा के बाद से ही फैंस और सेलेब्स लगातार उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। 28 मई को पंकज भदौरिया ने एक भावुक पोस्ट साझा की थी। इसमें वह अस्पताल के गाउन में, मेडिकल वायर से जुड़ी हुई नजर आ रही थीं। उन्होंने लिखा, मुझे ब्रेस्ट कैंसर डायग्नोज हुआ है। मुझे आपकी दुआओं और सपोर्ट की जरूरत है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मेडिकल टेस्ट करवाते हुए कुछ वीडियो भी शेयर किए, जिनमें उनके हाथ में कैनुला लगा दिखाई दे रहा था।

आसाराम ने जोधपुर सेंट्रल जेल में किया सरेंडर

जोधपुर। आसाराम ने जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेंडर कर दिया। राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद वह गुरुवार को जोधपुर पहुंचा। दोपहर 2:50 बजे आसाराम के आने की सूचना पर जोधपुर एयरपोर्ट पर उसके समर्थकों की भीड़ लग गई। आसाराम ने भी गाड़ी से समर्थकों को आशीर्वाद दिया। आसाराम एयरपोर्ट से सीधे पाल गांव स्थित अपने आश्रम पहुंचा। वहां से एम्स गया, जांच करवाने के बाद शाम करीब 5 बजे सेंट्रल जेल में सरेंडर कर दिया। दरअसल, बुधवार को हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने नाबालिग से रेप के मामले में आसाराम की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखते हुए अंतरिम जमानत रद्द कर दी थी। कोर्ट की ओर से तत्काल गिरफ्तारी वारंट जारी करने के आदेश के बाद आसाराम बुधवार देर शाम ही हरिद्वार से दिल्ली के लिए रवाना हो गया था।

मप्र समेत 15 राज्यों में आज से गर्मी से राहत

नई दिल्ली/भोपाल। देश के 15 से ज्यादा राज्यों में शुक्रवार से गर्मी से राहत मिलने वाली है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, यूपी में अगले तीन दिन बारिश हो सकती है। बिहार के 32 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 60 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है। वहीं राजस्थान में जयपुर सहित 11 जिलों में आंधी बारिश का अलर्ट है। जैसलमेर, फलोदी, गंगानगर, बीकानेर में कल हीटवेव का सबसे ज्यादा असर रहा। राजस्थान का श्रीगंगानगर देश में सबसे गर्म शहर रहा, यहां तापमान 48 डिग्री को पार करके 48.2 डिग्री तक पहुंचा।

कुछ ना कहना

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन...सीएम सिद्धारमैया ने राज्यपाल के सचिव को इस्तीफा सौंपा, कांग्रेस विधायक दल की बैठक आज

नए मुख्यमंत्री होंगे डीके शिवकुमार!

बंगलूरू। कर्नाटक में सत्ताधारी कांग्रेस सरकार में गुरुवार को बड़ा बदलाव हो गया है। सीएम सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया हैं और उनकी जगह डीके शिवकुमार को अगला सीएम बनना तय माना जा रहा है। सिद्धारमैया ने राज्यपाल कार्यालय पहुंचकर अपना इस्तीफा दिया। अब शुक्रवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में अगले सीएम के चुनाव की औपचारिकता होगी।

जानकारी के अनुसार, 2023 में कर्नाटक में कांग्रेस की प्रचंड जीत के बाद डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार-सिद्धारमैया के बीच ढाई-ढाई साल के सत्ता साझेदारी फार्मूले पर सहमति बनी थी। कांग्रेस हाईकमान ने हाल ही में हाल ही में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया को पद छोड़ने को कहा था। अब दो दिन बाद नेतृत्व परिवर्तन का रास्ता साफ करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस्तीफे का ऐलान कर दिया। सीएम ने लोकभवन जाकर अपना राज्यपाल के सचिव को अपना इस्तीफा सौंपा। बता दें कि कर्नाटक के राज्यपाल अभी बेंगलुरु में नहीं हैं। सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रें में कहा, मैंने लोकभवन जाकर इस्तीफा दे दिया है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत अभी शहर में नहीं हैं, इसलिए मैंने इस्तीफा उनके सेक्रेटरी को हैंडओवर कर दिया है। मैं कई बार बोल चुका हूं कि जब भी हाईकमान मुझे निर्देश देंगे, तब मैं इस्तीफा दूंगा। इस हिसाब से कल हाईकमान ने मुझे इस्तीफा देने के लिए कहा था, इसलिए मैंने आज इस्तीफा दिया है। मुझे दो बार कर्नाटक के लोगों की सेवा करने का मौका मिला। मैं सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे को धन्यवाद देता हूं।

राजनीति में मेरा प्रवेश एक संयोग था

सिद्धारमैया ने कहा, मैं एक ग्रामीण पृष्ठभूमि से आया हुआ व्यक्ति हूं। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन मैं विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री या विपक्ष का नेता बनूंगा। राजनीति में मेरा प्रवेश एक संयोग था क्योंकि मेरे परिवार में कोई भी राजनीति से जुड़ा नहीं था। न मेरे माता-पिता और न ही मेरे परिवार का कोई अन्य रिश्तेदार राजनीति में था। शुरुआत से ही मैं गौतम बुद्ध, बवा साहब बी.आर. आंबेडकर और महात्मा गांधी के विचारों और सिद्धांतों में विश्वास रखते हुए राजनीति में आया।

बन सकते हैं 2-3 डिप्टी सीएम

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस हाईकमान पहले कैबिनेट को अंतिम रूप देना चाहता है ताकि मंत्रियों के चयन में डीके शिवकुमार को पूरी तरह खुली छूट न मिले और सिद्धारमैया खेमे की नाराजगी से बचा जा सके। इसी वजह से सरकार में दो से तीन डिप्टी सीएम बनाए जाने की संभावना है। इस चुनाव में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन का खास ध्यान रखा जाएगा। सूत्रों का कहना है कि एक डिप्टी सीएम लिंगायत समुदाय और एक दलित समुदाय से हो सकता है। वहीं डीके शिवकुमार खुद वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। वहीं अगर सिद्धारमैया अपने बेटे यतींद्र को डिप्टी सीएम बनाने की मांग पर अड़े रहते हैं तो डिप्टी सीएम की संख्या और बढ़ सकती है। कांग्रेस के प्रमुख लिंगायत चेहरों में शामिल और मध्यम और बड़े पैमाने के उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल को एक डिप्टी सीएम पद का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। सिद्धारमैया के करीबी माने जाने वाले पाटिल अगर शिवकुमार कैबिनेट में शामिल होने से इनकार करते हैं तो उन्हें कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष बनाया जा सकता है। वहीं गृह मंत्री जी. परमेश्वर को दूसरे डिप्टी सीएम पद के लिए प्रमुख दावेदार बताया जा रहा है। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रह चुके परमेश्वर दलित समुदाय से आते हैं। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस हाईकमान सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र को डिप्टी सीएम बनाने के खिलाफ नहीं है क्योंकि इससे शिवकुमार सरकार को स्थिरता मिलेगी।

सतीश जरकीहोली बन सकते हैं प्रदेश अध्यक्ष

सूत्रों के मुताबिक, सतीश जरकीहोली को कर्नाटक कांग्रेस का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। वह डीके शिवकुमार की जगह लेंगे। डीके 2020 से इस पद पर बने हुए हैं। उत्तर कर्नाटक के बेलगावी से आने वाले और अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंध रखने वाले जरकीहोली को शिवकुमार के राजनीतिक संतुलन के तौर पर देखा जा रहा है। बता दें कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने मंगलवार को ही सिद्धारमैया को संकेत दिए थे कि पार्टी बदलाव चाहती है। कांग्रेस हाईकमान ने उन्हें सत्ता हस्तांतरण को सहज बनाने में सहयोग करने को कहा था। लेकिन डीके शिवकुमार को अब तक आधिकारिक तौर पर यह नहीं बताया गया था कि वही उनके उत्तराधिकारी होंगे। हालांकि, उन्हें सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा था। सूत्रों के मुताबिक, इस फैसले से सिद्धारमैया काफी हैरान और भावुक थे जबकि शिवकुमार लगातार हाईकमान के अंतिम संकेत का इंतजार कर रहे थे।

सीबीएसई मूल्यांकन विवाद

छात्रों के हित में है ऑन-स्क्रीन मार्किंग, कमियों की जिम्मेदारी लेता हूँ

नई दिल्ली । केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर चल रहे विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को आश्वासन दिया कि यदि इस प्रक्रिया में कोई जानबूझकर की गई लापरवाही या गड़बड़ी पाई जाती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि सीबीएसई ने लगभग चालीस करोड़ स्कैन किए गए पन्नों से जुड़ा एक बड़ा डिजिटल मूल्यांकन अभियान चलाया है।

परीक्षा में शामिल हुए सत्रह लाख छात्रों में से सीबीएसई ने करीब अठावन लाख उत्तर पुस्तिकाओं को सुरक्षित रखा है। प्रत्येक उत्तर पुस्तिका में लगभग चालीस पन्ने होते हैं, यानी कुल मिलाकर करीब चालीस करोड़ स्कैन किए गए पेज। पहली बार सीबीएसई ने ऑन-स्क्रीन मार्किंग के जरिए मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी की है। ओएसएम को एक प्रगतिशील और छात्र-हितैषी पहल बताते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि दुनियाभर के कई विश्वविद्यालय और शिक्षण संस्थान छात्रों के लिए पारदर्शिता और पहुंच में आसानी सुनिश्चित करने के लिए इसी तरह की प्रणालियां अपना रहे हैं। यह प्रणाली छात्रों को अपनी उत्तर पुस्तिकाएं देखने और अपने अंकों से जुड़े किसी भी संदेह को दूर करने में मदद करती है। ओएसएम को छात्रों के हितों को ध्यान में रखकर शुरू किया गया है, हालांकि, कुछ कमियां सामने आई हैं और वे उनकी जिम्मेदारी लेते हैं। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि किसी भी छात्र के सवालों का जवाब मिले बिना न रहे। प्रधान ने आगे बताया कि इस प्रणाली से जुड़े तकनीकी और परिचालन मुद्दों को हल करने के लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी मद्रास की मदद ली गई है। उन्होंने कहा कि आईआईटी के प्रोफेसरों के समूह इस मामले को देख रहे हैं।

यदि कोई जानबूझकर की गई गड़बड़ी पाई जाती है, तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही, भुगतान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए सीबीएसई पोर्टल को अब चार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक के पेमेंट गेटवे के साथ जोड़ दिया गया है। सीबीएसई परीक्षा प्रक्रिया में कथित विसंगतियों को लेकर राहुल गांधी की आलोचना का जवाब देते हुए प्रधान ने कांग्रेस नेता पर सरकार द्वारा शुरू की गई हर सुधार पहल का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सीबीएसई पहले ही अपना स्पष्टीकरण जारी कर चुका है और यह प्रक्रिया भारत सरकार की खरीद नीति के अनुसार पूरी की गई थी।

हर्ष मल्होत्रा दिल्ली के नए भाजपा अध्यक्ष होंगे

नई दिल्ली। भाजपा ने संगठन में बड़े बदलाव शुरू कर दिए हैं। बीजेपी ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत चार राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदल दिए हैं। केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के साथ ही पंजाब, हरियाणा और पूर्वोत्तर के राज्य त्रिपुरा की पार्टी इकाई को अब नए प्रदेश अध्यक्ष मिल गए हैं। हर्ष मल्होत्रा को दिल्ली बीजेपी की कमान सौंपी गई है। दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष बनाए गए हर्ष मल्होत्रा पूर्वी दिल्ली से सांसद हैं। हर्ष मल्होत्रा केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी शामिल हैं और उनके पास सड़क परिवहन मंत्रालय में राज्यमंत्री की जिम्मेदारी है। वह वीरेंद्र सचदेवा की जगह लेंगे। पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। पंजाब चुनावों में एक साल से भी कम समय बचा है और पार्टी ने नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी है।

पंजाब बीजेपी में अब सुनील जाखड़ की जगह केवल सिंह ढिल्लों नए अध्यक्ष होंगे। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष के पद पर केवल सिंह ढिल्लो की नियुक्ति को सिख बाहुल्य राज्य में सिख दांव के तौर पर देखा जा रहा है। केवल सिंह ढिल्लों कद्दावर सिख चेहरा हैं और कांग्रेस से भी जुड़े रहे हैं। सुनील जाखड़ के बाद अब केवल सिंह ढिल्लों बीजेपी की कमान संभालेंगे। बीजेपी ने त्रिपुरा में अभिषेक देबरॉय को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। अभिषेक देबरॉय त्रिपुरा में बीजेपी के विधायक हैं। अभिषेक साल 2023 के त्रिपुरा चुनाव में बीजेपी के टिकट पर पहली बार विधायक निर्वाचित हुए थे। पार्टी ने अब अभिषेक को सूबे में संगठन मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंप दी है।

दिल्ली में फायर एनओसी के नए नियम लागू :

अब प्राइवेट कंपनियां भी दे सकेंगी प्रमाण पत्र

नई दिल्ली । राजधानी में भवनों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। सरकार ने दिल्ली अग्निशमन सेवा (संशोधन) नियम, 2025 की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके लागू होने से दिल्ली में अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने, सुरक्षा मानकों की जांच और नियमों के उल्लंघन पर लगने वाले आर्थिक दंड की प्रणाली में व्यापक परिवर्तन किए गए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव के तहत अब पंजीकृत निजी कंपनियां और विशेषज्ञ भी भवनों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की जांच कर एनओसी जारी कर सकेंगे। इन निजी विशेषज्ञों को अग्नि सुरक्षा लेखा परीक्षक के रूप में नामित किया जाएगा, जिनका दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक के पास पंजीकृत होना अनिवार्य होगा। इनके द्वारा गहन निरीक्षण के बाद जारी किया गया प्रमाण पत्र पूरी तरह से वैध माना जाएगा। इस कदम से एनओसी प्राप्त करने में होने वाले लंबे विलंब से जनता को बड़ी राहत मिलेगी, जो पहले विभाग में कर्मचारियों की कमी के कारण होता था। इसके अतिरिक्त, संवेदनशील भवनों के लिए साइबर सुरक्षा नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। विभाग में पारदर्शिता लाने और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए नकद लेन-देन को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है। अब सभी प्रकार के शुल्क केवल बैंक ड्राफ्ट, पे ऑर्डर या ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। आग लगने की दुर्घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण पाने के लिए पूरी दिल्ली को मध्य, पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण नामक पांच फायर जोन में विभाजित किया गया है, जिसके अंतर्गत तेरह छोटे मंडल कार्य करेंगे।

आम आदमी का सस्ता डीजल गटक रहीं बड़ी कंपनियां!

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उठापटक के बीच भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम फिलहाल स्थिर बने हुए हैं। सरकार का सीधा मकसद है कि महंगाई के इस दौर में आम जनता, किसानों और नौकरीपेशा वर्ग पर ईंधन का अतिरिक्त बोझ न पड़े। लेकिन अब इस राहत का गलत फायदा बड़े उद्योग उठा रहे हैं। मुनाफे के लालच में कई औद्योगिक इकाइयां थोक (बल्क) सप्लाई के बजाय सीधे आम रिटेल पेट्रोल पंपों से सस्ता डीजल खरीद रही हैं। इस चालाकी से न सिर्फ सरकारी तेल कंपनियों को हर दिन करोड़ों का नुकसान हो रहा है, बल्कि आम उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की किल्लत का खतरा भी मंडराने लगा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अब केंद्र सरकार ने राज्यों को ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का अल्टीमेटम दे दिया है।

54 रुपये का बड़ा अंतर बना मुख्य वजह

यह पूरा खेल कीमतों में मौजूद एक भारी भरकम अंतर की वजह से शुरू हुआ है। 28 मई के आंकड़ों पर गौर करें, तो राजधानी दिल्ली में आम लोगों के लिए रिटेल डीजल की कीमत 95.20 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, उद्योगों के लिए इस्तेमाल होने वाले बल्क डीजल का भाव 149 रुपये प्रति लीटर पहुंच चुका है। सीधे तौर पर प्रति लीटर 54 रुपये का बड़ा फर्क है। दरअसल, औद्योगिक ग्राहकों के लिए ईंधन के दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार के हिसाब से तय होते हैं, जबकि आम जनता को राहत देने के लिए रिटेल कीमतें सरकार के नियंत्रण में हैं। इसी भारी अंतर का फायदा उठाने के लिए उद्योग अपना बल्क कोटा छोड़कर आम पेट्रोल पंपों का रुख कर रहे हैं।

सरकारी कंपनियों को रोजाना 550 करोड़ का घाटा

बड़े स्तर पर हो रही इस हेराफेरी का सबसे बुरा असर देश की सरकारी तेल विपणन कंपनियों की सेहत पर पड़ रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस पर इन कंपनियों को रोजाना औसतन 550 करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है।

बढ़ती महंगाई पर कुमारी सैलजा का केंद्र सरकार पर तीखा हमला

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने देश में लगातार बढ़ रही महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर बढ़ते टैक्स और सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन के कारण आम आदमी, विशेषकर मध्यम वर्ग का जीना मुश्किल हुआ है। कांग्रेस नेत्री सैलजा ने कहा कि आज चाय, चीनी, चावल, दाल, कपड़े और चप्पलें तक महंगी हुई हैं। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि से ट्रांसपोर्टेशन लागत बढ़ी है, जिससे रसोई का बजट बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि जो परिवार पहले 35,000 रुपये में घर चलाता था, अब 40,000 रुपये में भी संघर्ष करना पड़ रहा है। खाद्य तेल, दालें, चायपत्ती और गैस सिलेंडर जैसी आवश्यक वस्तुओं की बेतहाशा कीमतों ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की कमर तोड़ दी है।

कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार केवल टैक्स वसूली और बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने में व्यस्त है, जनता की परेशानियों पर कोई ध्यान नहीं। महंगाई ने न केवल घरेलू बजट बिगाड़ा है, बल्कि शादी-ब्याह जैसे सामाजिक आयोजनों का खर्च भी आम परिवारों की पहुंच से बाहर कर दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार से पेट्रोल-डीजल पर अत्यधिक टैक्स में तत्काल कमी करने, जमाखोरी और मुनाफाखोरी पर सख्त नियंत्रण लगाने तथा आम जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। कांग्रेस पार्टी ने भरोसा दिलाया कि वह हमेशा आम आदमी, किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्ग की आवाज उठाती रहेगी और उनके हितों के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों ने बढ़ाई चिंता, आरबीआई और सरकार पर बढ़ा दबाव

नई दिल्ली । देश में पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों के साथ-साथ सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई की चिंता भी बढ़ा दी है। पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों के कारण भारत पर आर्थिक दबाव तेजी से बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे महंगाई, रुपये की कमजोरी और व्यापार घाटे जैसी समस्याएं और गहरा सकती हैं।

पिछले करीब दो सप्ताह में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7.5 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। तेल विपणन कंपनियों ने कम समय में कई बार कीमतें बढ़ाई हैं, जिससे परिवहन और रोजमर्रा की वस्तुओं की लागत बढ़ने लगी है।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि ईंधन महंगा होने से खुदरा महंगाई दर 5 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। इससे आरबीआई के लिए ब्याज दरों को लेकर फैसला लेना और मुश्किल हो जाएगा। यदि महंगाई लगातार बढ़ती रही तो केंद्रीय बैंक को सख्त मौद्रिक नीति अपनानी पड़ सकती है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा पहले ही संकेत दे चुके हैं कि यदि पश्चिम एशिया संकट लंबा चला तो सरकार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में और बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए कच्चे तेल की महंगी खरीद से भुगतान संतुलन यानी बीओपी और चालू खाते के घाटे पर भी दबाव बढ़ रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक यदि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहीं तो इसका असर आम आदमी की जेब, परिवहन खर्च, खाद्य वस्तुओं की कीमतों और आर्थिक विकास दर पर भी पड़ सकता है।

बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर की सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति की सिफारिश

मुंबई। सर्वोच्च न्यायालय के कॉलेजियम ने बॉम्बे हाईकोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पद पर पदोन्नति देने की सिफारिश की है। केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने के बाद वे सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में पदभार संभालेंगे। कॉलेजियम ने उनके साथ पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागु, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेव, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण पाली तथा वरिष्ठ महिला अधिवक्ता वी. मोहना के नामों की भी सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति के लिए अनुशंसा की है। न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर का जन्म 25 मई 1965 को हुआ था। उन्होंने वर्ष 1993 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद 9 दिसंबर 1993 को उनका पंजीकरण दिल्ली स्टेट बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में हुआ। उन्होंने दिल्ली में ही वकालत की शुरुआत की और करीब 19 वर्षों के अपने कानूनी करियर में लगभग 3500 मामलों में पैरवी की। सुप्रीम कोर्ट के 140 से अधिक दर्ज फैसलों में वे अधिवक्ता के रूप में उपस्थित रहे। वकालत के दौरान उन्होंने झारखंड सरकार, एआईसीटीई, बिहार राज्य आवास बोर्ड और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थायी वकील के रूप में भी कार्य किया। 17 जनवरी 2013 को उन्हें झारखंड उच्च न्यायालय (रांची पीठ) में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया। बाद में 27 जून 2014 को वे स्थायी न्यायाधीश बने। दिसंबर 2023 में उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद दिसंबर 2024 में उनका तबादला राजस्थान उच्च न्यायालय में किया गया। मई 2025 में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उन्हें मुंबई उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की थी, जिसे 14 जुलाई 2025 को मंजूरी मिली। इसके बाद 21 जुलाई 2025 को उन्होंने मुंबई हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

बॉम्बे हाईकोर्ट में महत्वपूर्ण फैसले

बॉम्बे हाईकोर्ट में अपने लगभग 10 महीने के कार्यकाल के दौरान न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर ने कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की। इनमें प्रमुख रूप से जनहित याचिकाएं और चर्चित आपराधिक मामले शामिल रहे। उन्होंने मालेगांव ब्लास्ट मामले में सभी आरोपियों को मुंबई सत्र न्यायालय द्वारा बरी किए जाने के फैसले को बरकरार रखा। इसके अलावा सोहराबुद्दीन शेख फर्जी मुठभेड़ मामले में आरोपियों को मिली राहत को भी कायम रखा। लवासा मामले में सीबीआई जांच से शरद पवार और उनके परिवार को राहत देने वाला फैसला भी उनके महत्वपूर्ण निर्णयों में शामिल रहा।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईदुल अजहा का पर्व

ईदगाह में अदा की गई विशेष नमाज, लोगों ने एक दूसरे को लगाया गले, ईद की दी बधाई

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

अल्लाह के नबी हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माईल की याद में मनाया जाने वाला पर्व ईदुल अजहा गुरुवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान मुस्लिम बंधुओं ने पुलिस लाईन स्थित ईदगाह, और वार्ड नं 10 रजा नगर स्थित मस्जिदे आला हजरत (जामेआ नूरिया) मदरसे में ईद की विशेष नमाज अदा की, ईदगाह में यह विशेष नमाज मौलाना मोहम्मद समसिर हक साहब तो वही जामेआ नूरिया मदरसे में मौलाना आफताब साहब ने ईद की नमाज अदा कराई।जिसके उपरांत लोगो ने एक दूसरे को गले लगाकर, ईद की बधाइयां दी।

मुल्क की तरक्की के लिए मांगी गई सामूहिक दुवाए

खुशियों के इस पर्व ईदुल अजहा के खास मौके पर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में सुबह से लेकर देर रात तक रौनके बनी रही।जहा लोग एक दूसरे से मिलकर ईद की मुबारकबाद पेश करते नजर आए।हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माइल अलैह सलाम की याद में मनाया जाने वाले ईदुल अजहा के इस खास पर्व पर घर- घर बकरों की कुर्बानी दी गई। जिसके गोश्त को गरीबो, यतीमो, बेसहरा ,रिश्तेदारो और सामाजिक बन्धुओ के बीच बांट कर उन्हें भी अपनी इस खुशियों में शामिल किया गया।पर्व विशेष की शुरुवात गुरुवार सुबह फज्र की नमाज़ के साथ की गई ,जहां मुस्लिम बंधुओं ने फर्ज की नमाज अदा कर पर्व विशेष की तैयारी शुरू कर दी।सुबह ईदगाह में तय किए गए वक्त के अनुसार लोग एकत्र हुए ।जहां इमाम द्वारा दिए गए उद्बोधन के बाद नमाज का तरीका बताया गया।जिसके तुरंत बाद सामूहिक रूप से सुबह 7 बजे ईदुल अजहा की नमाज अदा की गई।जिसके उपरांत खुतबा और दुआओं का दौर शुरू हुआ। जहां भारी मात्रा में उपस्थित मुस्लिम बंधुओं ने देश में अमन, चैन ,शांति ,आपसी भाईचारे और मुल्क की तरक्की के लिए सामूहिक रूप से दुआएं मांगी। वही एक दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाइयां पेश की।

मस्जिदे आला हजरत में भी अदा की गई विशेष नमाज

नगर में यू तो ईदुल अजहा की विशेष नमाज का सामूहिक आयोजन पुलिस लाईन स्थित ईदगाह में किया गया था, लेकिन खास तौर पर बुजुर्गो के लिए यह नमाज नगर के वार्ड नं 10,रजा नगर स्थित मस्जिदे आला हजरत में भी अदा की गई, जहा पूर्व से निर्धारित समय के अनुसार यह नमाज सुबह 8 बजे मौलाना आफताब सहाब द्वारा अदा कराई गई।जहा नमाज मुकम्मल कर सभी ने सामुहिक रूप से दुआएं की, वहीं मुल्क में सौहार्द्र और आपसी भाईचारा कायम रखने के साथ साथ अमनो अमान का संदेश दिया गया।

गरीब बेसहारों की मदद ही असली ईद हैं

पुलिस लाईन स्थित ईदगाह और मदरसे में अदा की गई ईदुल अजहा की इस विशेष नमाज के पूर्व इमाम ने,अपने ब्यान में गरीब बेसहारों की मदद करने को, ईद के असली मायने बताए। जिन्होंने अपने बयान में सभी लोगों को मिलजुल कर रहने, नियम कानूनों का पालन करने, गरीब बेसहारों की मदद करने की बात कही।उन्होंने कहा कि आज वह दिन है जिस दिन का इंतजार कई गरीब बेसहारा यतीम लोग करते हैं। उन्हें उम्मीद होती है कि कोई उन्हें भी अपनी इस ईद की खुशी में शामिल करें, इसीलिए चाहिए कि सबसे पहले ईद की खुशियों में गरीब यतीम बेसहारों को याद किया जाए, उनकी मदद की जाए, उनकी जरूरतों को पूरा किया जाए यही ईद के सच्चे मायने हैं।दिखावे के लिए कोई काम करना शिर्क में शामिल होगा। वही इमाम ने ईदुल अजहा का वाकया बयान कर नमाज अदा कराई।और सामूहिक दुवाए कर लोगो ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद पर्व की बधाइयां दी।

मुस्लिम बन्धुओ ने पेश की कुर्बानी

धार्मिक मान्यतानुसार के अनुसार ईदुल अजहा का पर्व अल्लाह के नबी हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माईल की याद में मनाया जाता है। जिसे याद करने के लिए प्रतिवर्ष मुस्लिम धर्मावलंबी ईदुल अजहा पर्व पर अपनी हैसियत के हिसाब से अल्लाह की राह में, अल्लाह की रजा के लिए जानवरों की कुर्बानी पेश करते है।ईद की नमाज के बाद मुस्लिम बन्धुओ द्वारा कुर्बानी पेश कर उसका गोश्त गरीबो बेसहारा यतीमो और रिश्तेदारों में बंटवाकर उन्हें भी इस खुशियों में शामिल किया गया।साथ ही जरूरतमंदों की आर्थिक मदद की।बताया गया कि कुर्बानी का सिलसिला शनिवार तक यू ही जारी रहेगा।

सुरक्षा के दिखे पुख्ता इंतजाम

ईदुल अजहा के इस खास मौके पर पढ़ी जाने वाली विशेष नमाज और पर्व विशेष को लेकर जगह-जगह सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। जहां ईदगाह सहित नगर की तमाम मस्जिदों के बाहर पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद नजर आए, तो वही सुबह से लेकर देर शाम तक मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में पुलिस जवान सुरक्षा में लगे रहे। वही शांतिपूर्ण तरीके से हर साल की तरह इस साल भी ईदुल अजहा का यह पर्व संपन्न हुआ।

एकल अभियान आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग किरनापुर मे हुआ संपन्न

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। एकल अभियान अंतर्गत आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग संच किरनापुर मे दिनांक 27/052026 से 28/05/2026 तक सुबह 10:00 बजे से दूसरे दिन के 4:00 बजे तक श्रीमती सरिता जोशी दीदी के निवास स्थान मे संचालित किया गया। इस अभ्यास वर्ग में

रिपोर्टिंग के साथ सभी आचार्य उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मा भारती व मा सरस्वती के पूजन अर्चन व सरस्वती वंदना एकल गीत से किया गया।सभी आचार्य को शाम की शाखा एवम खेलकूद सिखाया गया। जैविक खाद एवम पर्यावरण पर चर्चा की गई इस प्रकार पंचमुखी शिक्षा का पाठ्यक्रम सिखाया गया। संध्यकालीन भजनों के साथ सत्संग किया गया एवम भारत माता की आरती पश्चात भोजन ग्रहण किया गया। दूसरे दिन 28/05/2026 को सुबह 10:00 बजे से 4:00 बजे तक वर्ग लगा जिसमे सन्च समिति के अध्यक्ष श्रीमान लोमेश् जी तु'कर उपाध्यक्ष श्रीमती गीतेश्वरी पाठक सचिव एन आर गर्दे जी महिला समिति अध्यक्ष श्रीमती सरिता जोशी दीदी जी सदस्य श्रीमती सुषमा सुनेरी सदस्य एवं राजेंद्र सुनेरी जी अंचल व्यास प्रमुख श्याम कुमार दुफारे जी सं च प्रमुख राजेश बांगरे जी संच व्यास अंकित ढोरे जी एवम सभी आचार्य की उपस्थिति मे संपन्न हुआ।

भोजशाला कुलदेवी मंदिर के पक्ष में आए फैसले पर जताई खुशी

सामुहिक रूप से कुलदेवी की आरती,हनुमान चालीसा का भी किया पाठ, पंवार मांदी समिति का पंवार मंगल भवन में आयोजित कार्यक्रम सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हाल ही में इंदौर खंडपीठ का ऐतिहासिक फैसला भोजशाला कुलदेवी मंदिर के पक्ष में आया है, इस फैसले में

हिंदुओं को पूजा का पूर्ण अधिकार की अनुमति मिली है, इस फैसले की खुशी उत्सव के रुप में मनाई जा रही है, जिसका एक नजारा बालाघाट जिले में भी देखने को मिला है, यहां राजा भोज के वंशजों ने इस फैसले का स्वागत करते इसे उत्सव के रुप में मनाया है।

पूजा-अर्चना कर, कुल देवी की आरती

पंवार मांदी समिति के जिलाध्यक्ष दिलीप रिनायत ने बताया कि इस ऐतिहासिक फैसले के पक्ष में गुरुवार को नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 32 पंवार मंगल भवन में उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम कुल देवी मां गढ़कालिका व कुल देवी मां सरस्वती के छाया चित्र पर तिलक वंदन किया गया और पूजा-अर्चना की गई जिसके बाद चक्रवती सम्राट राजा भोज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। उन्होंने बताया इस अवसर पर सर्वप्रथम आराध्य प्रभु श्रीराम का स्मरण कर उनके अनन्य भक्त भगवान हनुमान की हनुमान चालीसा का पाठ किया गया और फिर कुल देवी की आरती कर पूजा-अर्चना कर महाप्रसाद का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष ललित पारधी क्षेत्रीय धर्म प्रसार प्रमुख विश्व हिंदू परिषद,आरसी अमुले जिलाध्यक्ष राजा भोज स्मारक समिति,विशिष्ट अतिथि योगेश राहंगडाले,इन्द्रजीत कटरे, पंवार मांदी समिति के सचिव खेमेन्द्र पारधी,अशोक भगत,रेखचंद देशमुख सहित अन्य पदाधिकारी व मातृ शक्तियां मौजूद रही।

ट्विशा शर्मा की सास गिरिबाला सिंह की मुश्किलें बढ़ीं, अग्रिम जमानत रद्द

कोर्ट ने पति समर्थ को किया सीबीआई के हवाले

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पूर्व मॉडल और अभिनेत्री ट्विशा शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में मृतका की सास और पूर्व जज गिरिबाला सिंह की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए गिरिबाला सिंह को निचली अदालत से मिली अग्रिम जमानत को पूरी तरह से रद्द कर दिया है। इसके साथ ही, भोपाल की एक विशेष अदालत ने बुधवार को मामले के मुख्य आरोपी और ट्विशा के पति समर्थ सिंह को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में भेज दिया है।

हाईकोर्ट का 17 पन्नों का दिया आदेश

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के वेकेशन जज देवनारायण मिश्रा ने एक विस्तृत सुनवाई की और 17 पन्नों का विस्तृत कानूनी आदेश जारी किया। कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि मामले की संवेदनशीलता, उपलब्ध साक्ष्यों और प्रतिवादी गिरिबाला सिंह पर लगे गंभीर आरोपों के मद्देनजर उन्हें राहत नहीं दी जा सकती। इसी आधार पर हाई कोर्ट ने भोपाल के 10वें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा गत 15 मई 2026 को दिए गए अग्रिम जमानत के फैसले को खारिज कर दिया। पूर्व जज के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 80(2), 85, 3(5) और दहेज निषेध अधिनियम, 1961 की धारा 3 व 4 के तहत प्रताड़ना और दहेज उत्पीड़न से जुड़े गंभीर दंडनीय अपराधों में मामला दर्ज है।

आत्मसमर्पण करें पूर्व जज

ट्विशा शर्मा के परिवार की ओर से इस लंबी कानूनी लड़ाई को लड़ रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने अदालत के इस फैसले को न्याय की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार लंबे समय से निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा था और हाई कोर्ट द्वारा जमानत अर्जी खारिज होने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। अधिवक्ता ने यह भी रेखांकित किया कि चूंकि आरोपी गिरिबाला सिंह स्वयं लगभग 36 वर्षों तक न्यायिक सेवा का हिस्सा रही हैं और कानून की व्याख्या करती आई हैं, इसलिए यदि उनके मन में न्याय प्रणाली के प्रति थोड़ा भी सम्मान शेष है, तो उन्हें बुद्धिमानी का परिचय देना चाहिए। उन्हें बिना किसी देरी के केंद्रीय जांच एजेंसी के समक्ष आत्मसमर्पण (सरेंडर) कर देना चाहिए और मामले की तह तक पहुंचने के लिए जांच में पूरा सहयोग करना चाहिए।

ससुराल में फंदे से लटकी मिली थीं ट्विशा

उल्लेखनीय है कि पूर्व मॉडल और अभिनेता ट्विशा शर्मा बीते 12 मई को भोपाल स्थित अपने ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकी हुई पाई गई थीं। मृतका के मायके वालों ने पति और सास पर दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने और हत्या करने के गंभीर आरोप लगाए थे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सोमवार को ही सीबीआई ने इस केस की कमान पूरी तरह से अपने हाथों में ले ली थी। सीबीआई ने मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज की गई मूल एफआईआर को दोबारा री-रजिस्टर किया है, जिसमें पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह को मुख्य आरोपी बनाया गया है।अदालत से समर्थ सिंह की कस्टडी मिलने के तुरंत बाद सीबीआई की एक विशेष टीम आरोपी को साथ लेकर भोपाल के कटारा हिल्स स्थित उनकी मां गिरिबाला सिंह के निवास स्थान पर पहुंची। जांच एजेंसी ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया है और वहां से कुछ महत्वपूर्ण डिजिटल व भौतिक साक्ष्य जुटाए हैं, ताकि मौत के असली कारणों और साजिश का पर्दाफाश किया जा सके। मामले में आगे की धरपकड़ और पूछताछ जारी है।

महंगाई की पड़ेगी मार... पार्सल भाड़ा 20 प्रतिशत बढ़ेगा

भोपाल। ईंधन की लगातार बढ़ती कीमतों का असर आमजन की जेब के साथ ही रोजमर्रा की वस्तुओं पर भी पढने वाला है, क्योंकि पार्सल ट्रांसपोर्ट कारोबारियों ने एक जून से माल परिवहन भाड़े में 20 प्रतिशत बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। मप्र से प्रतिदिन हजारों ट्रक माल लोडिंग होकर देशभर में जाते हैं। भाड़ा बढने से इनमें जाने वाली दवाई, किराना, हार्डवेयर, इलेक्ट्रानिक और कृष सामग्री महंगी हो जाएगी। जिसका असर आम उपभोक्ता की जेब पर पड़ेगा। एसोसिएशन आफ पार्सल ट्रांसपोर्ट एवं फ्लीट ऑनर द्वारा डीजल, लेबर और बढ़ती परिचालन लागत का हवाला देते हुए एक जून से परिवहन भाड़े में 20 प्रतिशत वृद्धि करने का निर्णय लिया है। प्रदेश के पार्सल बुकिंग आपरेटर और ट्रांसपोर्टर जून से बढ़ी दरों पर बुकिंग करेंगे। इसका सीधा असर रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुओं की कीमतों पर पढने की आशंका जताई जा रही है। एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी का कहना है कि डीजल कीमतों के अलावा लेबर लागत, टायर-स्पेयर पार्ट्स, टोल टैक्स, बीमा और वाहन रखरखाव खर्च में वृद्धि के कारण परिवहन पर दबाव बढ़ा है। ऐसे में पुरानी दरों पर सेवाएं जारी रखना व्यवहारिक नहीं रह गया था। एसोसिएशन के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि नई दरें सभी कंपनियों, डिपो, सी एंड एफ एजेंट, डिस्ट्रीब्यूटर और व्यापारिक संस्थानों पर लागू होंगी।जून से बनने वाले बिल और एलआर (लारी रिसीट) संशोधित दरों के अनुसार ही जारी किए जाएंगे। उदाहरण के तौर पर भोपाल से इंदौर तक किसी सामान का पार्सल भाड़ा 200 रुपये प्रति क्विंटल है, वह जून से 240 हो जाएगा। इसी तरह इंदौरा से रतलाम का वर्तमान भाड़ा 150 रुपये है वह बढकर 185 रुपये प्रति क्विंटल करीब पहुंच जाएगा। वहीं जबलपुर का भाड़ा 320 से बढकर करीब 380 रुपये प्रति क्विंटल हो जाएगा। इंदौर से महाराष्ट्र माल भेजने में वर्तमान में 3.50 रुपये प्रति किलो खर्च आता है, लेकिन यह बढकर 4.20 रुपये प्रति किलों हो जाएगा। भोपाल और इंदौर देश का प्रमुख लॉजिस्टिक हब है और यहां से पूरे प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, छग सहित देशभर में सामान जाता है। यहां से दवाई, किराना, कृषि सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक सामान, हार्डवेयर, परचून, जूते-चप्पल, लोहा आदि की सप्लाई होती है। कपड़े का ट्रांजिट पाइंट भी इंदौर है और यहां से पूरे देश में कपड़ा जाता है।

दिग्विजय सिंह को फिर से भेजा जाए राज्यसभा

पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व पीसी शर्मा ने की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस में राज्यसभा सीट को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को एक बार फिर राज्यसभा भेजने की मांग जोर पकडने लगी है। कांग्रेस नेता पीसी शर्मा ने खुलकर कहा है कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए दिग्विजय सिंह का अनुभव पार्टी के लिए बेहद जरूरी है। उन्हें राज्यसभा भेजा जाना चाहिए। भोपाल में मीडिया से बातचीत करते हुए पीसी शर्मा ने कहा कि पार्टी नेतृत्व जल्द ही उम्मीदवार के नाम पर फैसला करेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवार और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार इस मुद्दे पर हाईकमान से चर्चा कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिए कि अंतिम निर्णय में दिग्विजय सिंह और कमलनाथ की राय भी अहम मानी जाएगी। कांग्रेस के अंदर राज्यसभा उम्मीदवार को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं, लेकिन दिग्विजय सिंह का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में बना हुआ है। पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि राष्ट्रीय राजनीति और संगठनात्मक अनुभव को देखते हुए उनका राज्यसभा जाना कांग्रेस के लिए रणनीतिक रूप से फायदेमंद हो सकता है।इसी दौरान पीसी शर्मा ने संगठन सृजन अभियान और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के दौरों को लेकर भी बयान दिया। कांग्रेस लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रही है और पार्टी के सभी नेता व कार्यकर्ता, चाहे वे किसी भी गुट से जुड़े हों, प्रशिक्षण शिविरों में एकजुट होकर हिस्सा ले रहे हैं। उनका दावा है कि इस प्रक्रिया से संगठन मजबूत होगा और आने वाले विधानसभा चुनावों में पार्टी को बड़ा फायदा मिलेगा। पीसी शर्मा ने कहा कि कांग्रेस अब संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। इसके लिए जिला अध्यक्षों और स्थानीय इकाइयों की मॉनिटरिंग भी की जा रही है। जनता से सीधे संवाद बनाए रखने के लिए कनेक्ट सेंटर बनाया गया है, जहां संगठन की सक्रियता पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि जो नेता या पदाधिकारी जनता से जुड़े नहीं रहेंगे। उन्हें संगठन से डिस्कनेक्ट कर दिया जाएगा। कांग्रेस अब 2028 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की तैयारी में जुटी हुई है।

श्रीमती आशा बंशपाल एवं बीरन बंशपाल
आपको वैवाहिक वर्षगांठ की
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभेच्छु - कुंती बंशपाल दादी, संदीप, नीतू, सोनू प्रिया, लवलेश जी, विक्की, अंजली, दीपशिखा, मनीष एवं समस्त बंशपाल परिवार बकोड़ा लालबर्रा।

आवश्यकता है
• पाईप शोरूम कार्य हेतु
युवक-02 पद, वेतन-10,000+
• पाईप शोरूम कार्य हेतु
युवती-02 पद, वेतन-7,000+
नोट-अनुभवी को प्राथमिकता
दुकान का समय प्रातः 10 बजे से रात्रि 08.30 बजे तक
आदिनाथ इंटरप्राइजेज
श्याम टॉकीज के पीछे, इतवारी गंज, बालाघाट
9424766066

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

शादी का झांसा देकर दो बच्चों की मां को आंध्र प्रदेश ले जाकर किया दुष्कर्म

आरोपी संतोष मरावी गिरफ्तार-भेजा गया जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शादी का झांसा देकर दो बच्चों की मां को आंध्र प्रदेश ले जाकर उसका शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को रूपझर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी संतोष पिता लमतु मरावी 26 वर्ष ग्राम भीतरपानी थाना बिरसा निवासी है जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह 22 वर्षीय महिला के पति और दो बेटे हैं। बड़ा बेटा 3 साल का और छोटा 2 साल का है। महिला और उसका पति दिसंबर 2025 में ईंट भट्टा भरवेली और टेकाड़ी में मजदूरी करते थे। संतोष मरावी भी वहीं काम करता था और इसी दौरान महिला की पहचान उससे हुई। मंडई मेले के समय जब यह महिला अपने जीजा के गांव बच्चों के साथ गई थी। संतोष ने फोन कर महिला को तेलंगाना काम पर चलने को कहा। और यह महिला संतोष की बातों में आ गई। 30 दिसंबर 2025 को संतोष मोटरसाइकिल से उसके जीजा के घर पहुंचा। महिला अपने दोनों बच्चों को लेकर उसके साथ निकल गई। संतोष मरावी ने महिला को किनारदा जंगल ले गया और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद महिला ने अपने दोनों बच्चों को ग्राम नवही में रिश्तेदार के घर छोड़ा दिया और संतोष के साथ आंध्र प्रदेश के खम्मम पहुंच गई। वहा दोनों मिर्ची तोड़ने का काम करने लगे। करीब 4-5 महीने दोनों साथ रहे। इस दौरान संतोष ने इस महिला को शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। संतोष मरावी शराब पीने का आदी था। जब महिला बच्चों की बात करती थी तो संतोष मरावी उसे गाली-गलौज और मारपीट करते रहता था और दोबारा बच्चों की चर्चा करने पर जान से मारने की धमकी देता था।19 मई 2026 को संतोष मरावी महिला को गोंदिया में छोड़कर फरार हो गया। वहा से महिला बस से बालाघाट पहुंची और भरवेली टेकाड़ी पहुचकर वहा काम कर रहे अपने पति को पूरी घटना बताई। जिसके बाद यह महिला अपने पति के साथ रिपोर्ट करने रूपझर थाना पहुंची और थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।रूपझर पुलिस ने आरोपी संतोष मरावी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69, 296(बी), 115(2), 351(3) के तहत मामला दर्ज किया। और संतोष मरावी को गिरफ्तार करके को बैहर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भेज दिया गया है।

20रु की बोतल खरीदकर कब तक बुझाए प्यास ?

भीषण गर्मी में पानी के लिए तरस रहे मरीज, स्वास्थ्य केंद्र चरेगांव का मामला, शोभा की सुपारी बना,स्वास्थ्य केंद्र का बोरवेल, जल स्तर गिरने से कुआ भी सूखा, जिम्मेदार बोले - जल स्तर नीचे जाने की वजह से हो रही थोड़ी परेशानी, 2 आरओ की केन मंगाकर बनाई गई है व्यवस्था

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मई माह में लगातार बढ़ती जा रही भीषण गर्मी के इस दौर में उचित प्रबंधन ना होने से जहां-तहां शीतल पेयजल की समस्या देखने को मिल रही है।जिससे लामता तहसील का चरेगांव स्वास्थ केंद्र भी अछूता नहीं है।परसवाड़ा विधायक मधु भगत का ग्रह ग्राम होने के बावजुद भी इस स्वास्थ केंद्र में मूलभूत सुविधाएं तक मरीजो और उनके परिजनों को नही मिल पा रही है।जहा अपना उपचार कराने के लिए आने वाले ग्रामीणों को ठंडे पानी के लिए तक भटकना पड़ रहा है।वे कभी किसी दुकान किसी के मकान, तो कभी होटल में जाकर अपनी प्यास बुझाने के लिए मजबूर है।आलम कुछ इस तरह है कि यहां भर्ती कुछ मरीजो को तो 20 रु की पानी बॉटल खरीदकर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है।स्थानीय लोगो के साथ साथ अन्य ग्रामीण अंचलों से पहुंचने वाले मरीजों और उनके परिजनों को दो घूंट ठंडे पानी के लिए भी खासी परेशानी उठानी पड़ रही है।

बोलवेल के साथ कुआ भी सूखा

कहने को तो पेय जल व्यवस्था के लिए इस स्वास्थ केंद्र में एक बोलवेल और एक कुआ भी है,लेकिन जल स्तर गिरने की वजह से वो भी सूख गए है।जिसके चलते यहाँ पहले से भर्ती और रोजाना पहुंचने वाले लोगो को शीतल पेयजल की समस्या से दो-चार होना पड़ रहा है।जिसपर अस्पताल प्रबंधन का कोई ध्यान नहीं हैं। जहां पहुंचने वाले मरीज और उनके परिजनों ने इस भीषण गर्मी को देखते हुए ठंडे पानी का इंतजाम किए जाने की मांग की है।

केवल पानी ही नही अन्य समस्याओं से भी झूझ रहा अस्पताल

परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विधायक के गृह ग्राम चरेगांव में स्वास्थ्य विभाग की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं। स्वास्थ्य केंद्र में न तो पर्याप्त डॉक्टर उपलब्ध हैं और न ही मरीजों के लिए पीने के पानी की समुचित व्यवस्था है। स्वास्थ्य केंद्र परिसर का कुआं सूख चुका है और बोर का मोटर भी लंबे समय से बंद है, जिसके कारण मरीजों एवं उनके परिजनों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार स्वास्थ्य केंद्र में रात्रि के समय मात्र एक नर्स एवं एक गार्ड की ड्यूटी रहती है, जबकि प्रतिदिन 2 से 3 प्रसव के मामले पहुंचते हैं। इसके बावजूद यहां महिला डॉक्टर की पदस्थापना नहीं है और ओपीडी में भी नियमित रूप से डॉक्टर उपस्थित नहीं रहते। स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ एकमात्र डॉक्टर की ड्यूटी भी लामता स्वास्थ्य केंद्र में लगाए जाने से चरेगांव स्वास्थ्य केंद्र डॉक्टर विहीन सा हो गया है।

अन्य समस्याओं व सुविधाओ पर भी नही दिया जा रहा ध्यान

ग्रामीणों ने बताया कि गत रात्रि स्वास्थ्य केंद्र में एक नर्स एवं गार्ड ही मौजूद थे, उसी दौरान तीन डिलेवरी केस पहुंचे, जिनका प्रसव एकमात्र नर्स द्वारा डॉक्टर की अनुपस्थिति में कराया गया। इससे स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की गंभीर स्थिति उजागर होती है। स्वास्थ्य केंद्र चरेगांव में सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी कैमरों का भी अभाव है। वहीं शासन द्वारा मरीजों को नि:शुल्क दी जाने वाली दवाइयां एवं गोली भी स्टॉक में उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण मरीजों को बाहर मेडिकल दुकानों से दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने व्यवस्थाओं में सुधार की करी मांग

ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन से स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की नियमित पदस्थापना, पेयजल व्यवस्था, दवाइयों की उपलब्धता एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग की है।

पानी के लिए मंगाए जाते हैं 2 आरो केन, अन्य व्यवस्थाओं पर भी दिया जा रहा ध्यान- सैयाम

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान स्वास्थ्य केंद्र चरेगांव बीएमओ डॉ. शुभम सैयाम ने बताया कि चिकित्सकों, गोली दवाई जैसी कोई समस्या केंद्र में नहीं है, उपलब्ध संसाधनों से ग्रामीणों का बेहतर उपचार किया जा रहा है। केंद्र में कुछ व्यवस्थाएं बनानी है जिसे बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी के चलते जल स्तर गिर गया है,कुआ भी सूख चुका है बोरवेल भी काम नही कर रहा है इसलिए पेयजल की पिछले तीन-चार दिनों से थोड़ी दिक्कत जा रही है, जिसे देखते हुए रोजाना दो आरो केन मंगाए जा रहे हैं, उन्होंने बताया कि अस्पताल में 20 से 25 मरीज ही रहते हैं 02 मेडिकल ऑफिसर की ड्यूटी 24 घंटे रहती है, पानी की समस्या के लिए हमने हायर सेंटर से पत्राचार भी किया है।रोजाना 2 केन पानी मंगाने के बावजूद भी यदि मरीजो और उनके परिजनों को पेयजल की समस्या आ रही होगी तो पानी केनो की संख्या बढ़ा दी जाएगी, उसे स्वास्थ्य केंद्र के बाहर रखा जाएगा ताकि हर किसी को यह आसानी से उपलब्ध हो जाए।

जिले के 6 जूनियर तैराक खिलाड़ी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में दिखाएंगे जलवा

रीवा में आयोजित स्टेट काम्पीटिशन खेलने खिलाड़ी हुए रवाना, बिना पुल के नदी में सीख रहे स्वीमिंग, दशको बाद भी नहीं बन सका स्वीमिंग पुल, तैराक बोले, काम्पीटिशन में आती है समस्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, शायद यही वजह है कि समय-समय पर जिले के युवा अपनी प्रतिभाओं का परिचय करते रहते हैं।जो अपने उत्कृष्ट खेल, व अपने भीतर छुपी प्रतिभाओं से न केवल अपने माता-पिता व समाज का नाम रोशन करते हैं, बल्कि संभाग, प्रदेश यहां तक की पूरे देश में बालाघाट जिले का नाम गौरवान्वित करते रहते हैं।इसी कड़ी में खेल प्रतिभाओं से परिपूर्ण बालाघाट जिले में विपरित परिस्थिति में तैराकी सीख रहे 6 जूनियर खिलाड़ी, गुरूवार को 30 मई से रीवा में आयोजित 54 वीं राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने रवाना हुए। जूनियर वर्ग में बालाघाट से आर्या भोयरकर, ओम सावलानी, दिव्यांश सिंह, हर्ष जोतवानी, डेविश हरदे और विप्लव नाविक, रीवा में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।रीवा के मिहिन सेन तरणताल सिविल लाईन में आयोजित इस प्रतियोगिता के लिए गुरुवार की दोपहर इन खिलाड़ियों का पुष्पहार व पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया।वही स्टेट काम्पिटिशन के लिए शुभकामनाएं देकर उन्हें बालाघाट से रीवा के लिए रवाना किया गया है।इस दौरान डॉ. बी.एम. शरणागत, नपाध्यक्ष भारती ठाकुर, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, तैराकी संघ अध्यक्ष संजीव भाउ अग्रवाल, सचिव महेन्द्र सुराना, अभय सेठिया सहित अन्य प्रबुद्ध नागरिकों ने कोच प्रशांत कुशवाहा और मैनेजर योगेन्द्रसिंह तोमर के साथ खिलाड़ियों के लिए मंगलकामनाए कर उन्हें रवाना किया।

हम नदी में सीखते है,इसलिए बाहर काम्पीटिशन में होती है परेशानी- आर्या

स्टेट खेलने जा रही तैराक आर्या भोयरकर ने बताया कि जिले के बच्चे, नदी में तैराकी सीखते है, जिसके कारण अक्सर, पुल में काम्पीटिशन होने से जिले का बच्चा आगे नहीं बढ़ पा रहा है, यदि स्वीकृत पुल, बालाघाट में भी जल्द बन जाएं तो निश्चित ही जिले का तैराकी खिलाड़ी, स्टेट से लेकर इंटरनेशनल स्तर तक जिले का नाम रोशन करेगा।

सालों बाद भी स्वीमिंग पुल नहीं बन सका- भाऊ अग्रवाल

तैराकी संघ अध्यक्ष संजीव भाऊ अग्रवाल ने बताया कि 30 मई से 2 जून तक प्रतियोगिता का आयोजन किया है। उन्होंने बताया कि जिले में तैराकी काम्पीटिशन के लिए जूनियर और सीनियर तैराक, नदी में तैराकी सीखते हैं, बावजूद इसके सालों बाद भी स्वीमिंग पुल नहीं बन सका। जिससे तैराकी खिलाड़ियों को काम्पीटिशन में समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

जुलाई में सीनियर ग्रुप की होंगी प्रतियोगिता-सुराना

सचिव महेन्द्र सुराना ने बताया कि चार वर्गों में जिला स्तरीय काम्पीटिशन में चयनित हुए तैराकों की प्रतियोगिता के अनुसार, उन्हें तैराकी संघ के माध्यम से भेजा जा रहा है। जिसमें इस बार जूनियर वर्ग ग्रुप जा रहा है।जबकि जुलाई में सीनियर ग्रुप का काम्पीटिशन आयोजित होगा।

रेत के अवैध खनन, परिवहन व भंडारण पर पुलिस की पैनी नजर

गोंगलई पीपल चौक पर 24 घंटे पहरा दे रहे पुलिस कर्मचारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा थाना क्षेत्र के कामथी में प्रधान आरक्षक पर ट्रेक्टर चढ़ाने के मामले के बाद पुलिस रेत के अवैध खनन व परिवहन को लेकर पुरी तरह से हरकत में आ गई है। शहर के समीपस्थ ग्राम गोंगलई में ही नवेगांव पुलिस ने खनिज विभाग के साथ कार्रवाई कर करीब आठ ट्रेक्टरो को पकड़ा है।वहीं गोंगलई पीपल चौक पर करीब तीन से चार कर्मचारी एक व्यक्ति के घर रेत डंप होने की जानकारी मिलने पर उसके घर के बाहर 24 घंटे पहरा दे रहे हैं।उधर रेत परिवहन कर रहे अधिकांश ट्रेक्टर बिना नंबर के पकड़ाए गए हैं। हालाकि पूरे मामले में पुलिस और खनिज अमला प्रेस वार्ता के माध्यम से पूरे मामलों की जानकारी स्पष्ट करने की बात कह रहे हैं।

पुलिस का पहरा होने पर रहवासी ने जताई आपत्ति

इधर पुलिस कार्रवाई को लेकर गोंगलई के एक रहवासी के आपत्ति भी दर्ज कराई है। गोंगलई वार्ड नंबर 07 निवासी दुर्गेश लिल्हारे के अनुसार नवेगांव व गोंगलई क्षेत्र में दो दिनों से लगातार छापामार कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान पुलिस ने उनके प्लाट पर रखी गई रेत का नाम जोप किया है। उन्हें मीडिया के माध्यम से जानकारी लगी कि पुलिस व खनिज विभाग ने करीब 78 ट्राली रेत डंप पर कार्रवाई की है। लिल्हारे के अनुसार उन्हें आशंका है, उनके प्लाट में रखी गई रेत को भी अवैध डंप न दर्शा दिया गया हो।

दुर्गेश लिल्हारे के अनुसार वर्तमान में वे अपने घर के दूसरे माले पर 1 से 8 तक निजी स्कूल के लिए भवन निर्माण करवा रहे हैं। इसके लिए ही उन्होंने स्वयं के प्लांट पर करीब 80 ट्राली रेत 2025 के आखरी माह तक बुलवाई थी। स्लेप में कुछ रेत का उपयोग कर लिया गया है। वर्तमान में भी निर्माण कार्य जारी है। रेत से संबंधित उनके पास रायल्टी भी मौजूद है। बावजूद इसके उनके घर के सामने पुलिस कर्मियों का पहरा लगा दिया गया है।

2 दिनों में होंगा बड़ा खुलासा

हालांकि इस पूरे मामले में नवेगांव पुलिस ने कोई भी बयान देने से इंकार कर दिया, लेकिन विभागीय सूत्र बताते है कि दो दिनों में कार्रवाई कर करीब 8-10 ट्रेक्टर जब्त किए गए हैं, कुछ ट्रैक्टर थाने में खड़े करवाए गए हैं। गोंगलई पीपल चौक और सडक़ किनारे अवैध डंप पड़े हुए हैं। जिनकी निगरानी की जा रही है। आगामी दिनों में भी कार्रवाई जारी रहने की बात भी कही जा रही है।विभागीय सूत्रों की माने तो 2 दिनों के भीतर सम्भवत: बालाघाट में एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा।जिसमे इसी मामले को लेकर पुलिस द्वारा कोई बड़ा खुलासा करने की बात भी कही जा रही है।

विश्व के विशाल एक्युप्रेशर सम्मेलन में बालाघाट के डॉ. देवेश मुक्ता सम्मानित

नि:शुल्क चिकित्सा सेवा और उत्कृष्ट उपचार कार्यों के लिए मिला चिकित्सा रत्न सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक्युप्रेशर, एक्युपंक्चर एवं मैग्नेटिक थेरेपी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित करने हेतु आयोजित 33वें राष्ट्रीय एक्युप्रेशर एवं एक्युपंक्चर सम्मेलन में बालाघाट निवासी डॉ. देवेश मुक्ता को चिकित्सा रत्न सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों का नि:शुल्क उपचार करने तथा चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए प्रदान किया गया एक्युप्रेशर दिवस के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना स्थित अधिवेशन भवन, ओल्ड सेक्रेटेरिएट कैम्पस में आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों, चिकित्सा वैज्ञानिकों एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

प्राकृतिक चिकित्सा को जीवनशैली बनाने पर दिया जोर

कार्यक्रम में डॉ. सर्वदेव प्रसाद गुप्ता एवं डॉ. अजय प्रकाश गुप्ता सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया।सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. देवेश मुक्ता ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज और विकसित राष्ट्र की नींव होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली और अनियमित खानपान के कारण अनेक बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियां लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रही हैं।उन्होंने कहा कि एक्युप्रेशर और एक्युपंक्चर पूर्णत: प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति है, जो रोगों के उपचार के साथ-साथ रोगों की रोकथाम में भी प्रभावी भूमिका निभाती है। यदि लोग इसे अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का हिस्सा बनाएं तो अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है।

देशभर में कर चुके हैं सफल उपचार

सम्मेलन के दौरान डॉ. देवेश मुक्ता के कार्यों की सराहना करते हुए आयोजकों ने बताया कि उन्होंने न केवल आम लोगों बल्कि कई जनप्रतिनिधियों और मुंबई फिल्म जगत से जुड़े सेलिब्रिटी व्यक्तियों का भी सफल उपचार किया है। उनके द्वारा किए जा रहे नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों और समाजसेवा के कार्यों को विशेष रूप से सराहा गया।

कई गणमान्य अतिथियों की रही उपस्थिति

सम्मेलन का शुभारंभ बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव एवं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में बिहार सरकार के कई मंत्री, विधायक एवं राष्ट्रीय स्तर के गणमान्य अतिथि भी शामिल हुए।इस अवसर पर बिहार विधान परिषद के चेयरमैन अवधेश नारायण सिंह, स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, पर्यावरण एवं वन मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद, सिक्किम एवं मेघालय के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे, पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद,

भीषण गर्मी में मंदिरटोला (मोहगांव-बोरी) में पानी के लिए त्राही-त्राही

नल-जल योजना की टोटियां सूखी, सप्ताह में एक दिन आता है पानी वह भी दूषित, शिकायतों के बाद भी प्रशासन मौन, ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त

ग्रामीणों ने मंदिरटोला में पानी टंकी का निर्माण एवं नल-जल योजना का नियमित रूप से पानी प्रदाय करने की मांग की

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज।लालबर्रा।

जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी) का आश्रित मानवाधिकार क्षेत्र मंदिरटोला इन दिनों भीषण जलसंकट के दौर से गुजर रहा है। नौतपा और झुलसा देने वाली इस तपती गर्मी में यहां की नल-जल योजना पूरी तरह से दम तोड़ चुकी है। आलम यह है कि नल की टोटियां लंबे समय से सूखी पड़ी हुई है और जब शिकायत करते है उसके बाद कुछ देर नल में पानी आता है वह भी दूषित पानी आता है। इस तरह से मंदिरटोला में नल-जल योजना का नियमित रूप से पानी नही मिल पा रहा है और पानी के लिए त्राही-त्राही मची हुई है, इस भीषण गर्मी में। वहीं लोगों को पानी के लिए बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इस समस्या से कई बार पंचायत के सरपंच-सचिव एवं पीएचई विभाग के जिम्मेदारों को अवगत करवा चुके है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजनों ने नल-जल योजना में जो तकनीकी खराबी आई है उसे दुरूस्त करने एवं ग्राम में पानी की टंकी का निर्माण करवाने की मांग की है।

नल घर की बढ़ा रही है शोभा, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि शासन की करोड़ों रूपयों की नल-जल योजना के तहत लालबर्रा विकासखण्ड के 77 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणजनों को पाइपलाइन के माध्यम से पानी सप्लाई की जाती है। इसी तरह मोहगांव बोरी पंचायत के ग्राम मंदिरटोला में भी पीएचई विभाग के द्वारा पाइपलाइन बिछाकर घर-घर नल कनेक्शन किया गया है किन्तु यह नल सिर्फ घर की शोभा बढ़ा रही है। नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है। जिससे मंदिरटोला एवं मोहगांव (बोरी) के ग्रामीणजन इस भीषण गर्मी एवं नौतपा में पानी के लिए परेशान है और दोनों ग्रामों में पानी के लिए त्राही-त्राही मची हुई है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। वहीं नल-जल योजना का पानी नही मिलने के कारण मंदिरटोला के ग्रामीणजन एक हेंडपंप के भरोसे निर्भर है और उक्त हेंडपंप में सुबह से ही पानी भरने वालों की भीड़ लग जाती है। ऐसी स्थिति में हेंडपंप में दबाव बढ़ने पर पानी दूषित निकलता है और हेंडपंप खराब होने पर दुर स्थित कुएं से ग्रामीणजन मजबूरी में पानी लाकर उसका उपयोग कर रहे है। वहीं लंबे समय से मंदिरटोला में पानी टंकी का निर्माण करवाने की मांग कर रहे है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिसके कारण पानी की समस्या बनी हुई है। अगर पानी टंकी का निर्माण कर दिया जाता है तो नल-जल योजना का पानी नियमित रूप से ग्रामीणों को मिलेगा।

वहीं ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ने घर-घर पानी पहुंचाने के दावे तो बड़े-बड़े किये थे, लेकिन धरातल पर वे सारे दावे हवा हो चुके हैं। नल-जल योजना का पानी नही मिलने के कारण ग्रामीणों को इस तपती धूप में कोसों दूर खेतों या निजी कुओं-हैंडपंपों से पानी ढोने को मजबूर होना पड़ रहा है। साथ ही यह भी बताया कि पानी की इस विकराल समस्या को लेकर कई बार ग्राम पंचायत से लेकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों तक गुहार लगा चुके हैं। हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन नही मिला है। लेकिन धरातल पर सुधार के नाम पर कोई काम नही किया जा रहा है। यदि जल्द ही बंद पड़ी नल-जल योजना को चालू कर सुचारू रूप से पेयजल आपूर्ति शुरू नहीं की गई एवं पानी टंकी का निर्माण नही किया गया तो ग्रामीणजन आंदोलन करने बाध्य होगें।

ग्राम में पानी टंकी का किया जाये निर्माण - अनिल

अनिल सोनेकर ने बताया कि नल-जल योजना के तहत घर-घर में नल कनेक्शन किया गया है, लेकिन जब से यह योजना प्रांरभ हुई है। मंदिरटोला (मोहगांव बोरी) में नियमित रूप से पानी नही मिल रहा है और वर्तमान समय में तो सप्ताह में एक दिन पानी आता है वह भी बहुत कम समय मिलता है और दूषित पानी आता है जिसे पीने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। श्री सोनेकर ने बताया कि इस भीषण गर्मी व नौतपा के बीच ग्रामीणजनों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है, मजबूरी में दुर स्थित हेंडपंप व कुएं से पानी लाकर उपयोग करना पड़ रहा है। जबकि गर्मी के दिनों में पानी अधिक लगता है, पानी की समस्या से कई बार पंचायत के जिम्मेदारों को अवगत करवा चुके हैं। लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है और दुसरे ग्राम से पानी आता है इसलिए पानी की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। अगर मंदिरटोला में पानी टंकी का निर्माण कर दिया जाता है तो नल-जल योजना का पानी नियमित रूप से ग्रामीणों को मिलेगा।

हैंडपंप के भरोसे प्यास बुझा रहे ग्रामीण - सिलेकर

डीपी सिलेकर ने बताया कि इस भीषण गर्मी में ग्रामीणजनों को नल जल योजना का पानी नियमित रूप से नही मिल पा रहा है, 8 से 15 दिनों में एक बार पानी आता है वह भी पर्याप्त नही मिलता है। जब पंचायत में शिकायत करते है उसके बाद एक-दो दिन पानी मिलता है उसके बाद बंद हो जाता है ऐसी स्थिति में ग्रामीणजनों को पानी के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री सिलेकर ने बताया कि नल-जल योजना का नियमित रूप से पानी नही मिलने की शिकातय अनेकों बार कर चुके है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि सरकार नल जल योजना में लाखों-करोड़ों रूपये खर्च कर रही है और बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने का प्रयास कर रही है। लेकिन उन सुविधाओं का लाभ ग्रामीणों को धरातल पर नहीं मिल पा रहा है और यह समस्या विगत कई दिनों से बनी हुई है। साथ यह भी बताया कि यदि ग्राम में पानी की टंकी का निर्माण हो जाता है तो पानी की समस्या का समाधान भी हो जायेगा परंतु शासन-प्रशासन के द्वारा इस मांग की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। साथ ही एक हेंडपंप के भरोसे ग्रामीणजन अपनी प्यास बुझा रहे है, प्रशासन से मांग है कि ग्राम में पानी टंकी का निर्माण करवाये।

शासन से पानी टंकी निर्माण करवाने की मांग की गई है - दुर्गा

मोहगांव बोरी सरपंच श्रीमती दुर्गा सिंहमारे ने बताया कि नल-जल योजना के तहत ग्रामीणजनों को पानी पाइपलाइन के माध्यम से पानी प्रदाय किया जाता है। लेकिन मंदिरटोला टेल क्षेत्र में है जहां एक दिन के अंतराल में पानी ग्रामीणजनों को नल के माध्यम से प्रदाय किया जा रहा है और उक्त ग्राम में बरघाट स्थित पानी टंकी से पानी पहुंचता है। श्रीमती सिंहमारे ने बताया कि इस पानी की समस्या से पीएचई विभाग को अवगत करवाकर शासन-प्रशासन से पानी टंकी का निर्माण करवाने की मांग की गई है, पानी टंकी स्वीकृति मिलने के बाद उक्त ग्राम में पानी की टंकी का निर्माण करवाया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि अगर पाइपलाइन में किसी स्थान पर तकनीकी खराबी के कारण नियमित रूप से पानी नही पहुंच पा रहा है तो उसे दुरूस्त कर नियमित रूप से पानी प्रदाय करने का पूरा प्रयास किया जायेगा।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद-उल -अजहा पर्व

मस्जिदों में अदा की गई विशेष नमाज, देश में अमनो-चैन की मांगी दुआएं

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। हजरत इब्राहिम के त्याग एवं बेमिसाल कुर्बानी की याद में मनाया जाने वाला पवित्र त्यौहार ईद-उल-अजहा (बकरीद) 28 मई को नगर मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा पूरे अकीदत और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की गई और बारगाहे-इलाही में मुल्क की तरक्की व अमन-चैन के लिए दुआएं मांगी गई।

मस्जिदों में उमड़ा जनसैलाब, दी गई मुबारकबाद

ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्यौहार को लेकर सुबह से ही मुस्लिम भाई नये-नये वस्त्र पहनकर मस्जिदों की ओर रवाना हुए। नगर मुख्यालय स्थित जामा मस्जिद में प्रात: 8 बजे हाफिज मो. रिजवान के द्वारा ईद-उल-अजहा की विशेष नमाज अदा करवाई गई। इसी प्रकार मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित रजा मस्जिद में भी सुबह हाफिज मौलाना इरशाद अहमद अशरफी ने नमाज संपन्न करवाई। नमाज के बाद खुतबा पढ़ा गया और मुल्क में शांति, सौहार्द व भाईचारे के लिए सामूहिक दुआएं मांगी गई। वहीं नमाज संपन्न होने के बाद मस्जिद परिसर में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। जिसके बाद सभी मुस्लिम धर्मावलंबियों ने अपना फर्ज निभाते हुए अपनी हैसियत अनुसार खरीदे गये जानवरों की कुर्बानी दी। साथ ही इस त्यौहार के मौके पर अधिकांश मुस्लिम भाई कब्रिस्तान पहुंचे अपने दिवंगत बुजुर्गों को याद किया और फातिहा पढ़ी। आपकों बता दें कि मुस्लिम समुदाय के प्रमुख त्यौहारों में से एक ईद उल अजहा (बकरीद) का पर्व है और यह पर्व रमजान के 70 दिनों के बाद मुस्लिम समुदाय के साल का अंतिम माह में आता है। पुरानी मान्यताओं के आधार पर इस पर्व पर भेड़ या बकरे की कुर्बानी दी जाती है और इस पर्व का उन्हे बेसब्री से इंतेजार रहता है। 28 मई को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में मुस्लिम धर्मालंबियों के द्वारा पूरे अकीदत के साथ ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोग मस्जिदों में पहुंचकर विशेष नमाज अदा कर एक-दुसरे से गले मिलकर ईद उल अजहा पर्व की शुभकामनाएं दी। रजा मस्जिद अमोली के हाफीज मौलाना इरशाद अहमद अशरफी ने बताया कि हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माइल अलेहिस्सलाम की याद में मनाया जाने वाला ईद-उल-अजहा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और इस अवसर पर रजा मस्जिद में प्रात: 8 बजे बकरीद पर्व की विशेष नमाज अदा कर देश की अमनों-चैन की दुआएं मांगी गई। साथ ही एक-दुसरे से गले मिलकर पर्व की शुभकामनाएं दी गई। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस बल जामा मस्जिद लालबर्रा व रजा मस्जिद अमोली में मुस्तैद रहा।

नवतपा का कहर - बैल बाजार में भीषण गर्मी से एक बैल की मौत

गरीब कृषक को हुआ हजारों का नुकसान, मुआवजा की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र में इन दिनों नवतपा की भीषण गर्मी और तेज धूप का कहर लगातार जारी है। आसमान से बरसती आग के कारण जनजीवन तो बेहाल है ही, साथ ही मूक पशु भी इसका शिकार हो रहे हैं। ऐसा ही एक दिल दहला देने वाला और दु:खद मामला लालबर्रा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा के साप्ताहिक बैल बाजार से सामने आया है, जहां गुरूवार को तड़पती धूप और लू के कारण एक बैल की मौके पर ही मौत हो गई। जिससे गरीब कृषक (किसान) को हजारों रूपये का नुकसान हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत खुरपुड़ी निवासी गरीब कृषक अजबलाल कावरे गुरूवार 28 मई को अपने दो बैलों को बेचने की उम्मीद लेकर सिवनी मार्ग पावर हाउस लालबर्रा स्थित बैल बाजार लेकर आया था। दोपहर करीब 2 बजे जब गर्मी अपने चरम पर थी, अचानक तेज लू लगने के कारण एक बैल की तबीयत बिगड़ गई। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, बैल ने खड़े-खड़े ही दम तोड़ दिया और वह जमीन पर गिर गया। नवतपा की इस भीषण दोपहर में हुई इस अचानक घटना से बैल बाजार में हड़कंप मच गया और वहां मौजूद अन्य पशुपालक व ग्रामीण सहम गये। वहीं अचानक स्वस्थ बैल की बैल बाजार में मौत हो जाने से अन्य मवेशी मालिक भी कुछ देर के लिए घबरा गये। लालबर्रा क्षेत्र सहित अन्य विकासखण्ड के लोग भी अपने बैलों को बेचने एवं खरीदने के लिए बैल बाजार में आये थे। लेकिन नौतपा के चौथे दिन सुबह से लेकर शाम तक पड़ी चिलचिलाती धुप से हर कोई हलाकान होते नजर आये और धुप के कारण वे अपने मवेशी को लेकर चिंतित थे कि कही तेज धुप में उनका मवेशी बीमार न हो जाये। वहीं पीड़ित कृषक अजबलाल कावरे ने भावुक मन और रूआंसे गले से बताया कि वे घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने बैलों को बेचने आये थे, लेकिन इस अप्रत्याशित हादसे ने उन्हें पूरी तरह झकझोर कर रख दिया है। मृत बैल की अनुमानित कीमत लगभग 15 से 20 हजार रूपये बताई जा रही है। इस घटना से गरीब किसान पर दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा है और उसे भारी आर्थिक क्षति पहुंची है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से पीड़ित गरीब किसान को उचित मुआवजा देने की मांग की है। वहीं इस घटना के बाद से क्षेत्र के पशुपालकों में डर का माहौल है। पशु चिकित्सकों ने भी इस भीषण गर्मी और नवतपा को देखते हुए मूक पशुओं को दोपहर के समय धूप में न निकालने और उन्हें पर्याप्त पानी व छांव में रखने की सलाह दी है।

पंचायत समन्वयक अधिकारी रामसहाय हल्दकार का निधन, अंत्येष्टि आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा में पदस्थ सीनियर पंचायत समन्वयक अधिकारी 60 वर्षीय रामसहाय हल्दकार का 28 मई को जबलपुर में उपचार के दौरान दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 29 मई को प्रात: 9 बजे जबलपुर में शोकाकुल माहौल में किया जायेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचायत समन्वयक अधिकारी रामसहाय हल्दकार का मूल निवास बगराची जबलपुर का है जो विगत 40 वर्ष से बकोड़ा में निवास कर रहे थे और लालबर्रा जनपद पंचायत में पंचायत समन्वयक अधिकारी के पद पर पदस्थ थे। जो करीब 4 माह से किसी बीमारी थे, जिनका उपचार जबलपुर में चल रहा था। 28 मई को शाम 5.30 बजे अचानक तबियत अधिक खराब होने एवं हृदयगति रूक जाने से उनका दु:खद निधन हो गया। जिनके निधन की खबर लगते ही जनपद पंचायत कार्यालय लालबर्रा में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारी, उसके परिजनों एवं चित-परिचितों में शोक की लहर व्याप्त हो गई है। स्व. हल्दकार सीनियर अधिकारी थे और सरल, स्वभाव व मृदुभाषी के धनी थे, अपने पीछे पत्नि, एक पुत्र, दो पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये है। जिनका अंतिम संस्कार 29 मई को प्रात: 9 बजे जबलपुर के मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया जायेगा।

वारासिवनी में अकीदत और कौमी इत्तेहाद के साथ मनाई गई ईद-उल-अजहा

ईदगाह में अदा की गई नमाज घरों में साहिब-ए-हैसियत लोगों ने की कुर्बानी की रस्म अदा

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर सहित क्षेत्र भर में त्याग बलिदान और समर्पण का प्रतीक पर्व ईद-उल-अजहा यानि बकरीद पारंपरिक अकीदत उत्साह और कौमी इत्तेहाद के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। इस मुबारक मौके पर मुख्य नमाज 28 मई की सुबह ठीक 8 बजे स्थानीय कब्रिस्तान स्थित ईदगाह में अदा की गई। जहाँ हजारों की संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी जमा हुए। नमाज के दौरान देश और दुनिया में अमन.चैन तरक्की तथा क्षेत्र में जारी पानी की किल्लत को दूर करने के लिए अल्लाह ताला से रहमत की बारिश की विशेष दुआएं मांगी गईं।

तकरीर में बयां किया कुर्बानी का ऐतिहासिक वाकया

ईदगाह में विशेष नमाज की अदायगी से पूर्व जामा मस्जिद के इमाम साहब ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए ईद-ए-अ'हा के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व पर तफसीली बयान दिया। उन्होंने पैगंबरे इस्लाम हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम और उनके सुपुत्र हजरत इस्माइल अलैहिस्सलाम की महान कुर्बानी के वाकये का जिक्र करते हुए बताया कि यह पर्व हमें खुदा की राह में अपना सब कुछ न्योछावर करने और सब्र रखने की सीख देता है। ईद की असली खुशी तब है जब हम अपने आसपास के गरीबों यतीमों और बेसहारों को इसमें शामिल करें। उन्होंने समाज के संपन्न लोगों से अपील की कि वे सबसे पहले जरूरतमंदों की मदद करें । उनके चेहरों पर मुस्कान लाएं और देश के नियम.कानूनों का पूरी निष्ठा से पालन करें यही इस मुकद्दस त्योहार के स'चे मायने हैं।

गले मिलकर मिटा गिले.शिकवे दी मुबारकबाद

दो रकात वाजिब नमाज के बाद जैसे ही सामूहिक दुआ मुकम्मल हुई पूरा ईदगाह परिसर ईद मुबारक के नारों से गूंज उठा। मुस्लिम भाइयों ने ना केवल आपस में एक.दूसरे को गले लगाया बल्कि ईदगाह के बाहर मौजूद अन्य समाज के लोगों से भी गले मिलकर दिली मुबारकबाद पेश की। मुस्लिम समाज के अध्यक्ष इकबाल खान ने कहा कि ईद.ए.अल्लहा हमारे धर्म का एक बेहद मुकद्दस और बड़ा पर्व है। खुदा अपने बंदों को सब कुछ अता करता है लेकिन वह परीक्षा भी लेता है। हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम को 90 वर्ष की आयु में संतान हजरत इस्माइल की प्राप्ति हुई थी। जब अल्लाह ने उनसे उनकी सबसे प्रिय वस्तु की कुर्बानी मांगी तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के अपने जिगर के टुकड़े को खुदा की राह में सौंप दिया। जैसे ही उन्होंने आंखों पर पट्टी बांधकर छुरी चलाई अल्लाह की रहमत से वहां एक मेंढा आ गया और बेटा सुरक्षित बच गया। श्री खान ने अपील की कि ईश्वर हर जरूरत पूरी करता है बशर्ते इंसान जीवन में धैर्य और विश्वास बनाए रखे।

मरहूमों की कब्रों पर पहुंचे अकीदतमंद

ईदगाह में नमाज संपन्न होने के बाद बड़ी संख्या में लोग कब्रिस्तान पहुंचे। वहाँ उन्होंने अपने पूर्वजों और मरहूमों दिवंगतों की कब्रों पर गुलपोशी की तथा इत्र व लोबान अगरबत्ती लगाकर खुशबू का नजराना पेश किया। अकीदतमंदों ने कब्रों के पास हाथ उठाकर अपनों की रूह के सुकून और दुआ.ए.मगफिरत के लिए विशेष प्रार्थना की जिसके बाद वे अपने घरों की ओर रवाना हुए।

घरों में शुरू हुआ कुर्बानी का सिलसिला

नमाज और दुआओं के दौर के बाद साहिबे.हैसियत मुसलमानों ने अपने अपने घरों में सुन्नते.इब्राहिम का पालन करते हुए अल्लाह की राह में कुर्बानी की रस्म अदा की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कुर्बानी का यह सिलसिला आगामी तीन दिनों तक अनवरत जारी रहेगा। इस दौरान तैयार किए गए पकवानों और कुर्बानी को तीन हिस्सों में बांटकर गरीबों, रिश्तेदारों और स्वयं के लिए इस्तेमाल करने की परंपरा का निर्वहन किया जा रहा है।

सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद

पर्व को शांतिपूर्ण सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन सुबह से ही बेहद चाक.चौबंद नजर आया। नगर की मस्जिदों कब्रिस्तान और संवेदनशील चौराहों पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। आला अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस का काफिला लगातार पेट्रोलिंग और गश्त करता रहा। ईदगाह के आसपास यातायात को सुचारू बनाए रखा जिससे नमाजियों और राहगीरों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नही करना पड़े। नगर और पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी के चलते संपूर्ण पर्व शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

रामपायली के कटंगटोला में भीषण सड़क हादसा

अज्ञात कार ने बाइक सवार 3 लोगों को मारी जोरदार टक्कर हालत गंभीर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगटोला में बीती रात एक बेहद दर्दनाक सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया है। यहाँ वारासिवनी.खैरलांजी मार्ग पर एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर सवार तीनों लोग सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आरोपी कार चालक मौके से वाहन सहित फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटना 27 मई की रात को घटित हुई मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीन व्यक्ति 32 वर्षीय सोनू रहाँगडाले, 31 वर्षीय येशान बिसेन और एक 13 वर्षीय मासूम मयंक पटले रामपायली से अपने गंतव्य सिंगोड़ी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा रामपायली की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात कार के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए कटंगटोला के पास मोटरसाइकिल को सामने से जबरदस्त टक्कर मार दी। रात के सन्नाटे में टक्कर की आवाज इतनी जोरदार थी कि उसे सुनकर आस पड़ोस के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके की ओर दौड़े। घटना स्थल पर तीनों मोटरसाइकिल सवार लहुलूहान स्थिति में तड़प रहे थे। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए बिना वक्त गंवाए सभी घायलों को तुरंत उपस्वास्थ्य केंद्र रामपायली में उपचार के लिए भर्ती कराया। उप स्वास्थ्य केंद्र रामपायली में मौजूद डॉक्टरों ने घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरंत उनका प्राथमिक उपचार शुरू किया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने तीनों को तुरंत जिला चिकित्सालय के लिए रिफर कर दिया जहाँ फिलहाल उनका उपचार जारी है। सड़क दुर्घटना को अंजाम देने के बाद अज्ञात कार चालक मौके से अपनी गाड़ी लेकर रफूचक्कर हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने मामले को संज्ञान में ले लिया है। पुलिस के द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

वारासिवनी पुलिस ने गौ तस्करो पर की कार्यवाही

मिनी ट्रक से गोवंश की तस्करी करते 3 आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय में किया गया पेश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए अवैध रूप से गौवंश की तस्करी कर रहे तीन आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक मिनी ट्रक और क्रूरता पूर्वक ठूंसे गए 3 गौवंश बैल बरामद किए हैं। पुलिस के द्वारा वैधानिक कार्यवाही पूरी करने के बाद सभी आरोपियों को वारासिवनी न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी थाने में पदस्थ कार्यवाहक उपनिरीक्षक किरणकुमार बाहेश्वर को मुखबिर के जरिए पुख्ता सूचना मिली कि लालबर्रा की ओर से एक अशोक लीलैंड छोटा मिनी ट्रक वाहन संख्या सी जी 06 जी आर 8353 में कुछ लोग क्रूरता पूर्वक गौवंश भरकर कत्लखाने ले जाने के उद्देश्य से वारासिवनी की तरफ आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल कार्यवाही करते हुए लालबर्रा रोड़ पर ग्राम मुरझड़ मछली फार्म के पास घेराबंदी की। सुबह करीब 11.20 से 12 बजे के बीच जब संदिग्ध वाहन वहां पहुंचा तो पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। वाहन की जांच करने पर पुलिस को उसके पिछले हिस्से में 3 नग गौवंश बैल मिले जिन्हें बेहद बेरहमी से बांधकर रखा गया था। दम घुटने और हिलने डुलने की जगह नही होने के कारण मवेशी तड़प रहे थे। पुलिस ने मौके से वाहन चालक सहित तीन आरोपियों में कृष्ण कुमार पिता मदनलाल बनोटे उम्र 39 वर्ष निवासी वार्ड नं. 13 खैरलांजी ,डीलेश पिता शंकर दमाहे उम्र 25 वर्ष निवासी वार्ड नं.16 खैरलांजी ,सुरेन्द्र पिता इंदल पताहे उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड नं.15 खैरलांजी को हिरासत में लेकर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 531000 रुपये मूल्य का मिनी ट्रक और तीनों मवेशियों को विधिवत जब्त कर लिया। मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है। वारासिवनी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 0249/2026 के तहत म.प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4,6/9 पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत अपराध दर्ज कर वारासिवनी पुलिस ने सभी आरोपियों को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से आगामी न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

बुदबुदा रेलवे क्रॉसिंग की मरम्मत की जाए-विक्रम देशमुख

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत चलने वाली दैनिक ट्रेन के वारासिवनी कटंगी स्टेशनों के बीच ग्राम धानीटोला बुदबुदा स्थित लेवल क्रॉसिंग बी के.38 किमी 1071/12 पर जर्जर सड़क व गड्ढों को सुधारने हेतु एवं निर्माणाधीन रोड़ अंडर ब्रिज के स्थान पर रोड ओवर ब्रिज बनाए जाने संबंधी शिकायत पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम के डी देशमुख के द्वारा रेलवे मंडल कार्यालय नागपुर में की गई थी। ज्ञात हो कि यह रेलवे क्रॉसिंग जनपद वारासिवनी के ग्राम धानीटोला बुदबुदा में स्थित है। यह मार्ग बालाघाट जिला मुख्यालय को महाराष्ट्र से जोड़ने वाला जिला मुख्य मार्ग भी है। वर्तमान में बी के 38 पर मानवयुक्त गेट रेलवे समपार क्रॉसिंग है। जो कि वर्तमान में बड़े.बड़े गड्ढों से युक्त है एवं एक ओर की आधी सड़क लगभग पिछले दो वर्षों से खोदकर छोड़ दी गई है। विक्रम देशमुख के द्वारा रेलवे मुख्यालय को इस मार्ग की महत्ता बताते हुएए रोड़ ओवर ब्रिज की मांग भी की गई थी। जैसे कि ग्राम अगासी ग्राम वारा और ग्राम शेरपार में रेलवे द्वारा निर्माण हुआ है। ज्ञात हो कि इस रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माण कार्य शुरू होने के कारण पिछले दो वर्षों से सैकड़ों कृषकों की बैलगाड़ियां उनके खेतों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। ग्राम धानीटोला एवं बुदबुदा के सैकड़ों कृषक उपज का भारी बोझ सिर पर लादकर घरों तक लाने के लिए मजबूर हैं। रेलवे मंडल कार्यालय नागपुर के सीनियर डिविजनल इंजीनियर उत्तर ने अपने पत्र में विक्रम देशमुख को आश्वासन दिया है कि रोड अंडर ब्रिज का काम जून 2026 में पूर्ण कर दिया जाएगा। साथ ही निर्माणाधीन कार्य पूर्ण होने के बाद नागरिकों का आवागमन सुलभ हो जाएगा। सीनियर डिविजनल इंजीनियर उत्तर ने भारी वाहनों को सड़क में पड़ने वाले गड्ढों का मुख्य जिम्मेदार बताया है। साथ ही यह भी आश्वासन दिया है कि इस शिकायत का संज्ञान लेकर रेलवे शीघ्र ही मरम्मत कार्य शुरू किया जायेगा।

मरार माली समाज ब्लॉक वारासिवनी ने किया मयंक मात्रे का सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर 12 शीतला माता मंदिर निवासी मयंक मात्रे ने इस वर्ष 2025-26 में सांदीपनी विद्यालय वारासिवनी से कक्षा 12 वीं की परीक्षा गणित विषय में उत्तीर्ण किया है। साथ ही इंटरनेशनल स्पेस साइंस कॉम्पिटिशन 2026 के ग्रैंड विनर होकर फ्री नासा एजुकेशन टूर प्राप्त किया है। मयंक सितंबर 2026 में नासा एजुकेशन टूर पर जाने वाले हैं। मयंक मात्रे की इस सफलता पर मरार माली समाज ब्लॉक वारासिवनी के द्वारा इंटरनेशनल स्पेस साइंस कॉम्पिटिशन 2026 के ग्रैंड विनर का सम्मान किया गया। समाज के प्रतिनिधि मंडल के द्वारा मयंक मात्रे को बुके के साथ साथ सिंबाल ऑफ नॉलेज डॉ.बी आर आंबेडकर व प्राइड ऑफ नेशन डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम' के फोटो फ्रेम भेंट किया गया एवं मिठाई खिलाकर बधाइयां दी गई तथा उनके उ'जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। निश्चित रूप से मयंक ने अपने परिवार समाज विद्यालय एवं देश का गौरव बढ़ाया है। इस अवसर पर मरार माली समाज ब्लॉक वारासिवनी के अध्यक्ष अशोक मरार,सचिव हेमंत देशमुख, पी डी बाहेश्वर,बी पीए पंचेश्वर, राजकुमार चौधरी,मनोज दांदरे,किशोर तामेश्वर, अशोक मात्रे,भुवन खैरवार, रेवाराम पंचेश्वर,नंदलाल तामेश्वर,नंदकिशोर आचरे,रामकृष्ण जमरे,दीपक देवेश्वर, मुरली मात्रे, भूरेलाल मात्रे, योगेंद्र मात्रे, जतिन मात्रे सहित अन्य सामाजिकगण उपस्थित रहे।

तपती धरती पर आज से झमाझम बारिश

भोपाल। पूरे देश में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। हर कोई बारिश का इंतजार कर रहा है। इसी बीच मौसम विभाग से भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। अनुमान है कि 29 मई से मध्य प्रदेश में प्री मानसून की दस्तक दे सकता है। भोपाल सहित प्रदेश के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर देखने को मिलेगा। प्री मानसून सबसे पहले केरल में दस्तक देगा। वहीं 29 मई को प्री मानसून के मध्य प्रदेश में पहुंचने के स्ट्रॉन्ग चांसेस हैं। जिससे प्रदेश के कई इलाकों में तेज आंधी और हवाएं चलेंगी। भोपाल सहित कई इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि, प्रदेश के चंबल इलाके के ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, दतिया, भिंड, दतिया, शिवपुरी में बारिश होगी। वहीं टीकमगढ़, निवाड़ी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और बालाघाट में भी बारिश हो सकती है। बारिश होने से तापमान में भी गिरावट आएगी। पारा 2 से 3 डिग्री नीचे जाने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा के अनुसार, मध्य प्रदेश में मानसून आमतौर पर 15 जून के आसपास पहुंचना शुरू होता है और 22 जून तक ग्वालियर-चंबल के कुछ इलाकों को छोड़कर ज्यादातर जिलों में पहुंच जाता है। 7-8 जून के बाद प्रदेश में जो बारिश शुरू होगी, उसे प्री-मानसून गतिविधि कहा जाता है। ऐसे में माना जा रहा है की 29 मई से प्री मानसून की गतिविधियां शुरु हो सकती हैं। मध्य प्रदेश में नौतपा की शुरुआत के साथ ही भीषण गर्मी की शुरुआत हो गई है। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, राज्य के अधिकांश जिले भीषण गर्मी की चपेट में हैं और आगामी दिनों में राहत के आसार फिलहाल कम दिख रहे हैं। प्रदेश में चिलचिलाती गर्मी को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की है।

उज्जैन के आस-पास गांवों में बनेंगे होम स्टे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को उज्जैन से रवाना होने से पूर्व अधिकारियों को एक महत्वपूर्ण आदेश दे गए। आदेश ये कि सिंहस्थ से पहले शहर के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर होम स्टे विकसित किए जाएं। ये होम स्टे, शहर की मुख्य सडक़ से सटे 30 किलोमीटर परिधि के गांवों में पर्यटन विभाग के सहयोग से तैयार किए जाएं। इसके लिए ग्रामीणों के घरों और उनके खेतों का रचनात्मक उपयोग किया जाए। जिन ग्रामीणों के पास बड़े और खुले घर हैं, उन्हें होम स्टे योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। पर्यटन विभाग के माध्यम से इन ग्रामीणों को हर संभव शासकीय व तकनीकी मदद मुहैया कराई जाए। सिंहस्थ महापर्व के दौरान देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को ठहरने में कोई दिक्कत न हो और उन्हें ग्रामीण परिवेश में बेहद किफायती दरों पर स्वच्छ आवास मिल सके। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि महापर्व के दौरान आने वाले श्रद्धालु आधुनिक होटलों की भीड़भाड़ से दूर, मालवा के गांवों के स्वच्छ, शांत और पावन वातावरण का आनंद ले सकेंगे। इससे न केवल श्रद्धालुओं को सस्ता और अच्छा ठिकाना मिलेगा, बल्कि स्थानीय ग्रामीणों के लिए स्वरोजगार और आर्थिक उन्नति के नए रास्ते भी खुलेंगे।

इंदौर रोड के गांवों से शुरुआत, कलेक्टर ने संभाली कमान

इस महत्वाकांक्षी योजना को जमीन पर उतारने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों का पालन करते हुए जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया गया है। योजना के पहले चरण में उज्जैन से सटे इंदौर रोड पर स्थित डोंडिया-मेंडिया गांव में 30 होम स्टे यूनिट बनाने की तैयारी की जा रही है। जिन-जिन गांवों से ग्रामीणों के आवेदन प्राप्त होंगे, उन सभी गांवों में होम स्टे तैयार करवाए जाएंगे। सभी होम स्टे की एक विस्तृत सूची तैयार की जाएगी।

2023 में शुरू हुई योजना

उज्जैन शहर में होम स्टे योजना वर्ष 2023 में शुरू हुई थी। योजना अनुसार मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड उज्जैनवासियों को उनके घर में उपलब्ध अतिरिक्त कमरे किराये पर देकर आय कमाने का सुनहरा अवसर देता है। इसके लिए भवन मालिक को सिर्फ पर्यटन बोर्ड की होम स्टे योजना में पंजीयन कराना होता है। पर्यटन विभाग द्वारा पंजीकृत इकाईयों का प्रचार-प्रसार किया जाता है।

हाइड्रोजन की रफ्तार पर दौड़ेगा आत्मनिर्भर भारत

भारतीय रेल की हरित क्रांति = जिंद-सोनीपत सेक्शन पर शुरू होने जा रही देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन,स्वच्छ ऊर्जा, आधुनिक तकनीक और पर्यावरण संरक्षण के संगम से विकसित भारत की नई दिशा भारत आज केवल आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर नहीं है,बल्कि विज्ञान,तकनीक, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में भी विश्व को नई दिशा देने का कार्य कर रहा है। एक समय था जब भारतीय रेल केवल यात्रियों और माल ढुलाई का माध्यम मानी जाती थी,लेकिन आज वही भारतीय रेल आधुनिक भारत की बदलती तस्वीर,तकनीकी आत्मविश्वास और हरित विकास की सबसे बड़ी प्रतीक बन चुकी है।इसी क्रम में भारतीय रेलवे ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है।हरियाणा के जिंद-सोनीपत रेलखंड पर देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित ट्रेन शुरू होने जा रही है। यह केवल एक नई ट्रेन नहीं,बल्कि भारत के ऊर्जा भविष्य,पर्यावरणीय जिम्मेदारी और आत्मनिर्भर तकनीक की नई उड़ान है।भारतीय रेलवे द्वारा स्वीकृत यह 10 कोच वाली अत्याधुनिक ट्रेन 1200 किलोवाट क्षमता वाले इंजन से संचालित होगी तथा इसकी अधिकतम गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह ट्रेन पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करेगी,क्योंकि हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से चलने वाली इस ट्रेन से केवल जलवाष्प का उत्सर्जन होगा।आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ते प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है।पेट्रोल और डीजल आधारित परिवहन व्यवस्था ने वायु प्रदूषण को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। ऐसे समय में भारत द्वारा हाइड्रोजन ऊर्जा आधारित रेल सेवा की शुरुआत एक दूरदर्शी और ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। वर्तमान समय में पूरी दुनिया ऊर्जा संकट की चुनौती से भी जूझ रही है।रूस-यूक्रेन युद्ध,पश्चिम एशिया में तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहना भविष्य के लिए सुरक्षित नहीं है। भारत जैसे विशाल देश के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता अब केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं,बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थायी विकास का महत्वपूर्ण विषय बन चुकी है। ऐसे समय में हाइड्रोजन ऊर्जा भविष्य की सबसे बड़ी संभावनाओं के रूप में उभर रही है।हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से बिजली उत्पन्न होती है। इस प्रक्रिया में धुआं,कार्बन या जहरीली गैसें नहीं निकलतीं,बल्कि केवल जलवाष्प उत्पन्न होती है। यही कारण है कि विश्वभर में इसे भविष्य की सबसे स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा तकनीकों में शामिल किया जा रहा है।भारतीय रेलवे की यह पहल देश को हरित परिवहन व्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाएगी। इससे रेलवे के कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को भी बढ़ावा मिलेगा।भारत पहले ही वर्ष 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित कर चुका है और यह परियोजना उसी संकल्प को मजबूती प्रदान करती है।देश के करोड़ों रेल यात्रियों के लिए भी यह पहल गर्व और भावनात्मक जुड़ाव का विषय है। भारतीय रेल केवल यात्रा का साधन नहीं,बल्कि देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन रेखा मानी जाती है। गांव से शहर,किसान से मजदूर,छात्र से व्यापारी तक हर वर्ग का व्यक्ति भारतीय रेल से जुड़ा हुआ है।

वरिष्ठजन हमारे घर की नींव

बुजुर्गों का आशीर्वाद बहुत भाग्य वालों को मिलता है

वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता में आस्था जग प्रसिद्ध है। अपने माता- पिता और बड़े बुजुर्गों का जितना सम्मान भारतीय संस्कृति में सदियों से प्रवाहित हो रहा है, शायद दुनियाँ में कहीं नहीं देखने को मिलेगा। परंतु दुर्भाग्य से कहना पड़ रहा है कि माता-पिता बड़े बुजुर्गों के सम्मान की इतनी धारदार कट्टरता अभी कुछ वर्षों से तीव्रता से कम होती जा रही है। याने पाश्चात्य संस्कृति की छाया भारतीय समाज में तीव्रता से बढ़ती जा रही है। आज माता-पिता अपने बच्चों को अपना पेट काटकर ऊंचे से ऊंची शिक्षा दिलाकर डॉक्टर इंजीनियर सीए सहित अनेक प्रोफेशनल डिग्रियां दिलाकर उच्च मुकाम पर पहुंचा रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि कुछ अपवादों को छोड़कर उन्हीं नवयुवकों द्वारा अपने अपने माता-पिता को छोड़कर अपनें भविष्य, अपनी जिंदगी,अपनी लाइफ स्टाइल के नाम पर बड़े शहरों, विदेशों में जॉब के नाम पर जाकर वहीं सेट हो जाते हैं। अनेक युवा वहीं शादी कर लेते हैं तो कुछ अपने नाटिव स्थान पर शादी करके फैमिली सहित वापस बड़े शहर या विदेश में चले जाते हैं और बेचारे मां-बाप वहीं अपनी तंगी हालत में जीते हैं। ऐसे अनेक हकीकत किस्से हर शहर, गांव में आम होते जा रहे हैं हमारी कॉलोनी में भी कई किस्से मेरी नजरों के सामने हैं जो बेचारे फटी पेंट या धोती पहन कर गुजारा कर रहे हैं और उनके बच्चे ब्रांडेड चीजों को वापरकर अपनी पाश्चात्य लाइफ स्टाइल जी रहे हैं जिसका कोई फायदा नहीं है। मेरा मानना है कि ऐसे युवक इस नाइंसाफी का बीज बो रहे हैं जो आगे चलकर अपने बच्चों से वटवृक्ष के रूप में परेशानियों से भरा पाएंगे। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे आओ अपने माता-पिता बड़े बुजुर्गों वृद्धजनों का सम्मान और उनकी देखभाल करें।

साथियों बात अगर हम आध्यात्मिक आस्था की करें तो, हम लोग पूजा-पाठ बहुत करते हैं, लेकिन हमें सकारात्मक फल नहीं मिल पाते हैं। मेरा मानना है कि सिर्फ पूजा से जीवन में सुख-शांति नहीं मिल सकती है। अपना आचरण भी अच्छा बनाए रखना जरूरी है। हम लोग माता-पिता का सम्मान नहीं करते हैं और सिर्फ पूजा-पाठ करते हैं, तो हमें सुख शांति नहीं मिल पाती है। देवी-देवता भी उन्हीं लोग पर कृपा करते हैं जो अपने माता-पिता का पूरा सम्मान करते हैं और उनके सुख-दुख का ध्यान रखते हैं।

साथियों बात अगर हम हमारे शास्त्रों में बुजुर्गों के सम्मान की करें तो,यजुर्वेद का उल्लेख, हमारे शास्त्रों में भी बुजुर्गों का सम्मान करने की राह दिखलायी गई है यजुर्वेद का निम्न मंत्र संतान को अपने माता-पिता की सेवा और उनका सम्मान करने की शिक्षा देता है-

यदापि पोष मातरं पुत्र- प्रभुदितो धयान।
इतदगे अनृणो भवाम्यहतौ पितरौ ममां॥

अर्थात् जिन माता-पिता ने अपने अथक प्रयत्नों से पाल पोसकर मुझे बड़ा किया है, अब मेरे बड़े होने पर जब वे अशक्त हो गये हैं तो वे जनक-जननी किसी प्रकार से भी पीड्ति न हों, इस हेतु मैं उसी की सेवा सत्कार से उन्हें संतुष्ट कर अपा आनृश्य (ऋण के भार से मुक्ति) कर रहा हूँ। आज अंतरराष्ट्रीय स्तरपर हम मनीषियों को को यह समझने की जरूरत है कि वरिष्ठ नागरिक, वृद्धजन, बड़े बुजुर्ग हमारे समाज की अनमोल विरासत होते हैं, उन्होंने अपने समाज और देश को बहुत कुछ दिया है। वह हमारी धरोहर हैं, अनुभवों का एक खजाना है जो किसी भी देश की उन्नति के लिए मूल्यवान मंत्र है जिसका सही दिशा में उपयोग किया जाए तो उस देश को सामाजिक- आर्थिक नैतिक संपन्नता से नवाज़ने से कोई नहीं रोक सकता क्योंकि उनके अनुभवों के साथ उनका आशीर्वाद भी काम करता है जिसमें स्वयं ईश्वर अल्लाह भी हस्तक्षेप नहीं कर सकते इतनी ताकत होती है आशीर्वाद या दुआ में,इसलिए हमें चाहिए कि बड़े बुजुर्गों के अनुभवों और सीख से हम जीवन में आई विपत्तियों से पार पाने में सक्षम हों।आओ वृद्धावस्था को सुखी बनाएं-उनका आशीर्वाद लें।

साथियों बात अगर हम माता पिता बड़े बुजुर्ग वृद्धजनों के सम्मान की करें तो, बचपन से ही हमें घर में शिक्षा दी जाती है कि हमें अपने से बड़ो का सम्मान करना चाहिए। वरिष्ठजन हमारे घर की नींव होते हैं। बुजुर्गों का आशीर्वाद बहुत भाग्य वालों को मिलता है इसलिए सभी को अपने से बड़ों और वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए। लेकिन आज के समय में ये कहना अनुचित नहीं होगाकि अबये मात्र औपचारिकता रह गई है। लेकिन हर व्यक्ति को वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान और आदर की भावना रखनी चाहिए। हमारे देश में बड़े लोगों को ईश्वर अल्लाह के तुल्य और उनके आशीर्वाद को किसी भी काम में सबसे बड़ा सहायक माना जाता है, इसलिए हमारे देश में सभी अपने से बड़ों का सम्मान और आदर करते हैं। फिलहाल अब हालात काफी बदल गए हैं। कई मामलों में वृद्धजनों को अपनी संतानों द्वारा मुश्किलें और दिक्कतें झेलते देखा गया है।

साथियों बात अगर हम माता पिता वृद्धजनों की अवहेलना की करें तो, एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता है, यानें वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है। यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है,जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। वह लोग भूल जाते हैं कि अनुभव का कोई दूसरा विकल्प दुनिया में है ही नहीं। अनुभव के सहारे ही दुनिया भर में बुजुर्ग लोगों ने अपनी अलग दुनिया बना रखी है। जिस घर को बनाने में एक इंसान अपनी पूरी जिंदगी लगा देता है, वृद्ध होने के बाद उसे उसी घर में एक तुच्छ वस्तु समझ लिया जाता है। बड़े बूढ़ों के साथ यह व्यवहार देखकर लगता है जैसे हमारे संस्कार ही मर गए हैं। बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के पीछे एक मुख्य वजह सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। सब जानते हैं कि आज हर इंसान समाज में खुद को बड़ा दिखाना चाहता है और दिखावे की आड़ में बुजुर्ग लोग उसे अपनी सुंदरता पर एक काला दाग दिखते हैं। बड़े घरों और अमीर लोगों की पार्टी में हाथ में छड़ी लिए और किसी के सहारे चलने वाले बुढ़ों को अधिक नहीं देखा जाता, क्योंकि वह इन बूढ़े लोगों को अपनी आलीशान पार्टी में शामिल करना तथाकथित शान के खिलाफ़ समझते हैं। यही रुढ़िवादी सोच उच्च वर्ग से मध्यम वर्ग की तरफ चली आती है। आज के समाज में मध्यम वर्ग में भी वृद्धों के प्रति स्नेह की भावना कम हो गई है।

साथियों बात अगर हम भारत में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भरण पोषण और कल्याण (संशोधन) विधेयक 2019 की करें तो यह 11 दिसंबर 2019 को लोकसभा में पेश किया गया था, सामाजिक न्याय और अधिकारिता संबंधी स्थाई समिति की रिपोर्ट 29 जनवरी 2021 को लोकसभा में प्रस्तुत की गई थी अभी मानसून सत्र में शेड्यूल किया गया था। इसमें वृद्धजनों का जीवन सुरक्षित करने संबंधी अनेक प्रकार के प्रावधान हैं जिसमें बच्चों की परिभाषा में बदलाव, नाबालिक बच्चों का शामिल करना, माता-पिता की परिभाषा में सांस सुर, दादा दादी, नाना नानी को शामिल करना, भरण पोषण में स्वास्थ्य देखभाल बचाव और सुरक्षा को शामिल करना है ताकि गरिमापूर्ण जीवन जी सकें इत्यादि अनेक सुधार इस संशोधन के माध्यम से किए गए हैं।

साथियों बात अगर हम माता पिता के बुजुर्ग अवस्था के पड़ाव की करें तो,बुजुर्गावस्था हर इंसान के जीवन का एक पड़ाव है। इस समय में व्यक्ति को प्यार सम्मान और अपनेपन की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। जिन लोगों पर बुजुर्गों का साया होता है वे लोग बहुत भाग्यशाली होते हैं। बुजुर्ग ही हमें जीवन जीने का सही मार्ग सिखाते हैं। उनके अनुभव और सीख से जीवन में हम किसी भी कठिनाई को पार करने में सक्षम होते हैं। इसलिए हमें कभी भी उनके प्रति उपेक्षा का भाव नहीं रखना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस को पूरी तरह से बुजुर्गों के लिए समर्पित किया जाता है। इस दिन उनके सम्मान में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। वृद्धाश्रमों में बुजुर्गों का खुशी का ध्यान रखते हुए कई तरह के आयोजन किए जाते हैं। इस दिन बुजुर्गोंको होने वाली समस्याओं और उनकी सेहत के विषय में गंभीरता पूर्वक विचार किया जाता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ अपने माता पिता बड़े बुजुर्गों का सम्मान करें। आध्यात्मिकता में माता-पिता का सर्वश्रेष्ठ स्थान है। बड़े बुजुर्ग वृद्धजन ईश्वर अल्लाह का रूप है। पिता की धोती फटी है तो हमारी ब्रांडेड चीजों का कोई फायदा नहीं है। मां से ऊंची आवाज में बात कर रहे हैं तो रोज मंदिर जाकर देवी मां का पूजन करने का मतलब नहीं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गुजरात में इबोला की आशंका से बढ़ी सतर्कता

-कांतिलाल मांडोत

गुजरात में इबोला वायरस की आशंका ने स्वास्थ्य विभाग और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अफ्रीकी देश कांगो से लौटे एक 37 वर्षीय युवक में इबोला जैसे लक्षण पाए जाने के बाद पूरे राज्य का स्वास्थ्य तंत्र अलर्ट मोड पर आ गया है। युवक को पहले वडोदरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन हालत और लक्षणों को देखते हुए बाद में अहमदाबाद सिविल अस्पताल में विशेष निगरानी के तहत भर्ती किया गया। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संपर्क ट्रेसिंग और निगरानी की प्रक्रिया तेज कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मरीज करीब दस दिन पहले कांगो से मुंबई पहुंचा था। मुंबई में कुछ दिन रुकने के बाद वह सिलवासा और दमण क्षेत्र गया तथा बाद में 22 मई को वडोदरा पहुंचा। 26 मई को उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। लगातार बुखार और वायरल हेमरेजिक फीवर जैसे लक्षण सामने आने पर डॉक्टरों ने उसे संदिग्ध इबोला मरीज मानते हुए विशेष निगरानी में रखा। मरीज की जांच रिपोर्ट में लीवर एंजाइम्स एसजीपीटी और एसजीओटी का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया। इसके अलावा प्लेटलेट्स भी सामान्य से कम दर्ज किए गए, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ गई।

इबोला वायरस दुनिया के सबसे खतरनाक संक्रमणों में गिना जाता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क से फैलता है और तेजी से गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। अफ्रीकी देशों में समय-समय पर इसके प्रकोप की खबरें आती रही हैं। यही कारण है कि कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे देशों से आने वाले यात्रियों की विशेष जांच की जा रही है। गुजरात सरकार ने अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विशेष स्क्रीनिंग की व्यवस्था भी की है ताकि किसी भी संभावित संक्रमित व्यक्ति की समय रहते पहचान की जा सके।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल में मरीज को आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उसकी निगरानी कर रही है। अस्पताल प्रशासन ने संक्रमण से बचाव के लिए विशेष प्रोटोकॉल लागू किए हैं। स्वास्थ्य कर्मियों को पीपीई किट और अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम किया जा सके। मरीज की अंतिम जांच रिपोर्ट आने तक उसे पूरी तरह अलग निगरानी में रखा जाएगा।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने बताया कि मरीज के संपर्क में आए सभी लोगों की पहचान की जा रही है। संपर्क में आए लोगों में कुछ को बुखार की शिकायत भी मिली है, इसलिए उनकी मेडिकल जांच और निगरानी शुरू कर दी गई है। एक चिकित्सक और कुछ विदेशी नागरिकों के संपर्क में आने की जानकारी भी सामने आई है। इन सभी लोगों को स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में रखा गया है।

अहमदाबाद मनपा संचालित एसवीपी अस्पताल में भी तीन संदिग्ध मरीजों को क्वारंटीन किया गया है। अस्पताल प्रशासन ने विशेष वार्ड तैयार कर रखा है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत इलाज शुरू किया जा सके। डॉक्टरों का कहना है कि अभी घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सावधानी और सतर्कता बेहद जरूरी है। संक्रमण की पुष्टि होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। इबोला जैसी बीमारियां केवल स्वास्थ्य संकट ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी बन जाती हैं। कोविड महामारी के बाद लोगों में संक्रामक रोगों को लेकर संवेदनशीलता बढ़ी है। ऐसे में किसी भी संदिग्ध मामले की खबर तेजी से चिंता का कारण बन जाती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते जांच और निगरानी से संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विभाग ने एयरपोर्ट स्क्रीनिंग, अस्पताल निगरानी और संपर्क ट्रेसिंग जैसे कदम तेजी से शुरू किए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इबोला संक्रमण के शुरुआती लक्षणों में तेज बुखार, कमजोरी, शरीर में दर्द, उल्टी और रक्तस्राव जैसी समस्याएं शामिल हो सकती हैं। यदि समय पर इलाज और आइसोलेशन न किया जाए तो यह वायरस गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए विदेश यात्रा से लौटने वाले लोगों को किसी भी असामान्य लक्षण की स्थिति में तुरंत जांच करानी चाहिए और स्वास्थ्य विभाग को जानकारी देनी चाहिए। गुजरात सरकार की सक्रियता इस मामले में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग लगातार अस्पतालों को दिशा निर्देश जारी कर रहा है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि किसी भी संभावित संक्रमण से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके। एयरपोर्ट और अस्पतालों में निगरानी बढ़ा दी गई है तथा मेडिकल टीमों को अलर्ट रखा गया है। यह घटना एक बार फिर यह याद दिलाती है कि वैश्विक स्तर पर फैलने वाली बीमारियों का खतरा आज भी बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा और बढ़ती आवाजाही के कारण किसी भी देश में संक्रमण पहुंचने की संभावना बनी रहती है। ऐसे समय में मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था और त्वरित कार्रवाई ही सबसे बड़ा बचाव साबित होती है। फिलहाल पूरे राज्य की नजर मरीज की अंतिम रिपोर्ट पर टिकी हुई है। स्वास्थ्य विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अफवाहों से बचने की अपील कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि सतर्कता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर किसी भी संभावित खतरे से प्रभावी तरीके से निपटा जा सकता है।

क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है।

शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है।

दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है।

इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है। इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईसीयू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर यह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं।

शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने का प्रयास हुआ है। देश में नए आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालय, एम्स और चिकित्सा संस्थानों की स्थापना की गई। उच्च शिक्षा और उच्च चिकित्सा के नए केंद्र विकसित हुए हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हुई और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए गए।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि पूरा परिदृश्य केवल निराशाजनक है। पिछले वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में कुछ सकारात्मक प्रयास भी हुए हैं। विशेष रूप से जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आई, तब इन क्षेत्रों की संरचनात्मक कमियों की ओर अपेक्षाकृत गंभीर ध्यान दिया गया। चिकित्सा क्षेत्र में आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। जिला स्तर तक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में भी पहल हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और स्थानीय भाषाओं में अध्ययन पर बल दिया गया। लेकिन भारत जैसी विशाल जनसंख्या वाले देश में ये प्रयास अभी पर्याप्त नहीं कहे जा सकते। जिस गति से जनसंख्या ब?ी है, उस अनुपात में सरकारी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार नहीं हो पाया। यही कारण है कि निजी क्षेत्र ने उस खाली स्थान को भर दिया और धीरे-धीरे प्रमुख भूमिका में आ गया। अब आवश्यकता केवल नए संस्थान खोलने की नहीं बल्कि सरकारी शिक्षा और चिकित्सा को अधिक प्रभावी, सुलभ और उद्देश्यपूर्ण बनाने की है। सरकारी विद्यालयों और अस्पतालों की गुणवत्ता बढ़ानी होगी। उनमें आधुनिक संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। निजी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों पर प्रभावी नियंत्रण भी आवश्यक है। शिक्षा और चिकित्सा को पूर्णतः बाजार की शक्तियों पर नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि ये केवल आर्थिक गतिविधियां नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व हैं। शिक्षा नीति को समाज और जीवन से जोड़ना होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा और चिकित्सा को पुनः सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। यदि ये दोनों क्षेत्र केवल व्यापार बन गए तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी, प्रतिभाएं टूटेंगी और आम आदमी विकास की मुख्यधारा से बाहर होता जाएगा। भारत के भविष्य की दिशा इस बात से तय होगी कि शिक्षा और चिकित्सा कितनी सुलभ, समान और मानवीय बनती हैं। सरकार, समाज, नीति निर्माताओं और निजी क्षेत्र को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें कोई बच्चा आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न हो और कोई नागरिक उपचार के अभाव में पीड़ित न रहे। यही स्वतंत्र भारत की मूल भावना थी और यही भविष्य का मार्ग भी होना चाहिए।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते गुरुवार को किराना जिंसों में नारियल मजबूती पर रहा। खोपरे गोले में लेवाली रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में भाव अटके रहे। दलहनों में चने में मजबूती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार नारियल में लेवाली के चलते भावों में सुधार रहा। खोपरा गोला पूछपरख से सुर्ख देखा गया। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में बाजार अटके रहे। दलहनों में चना मजबूती बनाये रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शकर 4240-4320, खोपरा गोला 380-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2300-2350, (250) 2600-2650

तेल- सींगदाना 1630-1650, मुम्बई 1650, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1415-1420, सोया रिफाइंड 1470-1490, कपास्या 1490-1495, धूलिया 1495, कड़ी 1495,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1600-1610, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8300, रायडा 6800-7200, सोयाबीन 7200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6050, विशाल 6050-6100, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 5900-6000, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7200-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7900-8000, मीडियम 7700-7800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 252500, चाँदी (99) 252400, टंच 251800, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 150100,

एशियाई शेयरों में गिरावट, वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स लुढ़का

नई दिल्ली। एजेंसी। ईरान पर यूएस के नए हमले के बाद गुरुवार को एशियाई शेयर गिरे। जबकि वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स सुबह के कारोबार में भारत के समय के अनुसार, 1 फीसदी तक गिर गए। नैस्डैक फ्यूचर्स 0.9 फीसदी नीचे थे। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.41 फीसदी गिरे और डाउ जोन्स फ्यूचर्स 0.21 फीसदी फिसले, जो बाद में यूएस मार्केट के लिए कमजोर शुरुआत का संकेत देते हैं। यूएस मिलिट्री ने ईरान के खिलाफ डिफेंसिव स्ट्राइक बताया, जिसके बाद एशियाई मार्केट में ज्यादातर गिरावट देखी गई। एक दिन पहले तेज़ी से गिरने के बाद तेल की कीमतें भी यूएसडी 1 प्रति बैरल से ज्यादा बढ़ गईं। शुरुआती एशियाई ट्रेड में जापान का निक्केई 225 0.1 फीसदी से कम बढ़कर 65,039.78 पर आ गया, जबकि साउथ कोरिया का कोस्पी 1.2 फीसदी गिरकर 8,126.67 पर आ गया। हॉन्ग कॉन्ग का हैंग सेंग इंडेक्स 1.9 फीसदी गिरकर 24,855.86 पर आ गया, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.3 फीसदी गिरकर 4,080 पर आ गया।

कच्चे तेल की महंगाई, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और वैश्विक तनाव से दबाव में रहा बाजार

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में आई बड़ी गिरावट के कारण मार्च तिमाही में देश के निवेशकों की इक्विटी संपत्ति में करीब 12.6 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की ताजा मार्केट प्लस रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के वर्षों में यह भारतीय शेयर बाजार की सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव वाली तिमाहियों में से एक रही। चौथी तिमाही में निफ्टी 50 में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। बाजार में गिरावट की सबसे बड़ी वजह बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, ईरान संघर्ष को लेकर चिंता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली रही। इसके अलावा वैश्विक निवेशकों का रुझान एआई और सेमीकंडक्टर सेक्टर की ओर बढ़ा, जिससे पैसा भारत जैसे उभरते बाजारों से निकलकर ताईवान और साउथ कोरिया जैसे देशों की तरफ जाने लगा।

76.5 लाख करोड़ पर पहुंची घरेलू इक्विटी

रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च 2026 तक एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में घरेलू निवेशकों की कुल हिस्सेदारी, जिसमें सीधे शेयर निवेश और म्यूचुअल फंड निवेश दोनों शामिल हैं, घटकर 76.5 लाख करोड़ रुपये रह गई। यह तिमाही आधार पर करीब 13 फीसदी की गिरावट है। वित्तीय वर्ष 26 के दौरान कुल 2.5 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई, लेकिन अकेले मार्च तिमाही में ही 12.6 लाख करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट देखने को मिली। हालांकि अप्रैल 2020 से अब तक घरेलू निवेशकों की कुल इक्विटी संपत्ति में करीब 44 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी अब भी बनी हुई है।

विदेशी निवेशकों ने निकाला भारी पैसा

रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय वर्ष 26 के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार से 19.6 अरब डॉलर निकाल लिए। इसका असर उनकी हिस्सेदारी पर भी पड़ा। एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी घटकर 17 साल के निचले स्तर 15.8 फीसदी पर पहुंच गई। वहीं निफ्टी 50 में उनकी हिस्सेदारी भी घटकर 21.8 फीसदी रह गई।

म्यूचुअल फंड में निवेश बना मजबूत

बाजार गिरने के बावजूद घरेलू म्यूचुअल फंड निवेश लगातार मजबूत बना रहा। एसआईपी के जरिए निवेश जारी रहने से म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी बढ?र रिकॉर्ड 11.4 फीसदी पर पहुंच गई। यह लगातार 11वीं तिमाही है जब म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी रिकॉर्ड स्तर पर रही।

ईंधन सब्सिडी दुरुपयोग पर सरकार का शिकंजा

नई दिल्ली। एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में पश्चिम एशिया संकट पर हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में खुदरा ईंधन के दुरुपयोग और कालाबाजारी के गंभीर मामले सामने आए हैं। इसमें पाया गया कि औद्योगिक उपभोक्ता सब्सिडी वाले खुदरा ईंधन का लाभ उठा रहे हैं, जिससे तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को भारी दैनिक नुकसान हो रहा है। मंत्रियों के अनौपचारिक समूह (आईजीओएम) की बैठक की कार्यवाही पर जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह खुलासा हुआ कि औद्योगिक उपभोक्ता सब्सिडी वाली कीमत का फायदा उठाने के लिए औद्योगिक ईंधन की बजाय खुदरा ईंधन खरीद रहे हैं। इसके साथ ही कुछ डीलरों द्वारा कालाबाजारी के भी मामले सामने आए हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, तेल विपणन कंपनियों और राज्य सरकारों ने जमीनी स्तर पर निगरानी तेज कर दी है और उद्योग संगठनों को भी इस काम से जोड़ा जा रहा है। बैठक में यह भी सामने आया कि मौजूदा व्यवधान के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की ओएमसी ने ईंधन के अंतरराष्ट्रीय कीमतों का बोझ ग्राहकों पर डालने से बचने के लिए प्रतिदिन लगभग 550 करोड़ रुपये का नुकसान उठाया है। सरकार ने स्पष्ट किया कि खुदरा ईंधन केवल खुदरा उपभोग के लिए है, जबकि वाणिज्यिक डीजल की कीमत अंतरराष्ट्रीय दरों के अनुसार तय होती है। पश्चिम एशिया की स्थिति को देखते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अधिकारियों को देश की ऊर्जा आपूर्ति के विविधीकरण और तैयारियों को जारी रखने का निर्देश दिया।

नीति निर्माण को जमीनी रूप, वित्त मंत्रालय का राष्ट्रव्यापी उद्योग दौरा

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने आर्थिक नीति निर्माण को सशक्त बनाने और पश्चिम एशिया संकट जैसी वैश्विक चुनौतियों के प्रबंधन हेतु उद्योग की जमीनी प्रतिक्रिया जानने के लिए एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम शुरू किया है। वित्त मंत्रालय का आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) इसके तहत देश भर में विनिर्माण इकाइयों और औद्योगिक समूहों का दौरा करेगा। यह पहल आर्थिक नीतियों को वास्तविक समय की जानकारी से जोड़ने और आगामी केंद्रीय बजट प्रस्तावों में साक्ष्य-आधारित नीतिनिर्माण को मजबूत करने पर केंद्रित है। डीईए के वरिष्ठ अधिकारी सूक्ष्म, लघु एवं मझोली विनिर्माण इकाइयों के साथ-साथ बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं का दौरा करेंगे। इन दौरों का उद्देश्य बुनियादी ढांचे, नियामकीय अड़चनों, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, वित्त तक पहुंच, कौशल की कमी और प्रौद्योगिकी अपनाने जैसी परिचालन एवं नीतिगत चुनौतियों पर प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करना है। सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में मजबूती के बावजूद, वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया संकट के चलते कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, रुपये में कमजोरी और आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा जैसी समस्याओं ने निजी निवेश को असमान बना रखा है। इन समस्याओं की गहराई को समझने के लिए डीईए अधिकतम पांच सदस्यों के दल भेजेगा, जिनकी अगुवाई अतिरिक्त सचिव या संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी करेंगे। ये दल विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में दो से तीन दिन का दौरा करेंगे, जिसमें कम से कम दो स्टार्टअप से बातचीत भी शामिल होगी। कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के अनुसार दलों को विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, रोजगार एवं अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) को कंपनियों और अधिकारियों के बीच बातचीत को सुगम बनाने को कहा गया है। इन दौरों से प्राप्त विस्तृत क्षेत्रवार रिपोर्ट 10 दिन के भीतर आर्थिक कार्य सचिव को सौंपी जाएंगी।

मेष- आज प्यार आपके रिश्ते में नई मिठास घोल सकता है। जीवनसाथी के साथ बिताए गए पल दिल को सुकून देंगे और रिश्ते में अपनापन और गहराई बढ़ेगी। कारोबार में थोड़ी हलचल और उतार-चढ़ाव रह सकते हैं, लेकिन समझदारी से लिए गए फैसले आपको संभाल लेंगे। पैसों को लेकर आप कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं, जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा। अगर किसी का उधार बाकी है, तो आज उसकी याद दिलाई जा सकती है। आसपास के लोगों की असली नीयत पहचानकर चलेंगे, तो दिन ज्यादा शांत और सुखद रहेगा।

वृषभ- आज किस्मत आपके दरवाजे पर खुशियों की दस्तक दे सकती है। व्यापार में कोई बड़ा सौदा आपके हाथ लग सकता है और मेहनत का शानदार परिणाम देखने को मिलेगा। माता-पिता का आशीर्वाद आपको घर या प्रॉपर्टी से जुड़ा सपना पूरा करने में मदद करेगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को पूरी लगन से निभाएंगे और लोग आपकी तारीफ करेंगे। सामाजिक कार्यों में भाग लेने से आपकी पहचान और सम्मान दोनों बढ़ेंगे।

मिथुन- आज आपकी प्रतिभा लोगों को प्रभावित करने वाली है। कार्यक्षेत्र में आपकी रचनात्मक सोच और नए आइडिया सबका ध्यान खींचेंगे। कला, लेखन या क्रिएटिव कामों में आपका मन खूब लगेगा। घर में किसी खास मेहमान के आने से माहौल में रौनक बढ़ेगी। हालांकि किसी सहयोगी की बात दिल को चुभ सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखें। यात्रा के दौरान मिली कोई जानकारी भविष्य में बड़ा फायदा दे सकती है।

कर्क- आज मन थोड़ा उलझा और बेचैन रह सकता है। पैसों से जुड़ा कोई फैसला जल्दबाजी में लेना नुकसान दे सकता है, इसलिए सोच-समझकर कदम बढ़ाएं। परिवार में छोटी-मोटी बहस तनाव बढ़ा सकती है, लेकिन बातचीत से हर बात सुलझ सकती है। मां से किया गया कोई वादा आज आप पूरा करेंगे, जिससे मन को सुकून मिलेगा।

सिंह- आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा दोनों चरम पर रहेंगे। नौकरीपेशा लोगों को उनके काम के लिए तारीफ और सम्मान मिल सकता है। निवेश के लिए दिन अच्छा है, खासकर शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को लाभ मिलने के संकेत हैं। आप अपने हर काम को समय पर पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे। पुराने दोस्त से अचानक मुलाकात पुरानी यादों को ताजा कर देगी।

कन्या- आज आपको हर फैसला बहुत सोच-समझकर लेना होगा। साझेदारी में काम कर रहे लोगों को अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत है। लंबे समय से रुका हुआ कोई काम पूरा होकर राहत देगा। सेहत को हल्के में लेना ठीक नहीं रहेगा। जरूरी दस्तावेजों और कागजों को संभालकर रखें, क्योंकि लापरवाही नुकसान करा सकती है।

तुला- आज आपकी समझदारी और निर्णय लेने की क्षमता आपको दूसरों से आगे रखेगी। आमदनी बढ़ाने के नए रास्ते नजर आएंगे, लेकिन धन से जुड़ा कोई मामला मन को थोड़ा परेशान कर सकता है। पुरानी किसी गलती का सच सामने आ सकता है, इसलिए संभलकर रहें। विदेश में पढ़ाई या करियर बनाने का सपना देखने वालों को शानदार अवसर मिल सकते हैं। अपने काम खुद संभालें, क्योंकि दूसरों पर भरोसा करना परेशानी बढ़ा सकता है।

वृश्चिक- आज समाज में आपका मान-सम्मान और रुतबा बढ़ने वाला है। घर में किसी धार्मिक आयोजन या पूजा-पाठ की योजना बन सकती है। लगातार मेहनत के कारण शरीर थका हुआ महसूस कर सकता है। आपका मनमौजी स्वभाव कभी-कभी आपको मुश्किल में डाल सकता है, इसलिए संतुलन बनाए रखें। जरूरी बातें और निजी जानकारी किसी से साझा करने से बचें। अगर परिवार के सामने आपकी कोई गलती उजागर हो जाए, तो विनम्रता से उसे स्वीकार करना ही रिश्तों को मजबूत बनाएगा।

धनु- आज आपके भीतर जोश और उत्साह भरपूर रहेगा। हर काम में मन लगेगा और नई शुरुआत करने का उत्साह भी बना रहेगा, खासकर प्रेम संबंधों में। सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी है, इसलिए योग और व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। पारिवारिक मामलों को बातचीत से सुलझाने की कोशिश करें।

मकर- आज आपको धैर्य और समझदारी के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। पुरानी बीमारी अगर दोबारा परेशान कर रही है, तो उसे नजरअंदाज न करें। परिवार और काम के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। हर फैसला सोच-समझकर लें, क्योंकि जल्दबाजी में उठाया गया कदम बाद में पछतावा दे सकता है।

कुंभ- आज सामाजिक क्षेत्र में आपकी पहचान और प्रभाव बढ़ सकता है। लोग आपके काम और विचारों की सराहना करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और मन में आत्मविश्वास बना रहेगा। प्रेम संबंधों में चल रही दूरियां कम होंगी और रिश्तों में समझ बढ़ेगी। दूसरों के मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल देने से बचें।

मीन- आज सेहत आपका पूरा साथ देगी और आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक जुड़ाव और मजबूत होगा, जिससे रिश्ते में अपनापन बढ़ेगा। नौकरी में आ रही किसी समस्या का हल किसी जूनियर या सहयोगी की मदद से निकल सकता है। किस्मत आज आपके पक्ष में रहेगी, इसलिए कई काम आसानी से पूरे होते नजर आएंगे।

शब्दजाल - 8273

प्र	उ	त्त	र	प्र	दे	श	व	ना	क	प्र
ती	क	ती	ति	ल	क	व	जी	ग	कृ	गु
के	ड़	रा	त	त	मि	ल	ना	डु	आ	ज
र	क	क	ज	ज	जा	पु	का	प्र	प	रा
ल	प्र	क	का	स्था	ग	प्र	अ	प्र	श	त
झ	झ	का	प्र	ल	न	ह	झ	दे	ना	ण
घ	र	ती	श	षी	म	प्र	प्र	से	क	क
ला	ख	क	ता	तै	ई	ध्य	व	र्ना	फ	लो
श	ड	प्र	बि	हि	म	ई	ट	प्र	ती	प
प	जा	द	र	ह्म	प	क	जी	उ	ड़ी	सा
प	प्र	क	क	प्र	र	है	या	रा	बा	प्र

शब्द जाल में भारत के 10 राज्यों के नाम ढूंढिए, दिए गए शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, केरल, उड़ीसा.

शब्दजाल - 8272 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7217

ऊपर से नीचे:-

१. सनी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्कालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सजन से ऊपर ना मौला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिम्मी शेरगिल, इरफान, अर्पित भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कैसी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२. फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शाविरअली, तरुण, मेघना नायडू की फिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता को 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डु धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हैंसते होते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अनुकपूर, सत्ता, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबरदस्त' में सनी देओल के साथ नायिका कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली जे.डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7216

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

29 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.26 बजे से
चंद्र	तुला में	कर्क	08.39 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.56 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.07 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.18 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.33 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.49 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.54 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.41 बजे से
		मीन	01.13 बजे से
		मेष	02.44 बजे से
		वृष	04.24 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 149 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 09.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 10.38 बजे को समाप्त।
योग परिघ 04.36 बजे प्रातः को समाप्त।
करण तैतिल 09.51 बजे तदनन्तर गर 22.53 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 12.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 35'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872724
जूलियन दिन 2461189.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 12

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से 07.23 बजे तक		रोग	05.38 से 07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक		काल	07.11 से 08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक	
काल	10.19 से 11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक		चर	02.51 से 04.23 बजे तक	
चर	04.10 से 05.38 बजे तक		रोग	04.23 से 05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः प्रार्थना के बीच में

एक सेठ एक साधु से मिलने आया। साधु को प्रणाम करके उसने कहा, 'बाबा, मैं प्रार्थना करना चाहता हूं, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद नहीं कर पाता। जब भी मैं ध्यान लगाने की कोशिश करता हूं तभी मेरे आगे दुनियावी चीजें आ खड़ी होती हैं। धन कमाने और पारिवारिक तनाव के बारे में सोचने लग जाता हूं। आप ही बताइए मुझे प्रार्थना में मन लगाने के लिए क्या करना चाहिए?' यह सुनकर साधु महाराज सेठ को एक ऐसे कमरे में ले गए जिसकी खिड़कियों में शीशे लगे हुए थे। साधु ने सेठ को कांच के पार बाहर का नजारा दिखाया। शीशों से पेड़, उस पर चहकते पक्षी व दूसरी कई चीजें नजर आ रही थीं। यह देखकर सेठ प्रसन्न हो गया। उसके बाद साधु उसे एक दूसरे कमरे में लेकर गए। वहां कमरों की खिड़कियों पर चांदी की चमकीली परत लगी हुई थी। साधु बोले, 'सेठ जी, जरा देखो तो इस चांदी की चमकीली परत के पार आप क्या देख पाते हैं?' सेठ चांदी की चमकीली परत के पास गया तो उसे अपने चेहरे के सिवाय और कुछ नहीं दिखा। बाहर के मनोरम दृश्य उस परत में खो गए थे। यह देखकर सेठ बोला, 'बाबा, यहां तो बाहर की दुनिया ही गायब है। चांदी की चमकीली परत में तो मुझे सिवाय अपने चेहरे के कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता जबकि कांच में से मुझे बाहर के मनोरम दृश्य दिखाई पड़ रहे थे।' सेठ की बात सुनकर साधु बोले, 'बिल्कुल सही कहा तुमने। इसी तरह तुम भी प्रार्थना करते समय अपने ऊपर चांदी की परत चढ़ाए रखते हो इसलिए उसमें तुम्हें अपनी शक्ल और अहं के अलावा कुछ और नजर नहीं आता। यदि तुम स्वयं को कांच की तरह पारदर्शी और स्वच्छ बनाओगे तो तुम्हारा प्रार्थना में ध्यान सहज ही लग जाएगा।' सेठ को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसने उसी क्षण निश्चय किया कि अब वह बेमतलब की चीजों को प्रार्थना के बीच में नहीं आने देगा।

सूडोकु नवताल- 7526

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7525 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 8741

बाएँ से दाएँ

1. भगवान, ईश्वर, रब-7
6. रुपये का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य, कीमत, दर-2
10. जी, इच्छा, चित-2
11. नलका, टोंटी-2
13. बारीक, सूक्ष्म-3
14. रेखा, लाइन-3
15. रग, नाड़ी-2
17. अधिकार -2
18. वध, कत्ल, मर्डर-2
20. दौड़ने वाला, धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना, प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

ऊपर से नीचे

2. निर्माण, बनाना-3
3. एक संगीतकार-4
4. गाड़ी चलानेवाला-4
5. नखरा-2
6. आरामदेय-5
9. इच्छा पूरी करना-2,3
10. चिंतन-3
12. उत्साह, जिज्ञासा-3
16. हद, सीमा, बार्डर-4
17. हमेशा, सदैव-4
19. बलिदान, परित्याग, विरक्ति-2
21. नास्तिक (उर्दू-2)

शब्द पहेली-8740 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

चौंदाटोला-जूनेवानी मार्ग निर्माण को लेकर जारी धरना प्रदर्शन

विधायक राजकुमार कर्राहे के आश्वासन पर ग्रामीणों ने किया धरना समाप्त

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत टेमनी के ग्रामीण जन चौंदाटोला-जूनेवानी सड़क को लेकर नौतपा की झुलसा देने वाली गर्मी में शुरू हुआ ग्रामीणों का आंदोलन आखिरकार असर दिखा गया। 26 मई से चौंदाटोला चौक पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे ग्रामीणों के बीच गुरुवार को क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे पहुंचे और सड़क निर्माण को लेकर बड़ा भरोसा दिलाते हुये अनशन समाप्त करवाया। विधायक ने ग्रामीणों से कहा कि यह सिर्फ सड़क नहीं, बल्कि कई गांवों की जीवनरेखा है और इसकी बदहाली को लेकर शासन स्तर पर लगातार पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण कार्य को मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि से स्वीकृति मिल चुकी है तथा प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। विधायक के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया। दरअसल, चौंदाटोला से रानककोड़ी मेन रोड तक लगभग तीन किलोमीटर लंबा यह मार्ग वर्षों से बदहाल पड़ा है। बरसात में दलदल और गर्मियों में धूल के गुबार से परेशान ग्रामीणों का सब्र आखिरकार टूट गया था। 26 मई से ग्रामीण चौंदाटोला चौक पर धरने पर बैठ गए थे। आंदोलन के दौरान प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी हुई और ग्रामीणों ने साफ कहा था कि अब उन्हें आश्वासनों की नहीं सड? निर्माण की जरूरत है।

धरना स्थल पहुंचकर विधायक ने दिया भरोसा, नरम पड़े ग्रामीण

धरना स्थल पर विधायक राजकुमार कर्राहे ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता को अब ज्यादा समय तक परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सड़क निर्माण की प्रक्रिया तेज़ी से आगे बढ़ाई जाएगी और जल्द बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। आपने बताया सीएम विशिष्ट निधी की राशि 1 करोड़ 63 लाख रूपये उक्त मार्ग केलिये स्वीकृत है जल्द ही टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण होते ही निविदा लगेगी और मार्ग निर्माण अतिशिघ्र होगा। विधायक की इस पहल के बाद आंदोलनकारी ग्रामीणों का रुख नरम पड़ा। ग्रामीणों ने कहा कि जनप्रतिनिधि स्वयं धरना स्थल पर पहुंचे और समस्या के समाधान की दिशा में पहल की जिससे उन्हें उम्मीद जगी है कि अब वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा। इसके बाद आंदोलनकारी शांतिपूर्वक धरना समाप्त कर अपने.अपने घर लौट गए।

जब खाट बनी एंबुलेंस, तब पूरे प्रदेश ने देखा था दर्द

यह वही सड़क है जिसने दो वर्ष पहले पूरे प्रदेश का ध्यान अपनी ओर खींचा था, जब जुनेवानी गांव की एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा के दौरान खराब सड़क के कारण परिजनों को खाट पर उठाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ा था। बारिश और कीचड़ से हालात इतने खराब थे कि एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी थी। उस घटना की तस्वीरें और वीडियो पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बने थे। उस दौरान भी सड़क निर्माण के दावे किए गए थे, लेकिन हालात नहीं बदले। धरना प्रदर्शन के दौरान कविता महेश मात्रे, सरपंच पति लक्ष्मण कावरे, गेंदलाल पंचाले, भक्त कुमार कावरे, ईश्वर नागफासे अमरदास कावरे, अरुण गेडाम, तिजलाल बाहें, श्यामलाल बाहें, मुरारीलाल कुम्भरे, संदीप पंद्रे, मोहन नागफांसे, जितेंद्र कावरे, दुर्गेश मात्रे, नेतलाल पांचें, खेमलाल मात्रे, गणपत मात्रे, गजेंद्र खरे, फूलचंद कावरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अनियंत्रित मोटरसाइकिल विद्युत पोल से टकराई, युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। लांजी। बहेला थाना क्षेत्र अंतर्गत बहेला - सिंगोला मार्ग पर पंचमटोला मार्ग के समीप 27 मई बुधवार रात्रि एक दर्दनाक सड? हादसे में युवक की मौत हो गई। घटना के संबध में बताया जा

रहा है बहेला - सिंगोला मार्ग पर पंचमटोला मार्ग के समीप सड़क किनारे लगे 11 केवी विद्युत पोल से एक मोटर सायकल अनियंत्रित होकर टकराई गई। मोटर सायकल में सवार को हादसे में गंभीर चोटे आई थी, घटना स्थल पर मौजूद लोगो एवं रिश्तेदारो के द्वारा घायल युवक को तत्काल सिविल अस्पताल लांजी लाया जहां डाक्टर्स ने युवक को मृत घोषित किया। मृतक की पहचान चिचोली निवासी पोतन पिता केसो भैसारे (35 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना 27 मई की रात्रि लगभग 8.30 बजे के बीच की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार मृतक पोतन राजमिस्त्री का काम करता था और दोपहर में भोजन करने के बाद अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 50 एमएम 8652 लेकर घर से निकला था। मृतक के भांजे मिथलेश यादव ने बताया कि रात करीब 9 बजे उन्हें घटना स्थल से फोन पर सूचना मिली की मामा जी सड? दुर्घटना में घायल हो गये है जब वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि घायल उनके मामा पोतन ही थे। इसके बाद साथियों की मदद से उन्हें निजी वाहन से सिविल अस्पताल लांजी लाया गया, लेकिन घटना अतिगंभीर होने के चलते पोतन अत्यधिक गंभीर रूप से घायल हो गया था तथा जब तक उसे सिविल अस्पताल लेकर पंहुचे तब तक पोतन की मृत्यू हो चुकी थी। सिविल अस्पताल में उपस्थित डाक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। साथ ही उक्त घटना की सूचना लांजी पुलिस को मर्ग तहरीर के रूप में दी गई। लांजी थाने से पुलिस के द्वारा अस्पताल पंहुचकर मर्ग पंचनामा कार्यवाही की गई साथ ही घटना बहेला थाना क्षेत्र अन्तर्गत घटित होने के चलते शुन्य पर मर्ग कायम कर असल कायमी हेतु बहेला थाना मर्ग डायरी भेजी जायेगी। परिजनों ने मृतक युवक अपने पीछे पत्नि और दो मासूम बच्चे छोड गया है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार सहित ग्राम में शोक की लहर व्याप्त हो गई परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। 28 मई को शव का पीएम करवाया गया तथा शव परिजनों को सौंप दिया गया। ग्रामीण जनो ने नम आंखो से पोतन को विदाई देकर शोक श्रृद्धांजलि अर्पित की। वहीं बहेला पुलिस मामले में मर्ग पंजीबद्ध कर जांच करेगी।

हर्षोल्लास से मनाया गया कुर्बानी का पर्व मनाया ईद-उल-अजहा

मुल्क में अमन चैन की मांगी दुआएं

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर में गुरुवार को देशभर में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार मनाया गया है। लांजी नगर स्थित जामा मस्जिद में ईद की नमाज के लिए सुबह से ही भीड़ जुटनी शुरू हो गई ती। मुस्लिम समुदाय द्वारा गुरुवार को सुबह नमाज अता की गई। इस दौरान मौलाना अनवार साहब ने कहा कि ईद पर सभी गिले शिकवे मिटाकर दोस्तों व अपनों की तरह सभी को गले लगाना चाहिए।

शांति पूर्वक मनाया गया ईद-उल-अजह का पर्व

ईद अल.अज़्हा या बकरीद ;अरबी में ईद.उल.अज़्हा अथवा ईद.उल.अद्ह्हा . जिसका मतलब कुरबानी की ईद इस्लाम धर्म में विश्वास करने वाले लोगों का एक प्रमुख त्यौहार है। रमजान के पवित्र महीने की समाप्ति के लगभग 70 दिनों बाद इसे मनाया जाता है। इस्लामिक मान्यता के अनुसार हज़रत इब्राहिम अपने पुत्र हज़रत इस्माइल को इसी दिन खुदा के हुक्म पर खुदा कि राह में कुर्बान करने जा रहे थे तो अल्लाह ने उसके पुत्र को जीवनदान दे दिया जिसकी याद में यह पर्व मनाया जाता है। ईद-उल-अजह उर्दू महीने जिल्हिज की10 वीं तारीख को पर सामूहिक तौर पर ईद की नमाज़ अदा की जाती है। इसमें दो राकात नमाज शामिल हैं। जिसमें पहली राकात में सात तक्बीर और दूसरी राकात में पाँच तकबीरें हैं। प्रार्थनाओं और उपदेशों के समापन पर मुसलमान एक दूसरे के साथ गले मिलते हैं और एक दूसरे को बधाई देते हैं ;ईद मुबारक उपहार देते हैं और एक दूसरे से मिलते हैं। बहुत से मुसलमान अपने ईद त्योहारों पर अपने गैर.मुस्लिम दोस्तों पड़ोसियों सहकर्मियों और सहपाठियों को इस अवसर पर आमंत्रित करते है।

त्याग का पर्व ईद-उल-अजहः

बकरीद का त्यौहार हिजरी के आखिरी महीने जु अल.हज्जा में मनाया जाता है। पूरी दुनिया के मुसलमान इस महीने में मक्का सऊदी अरब में एकत्रित होकर हज मनाते है। ईद उल अजहा भी इसी दिन मनाई जाती है। वास्तव में यह हज की एक अंशीय अदायगी और मुसलमानों के भाव का दिन है। दुनिया भर के मुसलमानों का एक समूह मक्का में हज करता है बाकी मुसलमानों के अंतरराष्ट्रीय भाव का दिन बन जाता है। ईद उल अजहा का अक्षरशरू अर्थ त्याग वाली ईद है इस दिन जानवर की कुर्बानी देना एक प्रकार की प्रतीकात्मक कुर्बानी है।

गर्मी के मौसम को देखते हुए लांजी नगर में ईद उल अजहा की नमाज मुस्लिम समुदाय द्वारा मस्जिद में अदा की गई जिसमें जामा मस्जिद लांजी और मस्जिद याकूबिया रजविया में अपने अपने समय अनुसार नमाज अदा की गई जहां पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग ईद की नमाज अदा करने के लिए उपस्थित हुए एवं देश में अमन और चैन की दुआ मांगी।

एजुकेशन पोर्टल में गड़बड़ी, मृत शिक्षकों को कार्यरत बताया

कमिश्नर ने दिए वेरिफिकेशन के निर्देश, 29 मई तक डीईओ से मांगी रिपोर्ट; 30 को होगी बैठक

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों की जानकारी को लेकर एजुकेशन पोर्टल 3.0 में बड़ी गड़बड़ियां सामने आई हैं। कई ऐसे शिक्षक जो वर्तमान में स्कूलों में कार्यरत हैं, उन्हें पोर्टल में मृत या रिटायर्ड दर्शा दिया गया है। वहीं जिन शिक्षकों की मृत्यु हो चुकी है या जो सेवानिवृत्त हो चुके हैं, उन्हें अब भी कार्यरत बताया गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को जानकारी का सत्यापन कर त्रुटियां सुधारने के निर्देश दिए हैं। संचालनालय द्वारा एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर प्रत्येक स्कूल में स्वीकृत पद, कार्यरत शिक्षक और रिक्त पदों की जानकारी अपलोड कराई गई थी। साथ ही शिक्षकों की पदस्थापना, पदनाम और विषय संबंधी जानकारी भी दर्ज की गई थी, लेकिन सत्यापन के दौरान पोर्टल पर व्यापक स्तर पर गड़बड़ियां सामने आईं।

संस्था, पदनाम और विषय का दोबारा सत्यापन करें

विभाग ने निर्देश दिए हैं कि एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से शिक्षकों की पदस्थापना वाली संस्था, पदनाम और विषय संबंधी जानकारी का दोबारा सत्यापन किया जाए। इससे स्कूलों में विषयवार शिक्षकों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। 25 मई को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में रिक्त पदों के सत्यापन को लेकर चर्चा की गई थी, जिसके बाद सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों से कहा गया है कि जिला और विकासखंड स्तर पर स्कूलों में रिक्त पदों की स्थिति का वेरिफिकेशन कर आवश्यक संशोधन किए जाएं।

डीईओ रद्द करेंगे प्रविष्टि

संचालनालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन शिक्षकों को गलती से मृत या रिटायर्ड दर्ज कर दिया गया है, उनके मामलों में जिला शिक्षा अधिकारी सत्यापन के बाद रद्द प्रविष्टि की कार्रवाई करेंगे। वहीं जिन स्कूलों में नेटवर्क की समस्या के कारण जानकारी अपडेट नहीं हो सकी है, वहां समन्वय बनाकर डेटा अपडेट कराया जाएगा। विभाग ने सभी जिलों से कहा है कि जिन विद्यालयों में शिक्षकों की जानकारी में संशोधन किया जाना है, उनकी अलग सूची तैयार कर 29 मई तक लोक शिक्षण संचालनालय को भेजी जाए। इसके बाद 30 मई 2026 को कमिश्नर के साथ बैठक आयोजित होगी, जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी और आईटी समन्वयक शामिल रहेंगे।

मुरैना पुलिस ने पेश की ईमानदारी और तत्परता की मिसाल

कोचिंग संचालक के गुम हुए 06 लाख रुपये खोजकर सुरक्षित लौटाए

भोपाल । मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा आमजन की सुरक्षा एवं विश्वास बनाए रखने हेतु लगातार संवेदनशील और प्रभावी कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी क्रम में मुरैना के थाना अम्बाह पुलिस ने तत्परता, सक्रियता एवं तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए कोचिंग संचालक के बैग से रास्ते में गुम हुई 06 लाख रुपये की राशि को बरामद कर सुरक्षित रूप से फरियादी के सुपुर्द किया है। पुलिस की इस सराहनीय कार्यवाही से आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। 19 मई को फरियादी योगेंद्र सिंह तोमर निवासी चंबल कॉलोनी अम्बाह द्वारा थाना अम्बाह में उपस्थित होकर सूचना दी गई कि वह दोपहर लगभग 1:38 बजे अपने पुत्र के साथ बाइक से सेंट्रल बैंक में 06 लाख रुपये जमा करने जा रहे थे। बाइक पर उनका पुत्र रुपयों से भरा बैग टांगे बैठा था। पेट्रोल पंप के पास बैग की चेन खुल जाने से रुपयों का बंडल सड़क पर गिर गया, जिसे पीछे से आ रहे एक बाइक सवार युवक द्वारा उठाकर ले जाया गया। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक मुरैना धर्मराज मीना के निर्देशन में थाना प्रभारी अम्बाह निरीक्षक वीरेश सिंह कुशवाह के नेतृत्व में तत्काल पुलिस टीम गठित कर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। पुलिस टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से परीक्षण किया तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। पुलिस द्वारा लगातार की गई मेहनत, सूझबूझ एवं तकनीकी जांच के परिणामस्वरूप घटना के मात्र 07 दिवस के भीतर बाइक सवार युवक की पहचान कर उससे 06 लाख रुपये की संपूर्ण राशि बरामद कर ली गई। बरामद राशि को सुरक्षित रूप से फरियादी योगेंद्र सिंह तोमर को सुपुर्द किया गया। अपनी गुम हुई राशि वापस मिलने पर फरियादी एवं उनके परिजनों द्वारा मुरैना पुलिस का आभार व्यक्त किया गया। मध्यप्रदेश पुलिस आमजन की सुरक्षा, सहायता एवं विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संवेदनशील एवं प्रभावी पुलिसिंग के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

6 जून को मध्य प्रदेश आएंगे पीएम नरेंद्र मोदी

गाडरवाड़ा को देंगे 1600 मेगावाट बिजली परियोजना का तोहफा

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 जून को नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा पहुंचेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार वे यहां स्थित एनटीपीसी सुपर थर्मल पावर स्टेशन की विस्तार परियोजना का भूमिपूजन कर सकते हैं।

गाडरवाड़ा सुपर थर्मल पावर स्टेशन के विस्तार के तहत 1600 मेगावाट क्षमता की दो नई इकाइयां (2×800 मेगावाट) स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है। इस परियोजना से मध्य प्रदेश की बिजली उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी होगी और औद्योगिक व घरेलू जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने किया था अनुरोध

बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर गाडरवाड़ा परियोजना के भूमिपूजन का अनुरोध किया था। इसके बाद प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। परियोजना को प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

ट्विशा शर्मा डेथ केस...करीब छह घंटे तक चल लंबी पूछताछ के बाद सीबीआई ने उठाया कदम

रसूखदार सास गिरिबाला सिंह गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल में ट्विशा शर्मा डेथ केस में पूर्व जज गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार किया गया है। ट्विशा की सास गिरिबाला के घर सीबीआई टीम गुरूवार अचानक पहुंच गई थी। दरअसल, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने ट्विशा शर्मा केस में पूर्व जज गिरिबाला सिंह को मिली अग्रिम जमानत रद्द कर दी थी। इसके बाद उनसे सीबीआई ने पूछताछ की और फिर उनको गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई के 3 अधिकारी करीब 10:30 बजे गिरिबाला सिंह के घर पहुंचे थे। इस बीच गिरिबाला सिंह के वकील इनोश जार्ज कार्लो भी घर पहुंचे।

यह कार्रवाई मध्यप्रदेश हाईकोर्ट द्वारा एक दिन पहले गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द किए जाने के बाद की गई। त्विषा शर्मा की 12 मई को भोपाल स्थित ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। उनकी शादी 9 दिसंबर 2025 को समर्थ सिंह से हुई थी। गिरिबाला सिंह ने घटना के दो दिन बाद भोपाल जिला अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। 10वें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने 15 मई को उनकी उम्र और मृतका को किए गए पैसों के ट्रांसफर का हवाला देते हुए जमानत दे दी थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने बुधवार को 17 पन्नों के आदेश में इस जमानत को निरस्त कर दिया।

हाई इंटेंसिटी कैमरे से घर की रिकॉर्डिंग की

जांच के दौरान सीबीआई ने गिरिबाला सिंह के घर में हाई इंटेंसिटी 3 डी कैमरा लगाकर पूरे परिसर की 360 डिग्री रिकॉर्डिंग की। आसपास की लोकेशन भी स्कैन की गई, ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटनास्थल किसी पड़ोसी मकान की छत या बालकनी से दिखाई देता है या नहीं।

बेटे ने 10 दिन बाद किया था सरेंडर

इस पूरे मामले में हाई कोर्ट ने उन आरोपों का भी गंभीरता से संज्ञान लिया कि गिरिबाला सिंह, जो एक रिटायर्ड न्यायिक अधिकारी हैं और जिन्हें साइबर क्राइम, साइबर फोरेंसिक और क्राइम सीन मैनेजमेंट में ट्रेनिंग मिली हुई है, उन्होंने अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल सबूतों से छेड़छाड़ करने और जांच की दिशा को प्रभावित करने के लिए किया हो सकता है।

पिछले हफ्ते, गिरिबाला के बेटे और ट्विशा के पति समर्थ सिंह ने 10 दिनों तक फरार रहने के बाद एक अदालत के सामने सरेंडर किया था। बता दें गिरिबाला सिंह की सास रिटायर्ड जज हैं और उनके वकील बेटे समर्थ पर दहेज उत्पीडन् से जुड़े आरोप हैं। सीबीआई ने सोमवार को औपचारिक रूप से 12 मई को हुई ट्विशा शर्मा की मौत की जांच अपने हाथ में ले ली।

सीबीआई ने दर्ज की थी एफआईआर

सीबीआई ने राज्य पुलिस द्वारा समर्थ सिंह और गिरिबाला सिंह के खिलाफ पहले से दर्ज की गई एफआईआर को फिर से दर्ज किया था। सीबीआई की एफआईआर के अनुसार, गिरिबाला सिंह ने विदाई के समय त्विषा के परिवार से 2 लाख रुपये की मांग की थी, जिसे पीड़िता के परिवार ने उनके जोर देने पर दे दिया था। सुनवाई के दौरान, त्विषा के परिवार की ओर से पेश वकीलों ने दलील दी कि पीड़िता कथित तौर पर मानसिक उत्पीडन् का शिकार थी। हाई कोर्ट ने पाया कि ट्विशा के माता-पिता और रिश्तेदारों के दर्ज बयानों में जांच के पहले ही दिन से लगातार यह आरोप लगाया गया है कि समर्थ सिंह और गिरिबाला सिंह, दोनों ही ट्विशा का उत्पीडन् कर रहे थे।

रिटायर्ड जज हैं गिरिबाला सिंह

मामले में राज्य सरकार की ओर से दलील रखते हुए वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा और ट्विशा के परिवार के वकील ने अदालत से कहा कि आरोपी गिरिबाला सिंह एक सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी हैं और उन्होंने साइबर अपराधों, साइबर फोरेंसिक और डिजिटल सिग्नेचर तकनीक के साथ ही क्राइम सीन मैनेजमेंट पर विशेष पाठ्यक्रमों की ट्रेनिंग हासिल की है। उन्होंने कहा कि ऐसे में गिरिबाला सिंह के अपराध की जगह से छेड़छाड़ करने की आशंका भी है। वकीलों ने दलील दी कि भोपाल जिला अदालत ने गिरिबाला को 24 घंटे में जमानत दे दी थी जबकि मामला प्रारंभिक चरण में था और महत्वपूर्ण बयान ही दर्ज नहीं हुए थे। उन्होंने कहा कि ट्विशा के व्हाट्सऐप चैट और केस डायरी में प्रताडना का स्पष्ट उल्लेख है लेकिन इन्हें भी नजरंदाज किया गया। ट्विशा शर्मा राजधानी भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में 12 मई को अपने ससुराल में कथित तौर पर फांसी पर लटकी मिली थीं। सीबीआई ने सोमवार को शर्मा की मौत की जांच अपने हाथों में ले ली थी। सीबीआई ने मामले को हाथ में लेने के बाद फिर से एफआईआर दर्ज की है जिसमें समर्थ सिंह और गिरिबाला सिंह को आरोपी के रूप में नामजद किया गया है।

मध्य प्रदेश गेहूं खरीद- पटवारी ने किसानों के लिए समय पर दाम और सम्मान की मांग की

भोपाल। मध्य प्रदेश में जारी गेहूं खरीद प्रक्रिया पर सवाल उठाकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने किसानों के लिए समय पर दाम, भुगतान और सम्मान की मांग की है। मुख्यमंत्री के 103 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद के दावों के बावजूद, कांग्रेस नेता पटवारी ने कई गंभीर सवाल उठाए हैं।

कांग्रेस नेता पटवारी ने कहा कि भाजपा ने चुनाव में किसानों को 2700 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं खरीदने का वादा किया था, लेकिन किसानों को अब भी मात्र 2600 रुपये ही मिल रहे हैं, जिससे 100 रुपये प्रति क्विंटल का सीधा नुकसान हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि खरीद प्रक्रिया देर से शुरू होने के कारण कई किसानों को मंडियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2600 रुपये से काफी कम दरों, 2000-2200 रुपये प्रति क्विंटल पर गेहूं बेचने पर मजबूर होना पड़ा। इससे किसानों को प्रति क्विंटल 400 से 600 रुपये तक का नुकसान हुआ। कांग्रेस नेता ने किसानों को भुगतान में देरी, पंजीयन संबंधी दिक्कतें और खरीद केंद्रों पर अव्यवस्था को भी उजागर किया। उन्होंने बढ़ती डीजल, खाद, बीज और बिजली की लागत पर चिंता व्यक्त कर कहा कि वर्तमान एमएसपी वास्तविक लागतों के मुकाबले बेहद कम है। पटवारी ने सरकार से एमएसपी पर कानूनी गारंटी देने, किसानों का भुगतान तत्काल करने, 2700 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीद करने और समयबद्ध व पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि किसान मुख्यमंत्री के पोस्टर में मुस्कुरा सकता है, लेकिन खेत में खड़ा किसान आज भी कर्ज, बढ़ती कृषि लागत और सरकारी धोखे से परेशान है।

दोनों जिलों के बीच करीब 44 हजार जल संरचनाओं का अंतर

डिंडौरी और आंध्र के अल्लूरी के बीच जल संचय में देश में नंबर वन बनने की टक्कर

भोपाल। जल संचय जन भागीदारी अभियान में देशभर में अव्वल आने के लिए डिंडौरी और आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के बीच कड़ी टक्कर चल रही है। 31 मई 2026 को अभियान समाप्त हो जाएगा और उसी दिन विजेता का फैसला होगा। विजेता जिले को केंद्र सरकार से दो करोड़ रुपये का पुरस्कार मिलेगा। आंकड़ों के अनुसार अल्लूरी सीताराम राजू जिला छह लाख 89 हजार 113 जल संचय संरचनाओं के साथ देशभर में प्रथम स्थान पर कायम है, जबकि डिंडौरी दूसरे स्थान पर है। दोनों जिलों के बीच करीब 44 हजार जल संरचनाओं का अंतर है।

पिछले कुछ दिनों से अल्लूरी जिले ने बढ़त बना ली है

डिंडौरी जिले में अब तक छह लाख 45 हजार 125 जल संचय संरचनाओं की फोटो पोर्टल पर अपलोड हो चुकी हैं। जिला प्रशासन ने अव्वल आने के लिए सारे संसाधन झोंक दिए हैं। अभियान शुरू होने के बाद, करीब एक महीने तक डिंडौरी जिला देश में पहले स्थान पर बना रहा, लेकिन पिछले कुछ दिनों से अल्लूरी जिले ने बढ़त बना ली है।

मप्र के दो अन्य जिले भी टाप-10 में बरकरार हैं

खंडवा जिला चार लाख 6301 जल संरचनाएं अपलोड करके देश में चौथे स्थान पर और शहडोल जिला एक लाख 92 हजार 847 फोटो अपलोड करने के साथ आठवें स्थान पर है। डिंडौरी कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने सभी विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से अपील की है कि अंतिम दिन तक अधिक से अधिक संरचनाएं बनाकर पोर्टल पर अपलोड करें।

जिला सबसे ज्यादा जल संरचनाएं पोर्टल पर दर्ज करेगा

31 मई की रात 12 बजे तक जो जिला सबसे ज्यादा जल संरचनाएं पोर्टल पर दर्ज करेगा, वही सिरमौर बनेगा। डिंडौरी प्रशासन को उम्मीद है कि अंतिम चार दिनों में वह फिर से नंबर-1 बन जाएगा। गौरतलब है कि देशभर के तीसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश का ही पर्व थीपुराम मान्यम जिला छह लाख 17 हजार 539 जल संरचनाएं अपलोड करके बना हुआ है।

मालवा-निमाड़ के पर्यटन स्थलों की बदलेगी किस्मत

- सिंहस्थ से पहले होंगे करोड़ों रुपए के विकास कार्य

भोपाल। सिंहस्थ-2028 के भव्य आयोजन को लेकर राज्य सरकार ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। हालांकि सरकार का मुख्य फोकस उज्जैन पर केंद्रित है, लेकिन आगामी सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए इंदौर, ओंकारेश्वर, महेश्वर और आसपास के धार्मिक और पर्यटक स्थलों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का अनुमान है कि उज्जैन के साथ-साथ इन तीनों शहरों में भी श्रद्धालुओं का सर्वाधिक दबाव रहेगा। इसी को ध्यान में रखते हुए चारों शहरों को आपस में जोड़ते हुए एक विशेष योजना बनाई जा रही है, जहां यात्री सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे।

ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया मप्र छग चैप्टर के चेयरमैन हेमेंद्र सिंह जादौन ने कहा कि सिंहस्थ के समय लाखों श्रद्धालु इंदौर, उज्जैन से लेकर ओंकारेश्वर के बीच रुकेंगे। मप्र के लिए यह धार्मिक पर्यटन के लिहाज से बहुत बड़ा मौका होगा। सरकार और प्रशासन इस पर लगातार बैठकें कर रहा है और कई बैठकों में हमें भी आमंत्रित किया गया है। सरकार का फोकस इस बात पर है कि सिंहस्थ के लिए मप्र आने वाले श्रद्धालु उज्जैन से लेकर इंदौर, ओंकारेश्वर और अन्य कई जगहों पर भी आरामदायक यात्रा कर सकें। इसी बात को ध्यान में रखते हुए ही सभी योजनाएं बनाई जा रही हैं।

मालवा निमाड़ के इस मॉडल पर खर्च होंगे करोड़ों रुपए

राज्य सरकार मालवा-निमाड़ क्षेत्र को धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के एक बड़े और एकीकृत मॉडल के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर और महेश्वर को समाहित करने वाले इस ओंकार सर्किट के विकास पर लगभग 70 करोड़ रुपए खर्च किए जाने का प्रावधान किया गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का मुख्य उद्देश्य सिंहस्थ के अवसर पर देश और विदेशों से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी, सुलभ आवास और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करना है। संबंधित विभाग ने इस पूरी योजना को धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

पर्यटक केंद्रों पर मिलेंगी आधुनिक और डिजिटल सुविधाएं

ओंकार सर्किट योजना के अंतर्गत इन चारों प्रमुख धार्मिक नगरों में सर्वसुविधायुक्त यात्री सुविधा और सूचना केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों पर आने वाले यात्रियों को आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से विभिन्न धार्मिक स्थलों का अनूठा अनुभव कराया जाएगा। पर्यटक सूचना केंद्रों में मुख्य रूप से फूड कोर्ट, किचन, डिजिटल वीआर रूम, सूचना डेस्क, प्रतीक्षालय और डोरमेट्री जैसी व्यवस्थाएं की जाएंगी। इसके साथ ही पर्यटक सुविधा केंद्रों में रिसेप्शन, फैमिली वेटिंग रूम, कॉन्फ्रेंस हॉल, जनसुविधा केंद्र, पार्किंग और एआर-वीआर आधारित विशेष अनुभव कक्ष तैयार होंगे। लंबी दूरी तय करके आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए प्रमुख मार्गों पर वे-साइड एमीनिटीज भी विकसित की जाएंगी।

विशेष मोबाइल एप भी तैयार किया जा रहा

श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही और रास्तों की सही जानकारी के लिए पूरे सर्किट क्षेत्र में आधुनिक साइनेज सिस्टम लगाए जाएंगे। इसके अलावा एक विशेष मोबाइल एप भी तैयार किया जा रहा है, जिसके माध्यम से यात्रियों को एक ही प्लेटफॉर्म पर रूट मैप, प्रमुख दर्शन स्थल, ठहरने के स्थान, भोजन और आपातकालीन सेवाओं की सटीक जानकारी मिल सकेगी। रणनीतिक योजना के अनुसार, सिंहस्थ-2028 के दौरान इंदौर को मुख्य प्रवेश द्वार के रूप में, उज्जैन को केंद्रीय आयोजन स्थल के रूप में और ओंकारेश्वर व महेश्वर को प्रमुख आध्यात्मिक डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है।

30 मई तक ही किए जा सकेंगे बीएड के आवेदन

भोपाल। प्रदेश के बीएड कॉलेजों में सत्र 2026-27 के लिए दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों के पास अब सीमित समय बचा है। ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के पहले चरण के पंजीयन के लिए अब सिर्फ 2 दिन का समय शेष है। आगामी 30 मई आवेदन करने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है, जिसके बाद पहले चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया बंद कर दी जाएगी।

उच्च शिक्षा विभाग ने पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 14 मई तय की थी, लेकिन निजी कॉलेजों की फीस का निर्धारण समय पर न हो पाने के कारण इस तिथि को बढ़ाकर 30 मई किया गया था। इस बढ़ी हुई अवधि के भी अब आखिरी दो दिन बचे हैं, ऐसे में विशेषज्ञ छात्रों को बिना देरी किए आवेदन करने की सलाह दे रहे हैं। न्यायालय के सख्त दिशा-निर्देशों के तहत इस बार भी बीएड की पूरी प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट के आधार पर ही संपन्न होगी। विभाग ने साफ किया है कि कोई भी निजी कॉलेज संचालक सीधे दाखिले के नाम पर छात्रों से मनमानी फीस वसूली या धांधली नहीं कर सकेगा। इसी पारदर्शिता को बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया को तीन चरणों में विभाजित किया गया है। प्रथम चरण की समाप्ति के बाद दूसरा चरण 18 जून से 6 जुलाई तक संचालित किया जाएगा। इसके बाद भी यदि सीटें रिक्त रहती हैं तो तीसरा और अंतिम चरण 7 जुलाई से शुरू होगा।

सिटीजन फीडबैक में पूरे देश में नंबर-1 बना मप्र

- स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26ः स्वच्छता में मप्र ने मारी बाजी

भोपाल। मध्य प्रदेश ने स्वच्छता के मैदान में बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत शहरों की सफाई को लेकर लिए जा रहे सिटीजन फीडबैक में मध्यप्रदेश देशभर में नंबर-1 पर पहुंच गया है। 2011 की जनसंख्या के आधार पर जारी आंकड़ों में प्रदेश ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पीछे छोड़ दिया है। अब तक प्रदेश के 35.69 लाख से ज्यादा नागरिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने शहर की सफाई को लेकर फीडबैक दर्ज कर चुके हैं। 27 मई तक के आंकड़ों में मध्यप्रदेश डिजिटल भागीदारी के मामले में भी देश में सबसे आगे दिखाई दिया।

1 करोड़ एसएमएस, 60 लाख लोगों तक सोशल मीडिया पहुंच

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत इस बार राज्य स्तर पर 360 डिग्री रणनीति अपनाई गई। नगरीय निकायों के सोशल मीडिया

हैंडल्स के जरिए 60 लाख से ज्यादा लोगों तक पहुंच बनाई गई। इसके अलावा कचरा गाड़ियों से प्रचार, अखबार, रेडियो, टीवी और घर-घर अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता और ऑनलाइन फीडबैक के लिए जागरूक किया गया। नागरिकों को प्रेरित करने के लिए 1 करोड़ से ज्यादा एसएमएस भेजे गए और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की मदद भी ली गई।

जबलपुर-इंदौर समेत कई शहरों ने दिखाया दम

नगर निगमों में जबलपुर 52.20 प्रतिशत सिटीजन फीडबैक के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद इंदौर 40.07 प्रतिशत और उज्जैन 28.30 प्रतिशत पर रहे। नगर पालिका परिषदों में सेंधवा 69.56 प्रतिशत, विजय राघोगढ़ 63.62 प्रतिशत और आगर 37.94 प्रतिशत फीडबैक के साथ टॉप पर रहे। वहीं नगर परिषदों में कैमोर 71.17 प्रतिशत, राऊ 64.23 प्रतिशत और शाहपुर बुरहानपुर 48.29 प्रतिशत के साथ आगे रहे।

जनभागीदारी से एमपी बना स्वच्छता में अग्रणी

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रदेश के नागरिकों की जागरूकता और सफाई मित्रों की मेहनत की वजह से मध्यप्रदेश स्वच्छता में देश का अग्रणी राज्य बना है। उन्होंने कहा कि विभाग लगातार धरातल पर काम कर रहा है ताकि नागरिकों की भागीदारी और बढ़ाई जा सके।

पीएम मोदी के 12 साल का जश्न मनाएगी भाजपा

- गांव-गांव जाकर सरकार की उपलब्धियां बताएंगे एमपी-एमएलए

भोपाल। केंद्र में भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूरे होने पर मध्यप्रदेश भाजपा पूरे प्रदेश में एक बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। यह अभियान 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस से लेकर 21 जून को विश्व योग दिवस तक चलेगा।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में 12 वर्ष को अभियान के रूप में मनाने की तैयारी को लेकर बैठक की गई। 8 से 14 जून तक विशेष जनसंपर्क अभियान चलेगा, जिसमें पार्टी पदाधिकारी-जनप्रतिनिधि गांव-गांव पहुंचकर भाजपा की उपलब्धियां गिनाएंगे। इस दौरान प्रदर्शनी, जनसंपर्क होंगे। प्राकृतिक खेती, योग व अन्य प्रकल्पों पर चर्चा करेंगे। अभियान के दौरान सांसद अपनी लोकसभा-विधानसभा व प्रत्येक विधायक को अपनी विधानसभा के हर मंडल में पूरा एक दिन बिताना होगा। इस दौरान वीआईपी कल्चर यानि वाहनों के काफिलों के बजाय कार पूलिंग या सार्वजनिक परिवहन से जनता के बीच पहुंचना होगा। भाजपा प्रदेश कार्यालय की बैठक में मंत्री विश्वास सारंग मंत्री कृष्णा गौर विधायक रामेश्वर शर्मा विधायक सबनानी महापौर मालती राय सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण में मप्र देश में अव्वल

उम्मीद पोर्टल पर 99 प्रतिशत डेटा अपलोड, 19 हजार से ज्यादा संपत्तियां स्वीकृत

भोपाल। केंद्र सरकार के निर्देश पर देशभर में वक्फ संपत्तियों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड ने उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों का रिकॉर्ड अपलोड करने में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। मध्य प्रदेश में अब तक 99 प्रतिशत वक्फ संपत्तियों का विवरण पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है, जिससे प्रदेश देशभर में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है।

प्रदेश में अब तक 19,496 वक्फ संपत्तियों को राज्य वक्फ बोर्ड मुख्यालय के नामित अधिकारियों द्वारा स्वीकृत किया जा चुका है। इसका अर्थ है कि इन संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज और रिकॉर्ड सही पाए गए हैं। वहीं 1,411 संपत्तियों को विभिन्न कारणों से अस्वीकृत किया गया है। देशभर में अब तक लगभग 4.83 लाख वक्फ संपत्तियों के डिजिटल दस्तावेज स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि 84,318 संपत्तियों को विभिन्न कारणों से अस्वीकृत किया गया है।

अस्वीकृति के प्रमुख कारण

वक्फ बोर्ड अधिकारियों के अनुसार कई संपत्तियों में तकनीकी और रिकॉर्ड संबंधी त्रुटियां सामने आई हैं। इनमें गलत एंट्री, दोहरी प्रविष्टि, रिकॉर्ड स्पष्ट नहीं होना तथा खसरा नंबर का मेल नहीं खाना प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा कुछ ऐसी संपत्तियां भी पोर्टल पर दर्ज कर दी गईं जो पुरातात्विक महत्व की श्रेणी में आती हैं। ऐसी संपत्तियों को अपलोड नहीं किया जाना था। इसके लिए बोर्ड ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से संबंधित जानकारी मांगी है, जो अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। अधिकारियों ने बताया कि जिन संपत्तियों में सुधार संभव है, उनके रिकॉर्ड दुरुस्त कर पुनः प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

एक एस्टेट में कई संपत्तियां

उम्मीद पोर्टल पर वक्फ एस्टेट और उससे जुड़ी संपत्तियों को अलग-अलग दर्ज किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर किसी मस्जिद के अंतर्गत संचालित दुकानें भी अलग संपत्ति के रूप में दर्ज होती हैं। इससे डेटा एंट्री और सत्यापन की प्रक्रिया अधिक विस्तृत हो गई है।

तीन स्तर पर हो रही जांच

वक्फ संपत्तियों की एंट्री और अनुमोदन के लिए त्रि-स्तरीय व्यवस्था लागू की गई है- पहले स्तर पर जिला स्तर के कर्मचारी मेकर के रूप में डेटा एंट्री करते हैं। दूसरे स्तर पर राज्य वक्फ बोर्ड मुख्यालय के अधिकारी चेकर के रूप में परीक्षण करते हैं। तीसरे स्तर पर अंतिम स्वीकृति देने वाला अधिकारी रिकॉर्ड को मंजूरी प्रदान करता है। फिलहाल मेकर और चेकर स्तर पर 7,787 संपत्तियों का सत्यापन लंबित है। ऐसे में आने वाले समय में अस्वीकृत संपत्तियों की संख्या बढने की संभावना भी बनी हुई है।

राज्यसभा चुनाव में कमलनाथ के नाम पर लग सकती है मुहर

दिल्ली में खडगे से मुलाकात के बाद नाम लगभग तय

भोपाल । मध्य प्रदेश की सियासत और आगामी राज्यसभा चुनावों को लेकर राजधानी भोपाल से लेकर दिल्ली तक एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ राज्यसभा के प्रत्याशी बनाए जा सकते हैं। सूत्रों के हवाले से खबर है कि उनके नाम पर कांग्रेस आलाकमान की मुहर लगना लगभग तय है।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को राज्यसभा उम्मीदवार बनाने को लेकर देश की राजधानी दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के बीच गंभीर विचार-मंथन हुआ है। मध्य प्रदेश के आगामी चुनावों और राजनैतिक समीकरणों को साधने के लिए पार्टी एक बार फिर अपने सबसे अनुभवी चेहरे पर दांव खेलने की तैयारी में है। कमलनाथ का राजनीतिक कद और सूबे की राजनीति पर उनकी पकड़ को देखते हुए पार्टी के भीतर उनके नाम पर सहमति बनती दिख रही है।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच दिल्ली में एक बेहद महत्वपूर्ण राजनीतिक मुलाकात भी हुई। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच हुई इस बैठक के बाद से ही उनके नाम पर मुहर लगने की खबरों को और मजबूती मिली है।

समीकरणों को साधने के लिए कमलनाथ पर ही भरोसा क्यों?

माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी को रोकने और सभी धड़ों को एक साथ जोड़े रखने के लिए कमलनाथ सबसे मजबूत कड़ी हैं। उनके पास लंबा संसदीय अनुभव है, जिसका फायदा पार्टी राज्यसभा और राष्ट्रीय स्तर पर उठाना चाहती है। इसके अलावा प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं और विधायकों के बीच भी उनके नाम को लेकर कोई बड़ा विरोध नहीं है, जिससे पार्टी बिना किसी अंतर्कलह के यह सीट अपने पाले में सुरक्षित रखना चाहती है।

पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र का निधन, 91 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

भोपाल। प्रसिद्ध उर्दू शायर, आधुनिक गजल के उस्ताद और पद्मश्री से सम्मानित डॉ. बशीर बद्र का लंबी बीमारी के बाद भोपाल में 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके इंतकाल से उर्दू शायरी के एक सुनहरे दौर का अंत हो गया है। डॉ. बद्र एक जमाने में मेरठ के साहित्यिक आयोजनों की शान हुआ करते थे। वे मेरठ कॉलेज के उर्दू विभाग में प्रोफेसर भी थे और छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय थे। उन्होंने देश-विदेश के मुशायरों में अपनी शायरी से खूब वाहवाही बटोरी। 80 के दशक तक वे देश के बड़े शायरों में शुमार हो चुके थे। लेकिन वर्ष 1987 के भीषण दंगों में जब दंगाइयों ने मेरठ स्थित उनके आवास विकास कॉलोनी के एमआईजी मकान को भी नहीं बख्शा, तब उन्होंने हमेशा के लिए अपने शहर मेरठ को छोड़ दिया। इसके बाद वे भोपाल आ गए और अपनी अंतिम सांस तक यहीं रहे। हालांकि, मेरठ हमेशा उनके दिल में बसा रहा, क्योंकि यह शहर उनकी पहचान का एक अहम हिस्सा था। उनकी शायरी ने मोहब्बत, तन्हाई, इंतजार और जिंदगी के गहरे जख्मों को खूबसूरत शब्दों में पिरोया। उनकी भावनाएं और उनके शेर पीढ़ियों के दिलों में हमेशा जिंदा रहने वाले है। अपने शहर मेरठ से रुखसत होते हुए, उन्होंने उसके बदलते मिजाज पर एक शेर कहा था जो काफी चर्चित हुआ और उनकी दूरदृष्टि को दर्शाता है। उर्दू शायरी ने अपनी सबसे प्यारी आवाजों में से एक को खो दिया है।

आज होगा टाइटंस और रॉयल्स का मुकाबला

न्यू चंडीगढ़। आईपीएल के 19 वें सत्र का क्वालिफायर-2 मुकाबला शुक्रवार को यहां गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स टीमों के बीच खेला जाएगा। इसमें दोनो ही टीमें जीत हासिल कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना चाहेंगी। इस मैच में हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। इस मैच में एक भी गलती इन टीमों को भारी पड़ सकती है। इस मैच में शुभमन गिल की गुजरात टाइटंस पर दबाव रहेगा। इसका कारण है कि पहले क्वालीफायर में गुजरात की बल्लेबाजी असफल रही थी। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी प्रभावी नहीं रहे थे। टीम की फिल्डिंग बेहद लचर रही जिस कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आसानी से मैच जीत लिया। ऐसे में गुजरात को अगर जीत हासिल करनी है तो उस अपनी फिल्डिंग में सुधार करना होगा। आरसीबी के खिलाफ टीम ने काफी कैच छोड़े थे जिससे मैच उसके हाथ से फिसल गया था। इस मैच में अब गुजरात को अच्छी फिल्डिंग करने के साथ ही रन भी बनाने होंगे। साई सुदर्शन और शुभमन पर रन बनाने की जिम्मेदारी रहेगी। वहीं कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान को विकेट लेने होंगे।

वहीं दूसरी और एलीमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को हराने से उत्साहित कप्तान रियान पराग की राजस्थान रॉयल्स इस मैच में बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। सनराइजर्स के खिलाफ उसके बल्लेबाजों विशेषकर वैभव सूर्यवंशी ने आतिशी पारी खेली थी। जिसे अब वह दोहराना चाहेंगे। वैभव ने जिस प्रकार 28 गेंदों पर तेजी से 97 रन बनाये थे। उसे मैच राजस्थान की ओर मुड़ गया था। ऐसे में गुजरात के गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती वैभव से निपटना रहेगा। इसके अलावा सनराइजर्स के खिलाफ घातक गेंदबाजी करने वाले जोफ्रा आर्चर से भी गुजरात के बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। आर्चर ने सनराइजर्स के खिलाफ मैच में अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड के विकेट शुरुआत में ही लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था। जिससे टीम अंत तक उबर नहीं पायी थी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए थे जिसमें से गुजरात ने 7 जबकि राजस्थान ने 4 जीते है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

राजस्थान रॉयल्स- रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), डोनोवान फरेरा, दासुन शनाका, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा, यश राज पुंजा।

गुजरात टाइटंस- शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिद्धू, जेसन होल्डर, राशिद खान, कुलवंत खेजरोलिया, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

विनेश मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची डब्ल्यूएफआई

नई दिल्ली। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को आगामी एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की इजाजत देने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। डब्ल्यूएफआई की इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी। इसके बाद ही ये स्पष्ट हो पाएगा कि विनेश ट्रायल में भाग ले सकेंगी या नहीं।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने 22 मई को अपने एक आदेश में विनेश को ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी थी। अदालत ने डब्ल्यूएफआई को 30-31 मई को होने वाले चयन ट्रायल्स की वीडियो रिकॉर्डिंग करने का भी निर्देश दिया था, जिसमें स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) और इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ को विनेश फोगाट को भेजे गए एक नोटिस के लिए कड़ी फटकार भी लगाई थी। डब्ल्यूएफआई ने उस नोटिस में कहा था कि पेरिस ओलंपिक में विनेश का वजन ज्यादा होने के कारण

बाहर होना देश के लिए शर्म का विषय था। हाईकोर्ट ने इस नोटिस को अनुचित ठहराया था। डब्ल्यूएफआई की यह चुनौती पूर्व के उन बयानों से उलट है, जिसमें महासंघ के सूत्रों ने कहा था कि वे अदालत के आदेश का सम्मान करेंगे और इस फैसले को चुनौती नहीं देंगे। हालांकि, महासंघ ने पहले यह संकेत जरूर दिया था कि अगर विनेश ट्रायल्स के जरिए क्वालीफाई कर भी लेती हैं, तो भी लॉजिस्टिक्स से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं। उनका तर्क था कि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की सूची इस महीने की शुरुआत में ही जापान भेजी जा चुकी है। संघ की तरफ से यह भी कहा गया था कि अगर उन्हें एक आइकॉनिक खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया भी जाता है, तो उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग में ही मुकाबला करना होगा। अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हैं कि वह इस जटिल मामले में क्या फैसला लेता है। शुक्रवार को होने वाली सुनवाई के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि पहलवान विनेश फोगाट के एशियाई खेलों के ट्रायल में हिस्सा लेने का मार्ग प्रशस्त होगा या उन्हें एक और कानूनी लड़ाई का सामना करना पड़ेगा।

ऑरेंज कैप की दौड़ में वैभव, पर्पल कैप की दौड़ में भुवनेश्वर सबसे आगे

मुम्बई। आईपीएल 2026 के लिए ऑरेंज कैप के मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी सबसे आगे हैं। उन्हें अब दो ही खिलाड़ियों से टक्कर मिल रही है। वैभव ने इस सीजन में अब तक 15 मैचों में 45.33 की औसत और अविश्वसनीय 242.86 के स्ट्राइक रेट के साथ कुल 680 रन बनाए हैं।

ऑरेंज कैप के लिए वैभव की टक्कर अब गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन से हैं, जिन्होंने 652 रन बनाए हैं। वैभव और साई के बीच रनों का अंतर मात्र 28 रनों का है। वहीं । गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी इस दौड़ में हैं, जिनके नाम इस सीजन में 618 रन दर्ज हैं। सुदर्शन और शुभमन के पास दूसरे क्वालीफायर-2 में बड़ी पारी खेलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाने के साथ ही ऑरेंज कैप अपने नाम करने का अच्छा अवसर है। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, जिन्होंने 15 मैचों में 600 रन बनाए हैं। ऑरेंज कैप की दौड़ में काफी पीछे रह गए हैं। वह सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में छठे स्थान पर हैं। उनके पास फाइनल में बड़ी पारी खेलकर नंबर एक बनने का अवसर है।

दूसरी ओर पर्पल कैप की सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर है। भुवनेश्वर ने 15 मुकाबलों में 18.15 की औसत से 26 विकेट लिए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के गेंदबाज कगिसो रबाडा 15 मुकाबलों में 26 विकेट के साथ दूसरे पायदान पर मौजूद हैं जबकि जोफ्रा आर्चर 24 विकेट लेकर तीसरे स्थान पर चल रहे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज 14 मुकाबलों में 21 विकेट के साथ चौथे नंबर पर हैं। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाज ईशान मलिंगा 20 विकेट लेकर पांचवें स्थान पर हैं।

गिरजा/ ईएमएस 28मई 2026

130 साल से नहीं टूटा है महान क्रिकेटर रणजीत सिंह का ये रिकार्ड

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट के पितामह कहे जाने वाले रणजीत सिंह ने 130 साल पहले, उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक ऐसा अद्वितीय कीर्तिमान स्थापित किया था, जो आज भी बना हुआ है। रणजीत सिंह दुनिया के एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक ही दिन में दो अलग-अलग पारियों में दो शतक लगाये थे। सदियां बीत गईं, क्रिकेट का स्वरूप बदल गया, लेकिन इस रिकॉर्ड को तोड़ना तो दूर, आज तक कोई इसके करीब भी नहीं पहुंच सका है।

यह ऐतिहासिक घटना साल 1896 की है, जब इंग्लैंड के ससेक्स और यॉर्कशायर के बीच एक फर्स्ट क्लास मुकाबला खेला जा रहा था। यॉर्कशायर ने

अपनी पहली पारी में 407 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में उतरी ससेक्स की टीम लड़खड़ा गई और मैच के तीसरे दिन महज 191 रनों पर सिमट गई। इस मुश्किल घड़ी में, रणजीत सिंह ने शानदार 100 रन बनाकर नाबाद रहे। ससेक्स की टीम यॉर्कशायर से काफी पीछे थी, उन्हें फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर किया गया। यहीं से असली चमत्कार की शुरुआत हुई। किसी ने नहीं सोचा था कि क्रिकेट इतिहास का एक सुनहरा पन्ना लिखा जाने वाला है। जब ससेक्स की टीम उसी दिन दोबारा बल्लेबाजी करने उतरी, तो रणजीत सिंह ने यॉर्कशायर के गेंदबाजों की फिर से जमकर धुनाई की। उन्होंने अपनी दूसरी पारी में भी नाबाद 125 रनों की जादुई पारी खेलकर सबको हैरत में डाल दिया। एक ही दिन में दो शतक रणजीत सिंह के इस बेमिसाल प्रदर्शन की बदौलत ससेक्स ने दूसरी पारी में 2 विकेट पर 260 रन बनाकर मैच को सम्मानजनक रूप से ड्रॉ करा दिया।

वह इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले पहले भारतीय जरूर बने। उन्होंने साल 1896 से 1902 के बीच इंग्लैंड के लिए कुल 15 टेस्ट मैच खेले, जो सभी पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ थे।

रैना का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाये वैभव

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई रिकार्ड बनाये पर वह वह शुरुआती 25 गेंदों पर सर्वाधिक रन बनाने के सुरेश रैना के रिकार्ड को नहीं तोड़ पाये। वैभव की यह विस्फोटक पारी असाधारण थी पर जब बात सुरेश रैना के 12 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने की आई, तो वह कुछ कदम पीछे रह गए।

वनमंडल अधिकारी दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट

सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि श्री हरभजन सिंह गांधी संचालक गुरूनानक सॉ मिल सरेखा बालाघाट जिला बालाघाट के द्वारा अपने स्वामित्व की आरामशीन (गुरूनानक सॉ मिल) के संचालन हेतु संचालक का नाम विलोपित कर अपने पुत्र श्री हरमिन्दर सिंह गांधी पिता श्री हरभजन सिंह गांधी का नाम दर्ज किये जाने बाबत् आवेदन पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है।

कार्यालय वर्ष 2021-2023 तक आरामशीन के संचालक का नाम हरभजन सिंह गांधी संचालक गुरूनानक सॉ मिल दर्ज है। अब आवेदन पत्र अनुसार श्री हरमिन्दर सिंह गांधी पिता श्री हरभजन सिंह गांधी प्रपत्र ग (1) में किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी अन्य व्यक्ति को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 15 दिनों के भीतर आपत्ति मूल दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरकर्ता/अनुज्ञप्ति अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत करें। इस अवधि के पश्चात किसी भी प्रकार के दावे को मान्य नहीं किया जावेगा।

जी-13575/26

स्वच्छता ही सेवा

वनमंडल अधिकारी/अनुज्ञप्ति अधिकारी, दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट

खराब फील्डिंग के कारण कारण मैच हारे - फिलिप्स

धर्मशाला। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने आईपीएल क्वालिफायर-1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से मिली हार के लिए खराब फील्डिंग और दबाव में बिखरने को जिम्मेदार बताया है। टगुजरात टाइटंस को मिली 92 रनों की करारी हार के बाद, टीम के बल्लेबाज अपनी प्रतिक्रिया दी है। फिलिप्स ने कहा कि हमें बड़े स्कोर का पीछा करना था जिससे टीम पर दबाव था। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम का दिन ही नहीं था साथ ही कहा कि टीम इस हार से उबरकर एलिमिनेटर में उतरेगी। मैच में आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार की 93 रनों की नाबाद

पारी खेलकर अपनी टीम को पांच विकेट पर 254 रनों तक पहुंचा दिया था। जिसके बाद गुजरात टाइटंस की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 162 रन ही बना पायी। इस मैच से बाहर रहे फिलिप्स ने बताया कि 250 से अधिक रन का लक्ष्य किसी भी दिन हासिल करना कठिन होता है, वहीं जब शुरुआती विकेट गिर जाये तो ये और भी कठिन होता है। उन्होंने कहा, जब आप 250 रन का पीछा करने की कोशिश कर रहे होते हैं, तो स्कोरबोर्ड का बहुत ज्यादा दबाव होता है और बहुत कम टीमें ही ऐसा कर पाई हैं। फिलिप्स ने यह भी स्वीकार किया कि इतना विशाल स्कोर बनने के बावजूद बल्लेबाजी के लिए पिच इतनी भी मुश्किल नहीं थी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, इस पिच पर रजत पाटीदार और आरसीबी के कुछ अन्य बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए। जैसा कि राहुल तेवतिया ने भी दिखाया, दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी के लिए यह पिच काफी अच्छी थी। उन्होंन रजत पाटीदार के 20 रनों पर छोड़े गये कैच को भी हार का कारण बताया।

विलियमसन और लैथम ने 12 देशों में टेस्ट खेलने वाले पहले क्रिकेटर बने

बेलफास्ट। न्यूजीलैंड के अनुभवी खिलाड़ी केन विलियमसन और टॉम लैथम ने आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट में उतरते ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। इस के साथ ही विलियमसन और लैथम की जोड़ी 12 अलग-अलग देशों में टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली विश्व की पहली जोड़ी बन गई है।

विलियमसन और लैथम दोनों ही आयरलैंड की धरती पर पहला टेस्ट मैच खेल रहे हैं। वहीं यह टेस्ट न्यूजीलैंड की टीम के लिए भी विशेष है, क्योंकि वह आयरलैंड में टेस्ट खेलने वाली चौथी अंतरराष्ट्रीय टीम बन गई हैं। इस अनोखी उपलब्धि को हासिल करने के साथ ही विलियमसन और लैथम ने विश्व के हर इलाके में अपनी बल्लेबाजी का सिक्का जमाया है। आयरलैंड 12वां देश है जहां उन्होंने टेस्ट मैच खेला है। इससे पहले, इन दोनों दिग्गजों ने भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, अपने गृह देश न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और जिम्बाब्वे में कम से कम एक टेस्ट मुकाबला खेला था। यह सूची वैश्विक मंच पर उनकी निरंतरता और यात्रा को दर्शाती है। टेस्ट क्रिकेट में आयरलैंड का सफर अभी भी नया है।

आईपीएल 2026 में लीग स्तर पर ही बने कई नये रिकार्ड

मुम्बई । आईपीएल के 19 वें सत्र के लीग स्तर पर ही कई नये रिकार्ड बने हैं। वहीं कई पुराने रिकार्ड टूटे हैं। इस सत्र में हुए 70 लीग मैचों में पांच ऐसे बड़े रिकार्ड बने हैं जिससे आईपीएल एक नये युग में पहुंच गया। कई दिग्गज भी इन आंकड़ों को देखकर हैरत में पड़ गये हैं। इस सत्र में उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कई नये रिकार्ड बनाये। आक्रामक बल्लेबाजी से बड़े-बड़े गेंदबाजों को नाकाम कर दिया। वैभव ने लीग स्तर के 14 मैचों में ही कुल 583 रन बना दिये थे। इस प्रकार वह आईपीएल इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने एक सत्र में 500 से अधिक रन बनाए हैं। वैभव ने 53 छक्के लगाकर एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह एक सत्र में 500 रन और 50 छक्कों का आंकड़ा हासिल करने वाले पहले भारतीय और दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। व्यक्तिगत चमक में चेन्नई सुपर किंग्स के उर्विल पटेल ने भी इतिहास रचा। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सिर्फ 13 गेंदों में ही अर्धशतक लगाकर यशस्वी जायसवाल के सबसे तेज आईपीएल अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। यह पिछले तीन सालों में इस रिकॉर्ड की पहली बराबरी है, जिसने प्रशंसकों को हैरान कर दिया। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के दिये 264 रनों के विशाल लक्ष्य को भी इस सत्र में पंजाब किंग्स ने 265 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस सीजन में रनों की ऐसी बाढ़ रही कि 200 रन का स्कोर भी सुरक्षित नहीं रहा। पिछले साल 2025 में जहां पूरे टूर्नामेंट में 52 बार 200 या उससे अधिक का स्कोर बना था, वहीं आईपीएल 2026 के लीग स्टेज के 70 मैचों के दौरान ही यह आंकड़ा 61 तक पहुंच गया। इसस अब आईपीएल मुकाबले हाई-स्कोरिंग हो गये हैं। इसके अलावा, बल्लेबाजों ने 14 शतक लगाकर साल 2024 के में सबसे ज्यादा शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज विभाग) जिला बालाघाट (म.प्र.)

Office e-mail - modgmmad@mp.gov.in

क्रमांक/440 /खनिज/2026 बालाघाट दिनांक 25/05/2026

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करनें के लिए.

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक हुकुमचंद पंचेश्वर निवासी वार्ड नं. 05 ग्राम अतरी पोष्ट घोटी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 19.05.2026 को प्रस्तुत किया गया है। विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा हे. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
बालाघाट	बैहर	लहंगाकन्हार	15/1	3.500 हे.	शासकीय (सरकार चट्टान)	गिट्टी, बोल्डर	—
			कुल रकबा	3.500 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि तक (कार्यालय समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 तहत् अधिमान्यता तय करने की आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जी-13584/26

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

उप संचालक (खनि प्रशासन) जिला-बालाघाट (म.प्र.)

जोकोविच जीत के साथ ही फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में पहुंचे

पेरिस। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच रोला गैरा में जीत के साथ ही फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के पुरुष एकल के तीसरे दौर में पहुंच गये हैं। विश्व के इस पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ने एक रोमांचक मुकाबले में फ्रांस के वैलेंटिन रॉयर को 6-3, 6-2, 6-7(9), 6-3 से हराया। ये मुकाबले करीब साढ़े तीन घंटे तक चला।

जोकोविच ने टाई-ब्रेक में एक मैच अंक खो दिया। रॉयर ने ऐसे में अच्छी वापसी करते हुए मैच को रोमांचक बना दिया। अपने करियर में रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने इस टूर्नामेंट से वापसी की है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद वारासिवनी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/1516/लो.नि.वी/न.पा.प./2026 वारासिवनी,दिनांक 26-05-2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों / सप्लायरों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01	क्र. 2026_UAD_510925_1 दिनांक:- 29-05-2026	जल गंगा संवर्धन अन्तर्गत वार्ड क्र. 09 आमा बोड़ी में डिस्लिटिंग कार्य हेतु जे.सी.बी. मशीन, ट्रैक्टर ट्रॉली तथा पोकलैण्ड मशीन डिजल सहित किराये पर लिये जाने हेतु	समयावधि- 1 माह लागत- 5,00,000/-	नि.प्र.मूल्य-2000/- EMD-5,000/-	15/06/2026

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद वारासिवनी
जिला बालाघाट(म.प्र.)

ममता की योजना में निकला महाघोटाला, 30 लाख फर्जी मिले लाभार्थी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना को लेकर एक बहुत बड़े फर्जीवाड़े और वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। राज्य सरकार की आंतरिक पड़ताल और समीक्षा के बाद यह बात सामने आई है कि करीब 30 लाख अयोग्य और फर्जी लोग इस योजना के तहत हर महीने मिलने वाले डायरेक्ट कैश बेनिफिट (डीबीटी) का गलत तरीके से फायदा उठा रहे थे। अब तक राज्य की करीब 2.21 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में इस योजना के जरिए सीधे नकद राशि ट्रांसफर की जा रही थी, लेकिन अब इस पूरी सूची को दुरुस्त करने की कवायद शुरू कर दी गई है।

इस बड़े प्रशासनिक कदम की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने नबन्ना में अन्नपूर्णा योजना के लिए नया आवेदन फॉर्म लॉन्च किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का शुरुआती इरादा लक्ष्मी भंडार योजना के लाभार्थियों की सूची को पूरी तरह सत्यापित करना और फिर महिलाओं को नई अन्नपूर्णा योजना के तहत वित्तीय लाभ देना शुरू करना था। लेकिन इस प्रक्रिया के बीच सरकार को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि लाखों अयोग्य महिलाओं के नाम इस सूची में जुड़े हुए हैं। प्राथमिक जांच के अनुसार, यह आंकड़ा 30 लाख के आसपास हो सकता है, जिसकी पूरी और सटीक तस्वीर लाभार्थियों द्वारा नए फॉर्म भरकर जमा करने के बाद साफ हो जाएगी।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, कुछ समय पहले राज्य में लाभार्थियों की जमीनी हकीकत जानने के लिए एक डोर-टू-डोर (घर-घर जाकर) सर्वे शुरू किया गया था। इस सर्वे के जो शुरुआती नतीजे सामने आए, वे बेहद चौंकाने वाले थे। जांच में पता चला कि कई ऐसे लोग भी योजना का लाभ उठा रहे थे जो या तो राज्य से बाहर जा चुके हैं, या जिनकी मृत्यु हो चुकी है, या फिर जिनके नाम डुप्लीकेट वोटर के रूप में एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से हमेशा के लिए हटा दिए गए थे। इसके अलावा, इस सूची में कई ऐसे नाम भी शामिल पाए गए जो अस्तित्व में ही नहीं हैं या जो गैर-भारतीय नागरिक हैं। मुख्यमंत्री ने माना कि यह सब पिछली कमियों और आवेदकों के दस्तावेजों के सही तरीके से सत्यापन (वेरिफिकेशन) न होने के कारण हुआ।

इस वित्तीय नुकसान को रोकने और वास्तविक लाभार्थियों को हक दिलाने के लिए अब सरकार ने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत लाभार्थियों को 12 पन्नों का एक नया फॉर्म ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से भरना होगा। इस फॉर्म में परिवार की पूरी जानकारी, राशन कार्ड, गाड़ी, जमीन, मकान जैसी संपत्तियों का ब्योरा और परिवार में किसी सदस्य के सरकारी नौकरी में होने या न होने की स्पष्ट घोषणा करनी होगी। जो लोग ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर कार्यालय जाने में असमर्थ हैं, उनके लिए प्रशासन अगले एक महीने तक घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने की विशेष सेवा शुरू करेगा। फॉर्म भरने और जमा करने की यह पूरी प्रक्रिया तीन महीने तक चलेगी।

सरकार ने यह साफ किया है कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटे हैं, लेकिन उन्होंने ट्रिब्यूनल में अपील की है या सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन किया है, उनका लाभ नहीं रोका जाएगा। साथ ही, जब तक सभी योग्य लाभार्थियों को अन्नपूर्णा योजना में पूरी तरह स्थानांतरित नहीं कर दिया जाता, तब तक लक्ष्मी भंडार योजना सुचारू रूप से चलती रहेगी। अधिकारियों के अनुसार, यदि इन 30 लाख अयोग्य लोगों को सूची से बाहर कर दिया जाता है, तो राज्य सरकार को हर महीने 90 करोड़ रुपये और सालाना लगभग 1,080 करोड़ रुपये की बड़ी बचत होगी, जिसका उपयोग राज्य के विकास कार्यों में किया जा सकेगा। भविष्य में इस योजना को केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक ही सीमित रखने पर भी विचार किया जा रहा है।

देवभूमि का दिव्य धाम : कैंची धाम में गूंजेगा 'जय बाबा की' का उद्घोष

15 जून को देश-विदेश से लाखों भक्त पहुंचेंगे नैनीताल

नैनीताल। देवभूमि उत्तराखंड की शांत वादियों में स्थित कैंची धाम आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। प्रतिवर्ष पंद्रह जून को इस पवित्र स्थान पर बाबा नीम करोली के भक्तों का ऐसा अनूठा रेला उमड़ता है कि पूरी घाटी जय बाबा की के उद्घोष से गूंज उठती है। साल 2026 में होने वाला स्थापना दिवस समारोह भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसी दिन बाबा ने उस अलौकिक शक्ति केंद्र की नींव रखी थी, जहाँ आज दुनिया के बड़े-बड़े दिग्गज सिर झुकाते हैं। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के अकबरपुर गांव में जन्मे लक्ष्मी नारायण शर्मा उत्तर प्रदेश के ही एक गांव नीम करौली में कठिन तप करके स्वयं नीम करौली बन गए। उनकी अलौकिक शक्तियां पूरे विश्व में चर्चा का विषय रहीं। बाबा नीम करोली महाराज पहली बार साल 1962 में इस स्थान पर आए थे। समुद्र तल से चौदह सौ मीटर की ऊंचाई पर क्षिप्रा नदी के किनारे स्थित इस जगह की पहाड़ियों की बनावट कैंची के आकार की है, इसलिए इसे कैंची धाम कहा गया। ठीक दो साल बाद, पंद्रह जून 1964 को आश्रम में हनुमान जी की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की गई, जिसे आधिकारिक तौर पर स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्थापना दिवस पर यहाँ भव्य मेले और विशाल भंडारे का आयोजन होता है, जहाँ देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु दर्शनों के लिए आते हैं। बाबा के चमत्कारों की कई कथाएं प्रचलित हैं, जिसमें भंडारे में घी की कमी होने पर नदी के जल को घी में परिवर्तित करना भी शामिल है। हमेशा एक कंबल ओढ़े रहने वाले बाबा राजा-रंक और अमीर-गरीब, सभी का समान रूप से कल्याण करते थे। उनके भक्तों में भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, राष्ट्रपति वीवी गिरि, महाकवि सुमित्रानंदन पंत जैसी महान विभूतियां शामिल थीं। इसके साथ ही, एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स और फेसबुक के निर्माता मार्क जुकरबर्ग जैसी वैश्विक हस्तियों के लिए भी कैंची धाम प्रेरणा का बड़ा केंद्र रहा है। जब ये दिग्गज अपने जीवन में संघर्ष कर रहे थे, तब यहाँ की यात्रा ने उन्हें एक स्पष्ट दृष्टिकोण प्रदान किया। सितंबर 1973 में वृंदावन में बाबा के ब्रह्मलीन होने के बाद भी इस दिव्य स्थल पर विदेशी साधकों और भक्तों के आने का सिलसिला निरंतर जारी है।

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा दावा, 'एआईएडीएमके के 90 प्रतिशत कार्यकर्ता टीवीके में आने को तैयार'

चेन्नई । तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर सियासी हलचल तेज हो गई है। अभिनेता और मुख्यमंत्री विजय की पार्टी टीवीके के मंत्री आधव अर्जुन ने दावा किया है कि एआईएडीएमके के लगभग 90 प्रतिशत कार्यकर्ता टीवीके में शामिल होने के लिए तैयार हैं। उनके इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। आधव अर्जुन ने कहा कि एआईएडीएमके के भीतर लगातार असंतोष बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में नेता तथा कार्यकर्ता विजय के नेतृत्व पर भरोसा जता रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले दिनों में कई बड़े राजनीतिक चेहरे टीवीके का दामन थाम सकते हैं। हाल ही में एआईएडीएमके के कई विधायकों ने इस्तीफा देकर टीवीके में शामिल होने का फैसला लिया है। अंबासमुद्रम से विधायक एसाक्की सुब्बाया समेत कुछ अन्य नेताओं के पार्टी छोड़ने से एआईएडीएमके की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही हैं।

पश्चिम बंगाल में बीएसएफ को 600 हेक्टेयर जमीन, सीमा सुरक्षा पर केंद्र का बड़ा कदम

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ को करीब 600 हेक्टेयर जमीन सौंप दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के गांधीनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीमा पर बाड़बंदी, चौकियों और सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए यह जमीन दी गई है।

अमित शाह ने कहा कि रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील 'चिकन नेक' कॉरिडोर क्षेत्र में भी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जा रही है। इसके लिए करीब 121 हेक्टेयर जमीन विशेष रूप से उपलब्ध कराई गई है, ताकि निगरानी और सीमा प्रबंधन को और प्रभावी बनाया जा सके।

रिपोर्ट्स के मुताबिक सिलीगुड़ी के फांसीदेवा इलाके में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी का काम भी शुरू हो गया है। राज्य सरकार ने बीएसएफ को सीमा चौकियों और अन्य ढांचागत सुविधाओं के लिए जमीन हस्तांतरित की है।

गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि सख्त निगरानी और कार्रवाई के कारण अवैध घुसपैठ पर दबाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि हर अवैध घुसपैठिए की पहचान कर उसे वापस भेजा जाएगा। वहीं पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने भी अवैध रूप से रह रहे कथित बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सीमा सुरक्षा को लेकर यह कदम केंद्र और राज्य सरकार की बड़ी रणनीतिक पहल माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य घुसपैठ, तस्करी और सीमा पार अपराधों पर रोक लगाना है।

विवादों में रहे इंस्पेक्टर गौतम दास की सीएम ऑफिस में हुई तैनाती

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस के चर्चित इंस्पेक्टर गौतम दास एक बार फिर प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गए हैं। सोशल मीडिया पर पुलिस वर्दी में इंसास असॉल्ट राइफल ताने हुए तस्वीर पोस्ट करने के बाद विवादों में घिरे और चुनाव आयोग द्वारा निलंबित किए गए गौतम दास की अब राज्य के सबसे अहम प्रशासनिक मुख्यालय नबन्ना में एंट्री हो गई है। ताजा आदेश के मुताबिक, राज्यपाल की मंजूरी के बाद गौतम दास का तबादला कर उन्हें पश्चिम बंगाल मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर तैनात करने का फैसला किया गया है। अब यह अधिकारी सीधे मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के कार्यालय में अपनी सेवाएं देंगे। इससे पहले, कोलकाता पुलिस के स्पेशल ब्रांच के इंस्पेक्टर गौतम दास को कोलकाता चुनावों से ठीक चार दिन पहले 25 अप्रैल को कालीघाट थाने का ओसी (ऑफिसर-इन-चार्ज) बनाया गया था। इसके तुरंत बाद सोशल मीडिया पर उनकी राइफल वाली तस्वीर वायरल हो गई, जिसके बाद विवाद बढ़ने पर उन्होंने पोस्ट डिलीट कर दी थी। मामला तूल पकड़ने के बाद चुनाव आयोग के निर्देश पर 2 मई को उन्हें पद से हटाते हुए निलंबित कर दिया गया था। पुलिस मुख्यालय पहली नजर में उन शिकायतों की जांच कर रहा था कि दास ने चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों, पुलिस की आंतरिक सोशल मीडिया नीति और सेवा नियमों का उल्लंघन करने के साथ-साथ इंसास राइफल का अनुचित प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि कालीघाट पुलिस स्टेशन के दायरे में भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र का भी कुछ हिस्सा आता है, जिसका प्रतिनिधित्व खुद मुख्यमंत्री करते हैं।

इस विवाद के बीच, कोलकाता पुलिस मुख्यालय ने 11 मई को उनका निलंबन वापस लेते हुए उन्हें साउथ डिवीजन में रिपोर्ट करने का आदेश दिया था। निलंबन रद्द करने वाले आदेश में कहा गया था कि सस्पेंशन के दौरान बिताए गए समय के बारे में अंतिम फैसला विभागीय कार्रवाई के निपटारे के समय लिया जाएगा। अब गृह विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी के हस्ताक्षर से जारी नए आदेश ने हलचल तेज कर दी है। इस आदेश में कोलकाता के पुलिस कमिश्नर से अनुरोध किया गया है कि वे इंस्पेक्टर गौतम दास को तुरंत रिलीज़ करें, ताकि वे मुख्यमंत्री कार्यालय में अपनी नई डेपुटेशन पोस्टिंग पर जॉइन कर सकें। हालांकि, इस आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्रमोशन और करियर एडवांसमेंट स्कीम के उद्देश्य से उक्त पुलिसकर्मी की सीनियरिटी उनके मूल पुलिस बल की मूल ग्रेडेशन लिस्ट में उनके रैंक के हिसाब से ही बनी रहेगी।

इबोला संकट के बीच भारत ने कांगो भेजी दवाएं और चिकित्सा उपकरण

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर वैश्विक स्तर पर दुनिया की फार्मेसी होने के अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निभाते हुए मानवता की एक बड़ी मिसाल पेश की है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इन दिनों तेजी से फैल रहे बुंडिबुग्यो इबोला वायरस के प्रकोप को देखते हुए भारत सरकार और देश की जनता की ओर से भेजी गई आपातकालीन दवाओं और अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की एक बहुत बड़ी खेप आखिरकार अफ्रीका पहुंच गई है। अफ्रीका महाद्वीप पर स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली शीर्ष संस्था अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी) ने आधिकारिक तौर पर भारत की इस जीवन रक्षक मानवीय सहायता का खुले दिल से स्वागत किया है और संकट की इस घड़ी में त्वरित मदद के लिए भारत सरकार के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है।

इस बड़ी चिकित्सा खेप को अफ्रीका सीडीसी के पूर्वी अफ्रीका क्षेत्रीय सहयोग केंद्र ने युगांडा में भारतीय राजनयिकों की गरिमामयी उपस्थिति में प्राप्त किया। इस आधिकारिक आपूर्ति को सौंपने के दौरान दोनों पक्षों के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने इस गंभीर वैश्विक संकट के समय भारत और अफ्रीका के बीच ऐतिहासिक और मजबूत रिश्तों को और अधिक प्रगाढ़ करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई। भारत द्वारा भेजी गई इस आपातकालीन मदद का मुख्य उद्देश्य पूर्वी डीआरसी के सबसे ज्यादा प्रभावित और दूरदराज के संवेदनशील इलाकों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को तुरंत मजबूत करना है ताकि महामारी को आगे बढ़ने से समय रहते रोका जा सके।

इस महत्वपूर्ण मेडिकल कंसाइनमेंट में कई तरह की जीवन रक्षक सामग्रियां शामिल हैं, जो इबोला से निपटने में अग्रिम पंक्ति के काम आएंगी। इसमें वायरस की तुरंत और सटीक पहचान करने के लिए एसेंशियल डायग्नोस्टिक्स के

तहत अत्याधुनिक टेस्टिंग किट्स भेजी गई हैं, ताकि संक्रमित मरीजों को समय रहते आइसोलेट करके उनका इलाज शुरू किया जा सके। इसके साथ ही इबोला पीड़ितों के उपचार और उनकी शारीरिक स्थिति को स्थिर बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी थेरेप्यूटिक्स और जीवन रक्षक दवाएं भी इस खेप का हिस्सा हैं। स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण के तहत पीपीई किट्स, मास्क, ग्लव्स और सैनिटाइजेशन सामग्री भेजी गई है, जबकि गंभीर रूप से बीमार मरीजों की देखभाल के लिए केस मैनेजमेंट सपोर्ट से जुड़े उपकरण प्रदान किए गए हैं।अफ्रीका सीडीसी ने सोशल मीडिया पर इस सहयोग की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि भारत की यह उदार सहायता पूर्वी डीआरसी में जारी इबोला रिस्पांस को एक नई और अभूतपूर्व ताकत देगी। बुंडिबुग्यो इबोला वायरस एक अत्यधिक संक्रामक और जानलेवा बीमारी है, जिसके प्रसार को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की बेहद आवश्यकता थी और भारत ने सही समय पर कदम उठाकर दवाओं की कमी को दूर कर दिया है। अफ्रीका सीडीसी ने अपने आधिकारिक बयान में महाद्वीप पर जीवन की रक्षा करने और स्वास्थ्य सुरक्षा को आगे बढ़ाने के लिए भारत सरकार के निरंतर समर्थन और प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया है।

जब संसद में बशीर बद्र का शेयर पढ़ रहे पीएम मोदी ने विपक्ष में मचा दी हलचल

बद्र का शेयर पूर्व पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने भी पढ़ा

नई दिल्ली। सादगी और सीधे दिल में उतर जाने वाले लहजे के लिए मशहूर उर्दू शायर डॉ. बशीर बद्र का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वे बीते काफी समय से बीमार चल रहे थे और उनके जाने से साहित्य जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। बशीर बद्र साहब की शायरी सिर्फ मुशायरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि देश की संसद से लेकर आम आदमी की जुबान तक पहुंची। उनके निधन के बाद पूरे देश में फिर उस ऐतिहासिक वाकये की चर्चा तेज हो गई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के भीतर उनके एक मशहूर शेर को पढ़कर सियासी गलियारों में हलचल मचा दी थी।

यह वाकया साल 2018 के संसद सत्र के दौरान का है, जब राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा चल रही थी। 6 फरवरी को कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार पर तीखा प्रहार कर भविष्य में राजनीतिक शालीनता और रिश्तों की गुंजाइश पर जोर दिया था। अपने भाषण के दौरान उन्होंने बशीर बद्र का मशहूर शेर पढ़ा- 'दुश्मनी जम कर करो, लेकिन यह गुंजाइश रहे, जब कभी हम दोस्त हो जाएं, तब शर्मिंदा न हों।'

अगले दिन, 7 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देना शुरू किया। उन्होंने कांग्रेस नेता खरगे के भाषण का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए उन पर तंज कसा कि उन्होंने अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार शेर की अगली महत्वपूर्ण पंक्तियों को छोड़ दिया। इसके बाद पीएम मोदी ने बशीर बद्र का ही एक और शेर पढ़कर विपक्ष की मंशा पर निशाना साधा..........जी बहुत चाहता है सच बोलें, क्या करें हौसला नहीं होता ॥ पीएम मोदी के इस अंदाज से पूरा सदन ठहाकों से गूंज उठा था और बद्र साहब का यह शेर रातों-रात पूरे देश में चर्चा का केंद्र बन गया। यह ऐतिहासिक बहस उस समय सदन के भारी शोर-शराबे और हंगामे के बीच हुई थी, जब केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के तत्कालीन घटक दल तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के सदस्य आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा देने की मांग को लेकर सदन के वेल में पहुंचकर नारेबाजी कर रहे थे।

बद्र साहब की इसी गजल का रिश्ता केवल संसद तक ही सीमित नहीं, बल्कि भारत और पाकिस्तान के कूटनीतिक इतिहास से भी बहुत गहराई से जुड़ा हुआ है। बात साल 1972 के शिमला समझौते की है, जब भारत-पाक युद्ध के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच तनावपूर्ण वार्ता चल रही थी। माहौल की गंभीरता को कम करने और भविष्य में शांति की उम्मीद जगाने के लिए भुट्टो ने इंदिरा गांधी के सामने यही शेर पढ़ा था कि 'दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे'। यह दर्शाता है कि बद्र साहब की शायरी में कितनी गहराई और कूटनीतिक प्रासंगिकता थी।

बीते कई सालों से डॉ. बशीर बद्र स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे, जिसके कारण वे बढ़ती उम्र और लंबी बीमारी के चलते सार्वजनिक जीवन और मुशायरों से पूरी तरह दूर हो गए थे।

मधुबनी स्टेशन पर एक्सप्रेस कोच में भीषण आग, कोई हताहत नहीं, जांच के आदेश

मधुबनी। बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को जयनगर-उधना एक्सप्रेस के जनरल कोच में भीषण आग लग गई, जिससे वह डिब्बा पूरी तरह जल गया। हालांकि, गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, जिस कोच में आग लगी, वह मरम्मत के काम के लिए प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर खड़ा था। अचानक उसमें से घना काला धुआं और लपटें निकलने लगीं, और आग तेजी से पूरे जनरल डिब्बे में फैल गई। घटना के समय ट्रेन में कोई यात्री सवार नहीं था, क्योंकि यह पिछले दो दिनों से स्टेशन पर मरम्मत के लिए खड़ा था। इस वजह से किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को कोई चोट नहीं आई।

स्टेशन पर मौजूद लोगों ने आग देखते ही तुरंत स्टेशन मास्टर को सूचित किया। दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं, जिन्होंने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया और उसे अन्य कोचों तक फैलने से रोका। इस घटना से स्टेशन परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की जानकारी मिलते ही, समस्तीपुर रेलवे मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ज्योति प्रकाश मिश्रा विशेष ट्रेन से मधुबनी पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया और रेलवे अधिकारियों से आग लगने के कारणों पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी। डीआरएम ने आग लगने के सही कारण की जांच करने और सुरक्षा उपायों में संभावित कमियों का पता लगाने के लिए एक उच्च-स्तरीय जांच समिति गठित करने की घोषणा की है। रेलवे अधिकारियों को शुरुआती तौर पर आग का कारण शॉर्ट सर्किट लग रहा है, हालांकि वास्तविक वजह जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी। गौरतलब है कि इससे पहले 18 मई को भी ससाराम-पटना फास्ट पैसेंजर ट्रेन के एक जनरल कोच में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई थी।

बोम्मई का राहुल गांधी पर वार : ओबीसी पर झूठे आंसू बेनकाब

बेंगलुरु। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की बढ़ती अटकलों के बीच, भाजपा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज एस बोम्मई ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के संभावित प्रतिस्थापन को पिछड़े वर्गों के साथ विश्वासघात करार देकर कहा कि इससे राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व के ओबीसी के प्रति झूठे आँसुओं का पर्दाफाश हुआ है। बीजेपी सांसद बोम्मई ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, जो ओबीसी के लिए प्रचार करती रही है, स्वयं एक ओबीसी मुख्यमंत्री को हटा रही है, जिससे कर्नाटक की चुनावी राजनीति पर गहरा असर पड़ेगा और पिछड़ा वर्ग उनके खिलाफ होगा।

ये टिप्पणियाँ तब आई हैं जब सिद्धारमैया ने पार्टी के प्रमुख नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण नाश्ते की बैठक बुलाई थी, इसके बाद उनके मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के पदभार संभालने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि सिद्धारमैया एक किसान परिवार से आते हैं जो ओबीसी समुदाय के अंतर्गत आता है, जबकि डीके शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से हैं।

बीजेपी के पूर्व सीएम बोम्मई ने कांग्रेस सरकार की आंतरिक अस्थिरता की कड़ी आलोचना कर कहा कि पिछले तीन साल लगातार आंतरिक कलह और सत्ता संघर्ष से भरे रहे। उन्होंने दावा किया कि सिद्धारमैया और डीके के बीच पहले दिन से ही कार्यकाल बंटवारे की तारीख तय थी, जिससे सिद्धारमैया को कभी शांतिपूर्ण शासन का मौका नहीं मिला। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुशासन और आंतरिक मतभेदों के कारण राज्य को भारी नुकसान हुआ है, सरकारी कर्ज बढ़ गया है, विकास ठप्प हो चुका है और कर्नाटक करीब 20 साल पीछे चला गया है। नाश्ते पर हुई बैठक के दौरान शिवकुमार को सिद्धारमैया के पैर छूते और गर्मजोशी से गले मिलते देखा गया, जो इस संभावित परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है।

कभी कांग्रेस के दिग्गज, अब पंजाब में भाजपा के सारथी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब में बड़ा संगठनात्मक बदलाव कर केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले इस कदम को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। ढिल्लों ने पंजाब में सुनील जाखड़ का स्थान लिया है, जिनकी नियुक्ति की घोषणा पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने की। बरनाला से दो बार विधायक रहे ढिल्लों की पहचान एक विकासोन्मुखी नेता के रूप में है, जो विकास से संबंधित कार्यों में कोई समझौता नहीं करते।

ढिल्लों ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत कांग्रेस से की थी, जहां वे 2007 और 2012 में बरनाला से विधायक चुने गए थे। 2022 में भाजपा में शामिल होने से पहले वे पंजाब भाजपा के उपाध्यक्ष के रूप में सेवा दे रहे थे। पदभार ग्रहण करते ही ढिल्लों ने 2027 के चुनावों में भाजपा के शानदार प्रदर्शन का दावा किया। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर भी निशाना साधकर कहा कि आप ने पंजाब की जनता से किए गए वादे पूरे नहीं किए हैं, और अब भाजपा पंजाब में भी सत्ता हासिल करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पंजाब में सभी समुदाय मिलकर आगे बढ़ने को तैयार है।

इसी कड़ी में, भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने हरियाणा में भी प्रदेश अध्यक्ष की कमान डॉ. अर्चना गुप्ता को सौंपी है।

असम के बाद मेघालय में भी यूसीसी पर मंथन, मुख्यमंत्री ने कहा- कानूनी ढांचे की कर रहे जांच

शिलांग। असम विधानसभा में समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी विधेयक पारित होने के बाद अब मेघालय में भी इस मुद्दे पर हलचल तेज हो गई है। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने कहा है कि उनकी सरकार यूसीसी के कानूनी और संवैधानिक पहलुओं का गंभीरता से अध्ययन कर रही है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि बिना सभी पहलुओं को समझे कोई जल्दबाजी में फैसला नहीं लिया जाएगा। मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने कहा कि पहले यूसीसी को लेकर कई तरह की आशंकाएं थीं, क्योंकि इसके प्रावधान पूरी तरह स्पष्ट नहीं थे। उन्होंने कहा कि मेघालय की सबसे बड़ी चिंता राज्य की जनजातीय परंपराओं, पारंपरिक कानूनों और मातृसत्तात्मक सामाजिक व्यवस्था की सुरक्षा है।

न्यूज गैलरी

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई- एक युवक सहित दो लोग घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा में बुधवार की शाम हुए एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक युवक सहित दो लोग घायल हो गए। 27 मई की शाम 7:30 बजे करीब हट्टा थाने के सामने यह सड़क हादसा दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से हुआ। दोनों घायल लक्ष्मी प्रसाद पिता जियालाल उइके 22 वर्ष ग्राम चिखलाझोडी थाना रूपझर और इंद्रजीत पिता मोहनलाल बिसेन 65 वर्ष ग्राम हरदौली थाना हट्टा निवासी है। जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मी प्रसाद उइके बालाघाट बूढ़ी में किराए से रहकर एम ए की पढ़ाई कर रहा है और इंद्रजीत बिसेन एल आई सी काम करते हैं। 27 मई को लक्ष्मीप्रसाद उइके अपने मकान मालिक रंजीत बिसेन के साथ ग्राम हट्टा तेरहवीं के कार्यक्रम में शामिल होने गए थे और कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दोनों शाम 7:30 बजे करीब मोटरसाइकिल में हट्टा से बालाघाट लौट रहे थे इसी दौरान इंद्रजीत बिसेन कीमाटोला कुंडे से एल आई सी का काम करके घर लौट रहे थे। तभी हट्टा थाने के पास दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई। इस दुर्घटना इंद्रजीत बिसेन और लक्ष्मी प्रसाद उइके के दोनों घायल हो गए। दोनों घायल को डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया हैं। जिला अस्पताल पुलिस ने दोनों घायल का बयान लेकर अस्पताल तहरीर घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है।

एक व्यक्ति डंपर से गिरने से घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कनकी में डंपर से गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति सुशील पिता लक्ष्मण चौधरी 44 वर्ष ग्राम कनकी निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुशील चौधरी मजदूरी करता है। 27 मई की रात्रि में सुशील चौधरी अपने गांव के रेखलाल गौतम के घर वास्तु के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया था और खाना खाने के बाद वह रात्रि 11:00 बजे अपने घर आ रहा था। इसी दौरान एक डंपर उनके घर तरफ जा रहा था। सुशील चौधरी इस डंपर में बैठकर अपने घर आया और घर के सामने डंपर से उतर रहा था तभी वह डंपर से गिरने से घायल हो गया। जिसे 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

मोटर पंप लगाकर चोरी कर रहे थे दूसरे के हिस्से का पानी

नपा जल प्रदाय शाखा ने वार्ड नं 33 और 7 सहित अन्य वार्डों में की कार्यवाही

दो दिनों की कार्यवाही में 07 मोटर टुल्लू पंप की बनाई जप्ती, लोगो मे देखी गई नाराजगी,कार्यवाही का हुआ जमकर विरोध, सीएमओ बोले -आगे भी जारी रहेगी छापामार कार्यवाही

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भीषण गर्मी के इस दौर में नगर के लगभग सभी वार्डों में पर्याप्त पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है।जहा पहले की तुलना में अधिक पानी की आवश्यकता होने और घरेलू जरूरतो को पूरा करने के लिए लोग मजबूरन दूसरे के हिस्से के पानी भी मोटर टुल्लू पंप लागाकर खींच रहे है। जिसके चलते उनके परिसर वाले वार्डवासियों को पीने के लिए पर्याप्त पानी भी नहीं मिल पा रहा है।जिसकी सीएम हेल्पलाईन के माध्यम से शिकायत मिलने पर नगर पालिका जल प्रदाय शाखा द्वारा नगर में छापामार कार्यवाही शुरू कर दी गई है।जिसके तहत नपा कर्मचारियों द्वारा जगह जगह छापेमार कार्यवाही कर पानी की मोटर टुल्लू पंप की जप्ती बनाई जा रही है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उइके के नेतृत्व में पिछले दो दिनों से चल रही इस कार्यवाही के दौरान नपा के जलप्रदाय शाखा अमले ने 7 मोटर पंप की जप्ती बनाई है। कार्यवाही के दौरान नपा अमले ने जहां नगर के वार्ड नंबर 7 देवी तालाब परिसर में छापामार कार्यवाही कर 2 मोटर पंप जप्त किए है।तो वहीं वार्ड नंबर 33 गायखुरी में छापामार कार्यवाही कर 2 मोटर पंप सहित अन्य वार्डों से कुल मिलाकर 07 मोटर पंप की जप्ती बनाई हैं। जिनका प्रकरण तैयार कर,मोटर पंप मालिको पर चालानी कार्यवाही की जा रही है।

टुल्लू पंप लागाकर, दुसरो के हिस्से के पानी मे डाल रहे थे डाका

नपा से मिली जानकारी के अनुसार, जिन जिन वार्डों से पानी कम आने , या प्रेसर से पानी नही मिलने की शिकायत मिल रही थी, उन उन वार्डों का नगर पालिका कर्मचारियों ने निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान जिन लोगो के नल कलेक्शन में मोटर पंप लगी हुई पाई गई,उन्हें जप्त करने की कार्यवाही की गई।जहां मोटर पंप के माध्यम से अतिरिक्त पानी खींचकर अन्य लोगो के हिस्से के पानी मे डाका डाल रहे कुल 07 लोगों पर कार्यवाही कर उनके नल कनेक्शन में लगे मोटर पंप की नगर पालिका अमले द्वारा जप्त बनाई गई है। जहां जप्त की गई इन सभी पानी मोटर को नपा अमले ने जलप्रदाय शाखा में लाकर जमा कराया है तो वही संबंधितों के खिलाफ पंचनामा प्रकरण तैयार कर, प्रकरण पर विचार के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया है।जहां मुख्य नगर पालिका अधिकारी के दिशा निर्देशों के तहत चलानी कार्यवाही किए जाने की बात जल प्रदाय शाखा अमले द्वारा कहीं जा रही है।

कार्यवाही का वार्डवासियों ने जताया विरोध

जैसे-जैसे तापमान में वृद्धि हो रही है, लोगों के घरों में पानी की समस्या भी बढ़ रही है वहीं पानी की किल्लत का मुख्य कारण लोगो द्वारा अपने घरों में अवैध रूप से टुल्लू पम्प चलाना बताया जा रहा हैं,जिससे अन्य लोग प्रभावित हो रहे हैं। इसी समस्या के मद्देनजर पालिका को शिकायत मिली थी कि वार्ड नं 33 व 7 सहित अन्य वार्डों के कुछ घरों में अवैध रूप से मोटर लगाकर पानी लिया जा रहा है जिससे दूसरे घरों में पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है।इसपर नपा अमले द्वारा कार्रवाई करते हुए दो दिनों में 07 टुल्लू पंप जब्त कर सम्बधितों के खिलाफ प्रकरण बनाया गया है।उक्त कार्रवाई के दौरान मोहल्ले के लोगों में खासी नाराजगी देखी गई और उन्होंने इसका विरोध भी किया।मोहल्ले वालों का कहना था कि हमें पर्याप्त पानी नहीं मिलता है इसलिए टुल्लू पम्प लगाना पड़ रहा है।तो वही नपा कर्मचारी नियमो का हवाला देते हुए कार्यवाही को अंजाम देते नजर आए।

1 हजार का जुर्माना, जुलाई के बाद वापस होंगी जप्त की गई मोटर

नपा अमले द्वारा जप्त की गई मोटर टुल्लू पंप वाले प्रकरण में कितने का जुर्माना लगाकर कितने रुपए का चालान वसूला जाएगा,फिलहाल यहां स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेकिन विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जितने भी मोटर पंप की जप्ती बनाई गई है, या आगे जप्ती बनाई जाएगी, सभी पर 1000रु का जुर्माना लगाकर, चालानी कार्रवाई कर रकम वसूली जाएगी। वहीं जुर्माने की रकम अदा करने के बाद भी भीषण गर्मी के इस सीजन में उनके मोटर टुल्लू पंप उन्हें वापस नहीं किए जाएंगे, बल्कि जप्त किए गए टुल्लू पंप मोटर की वापसी गर्मी का सीजन समाप्त होने के पश्चात, जुलाई माह के बाद की जाएगी। बताया यह भी गया कि जुलाई माह में मोटर पंप की वापसी के बाद यदि दोबारा उक्त मोटर मालिक द्वारा पानी की चोरी की जाती है या मोटर पंप के माध्यम से वह पानी चोरी करता पकड़ा जाता है, तो उसके घर पर लगे नल कलेक्शन को काटने की योजना भी नपा अमले द्वारा बनाई गई है।हालांकि विभागीय सूत्रों से मिली इस जानकारी पर संबंधित अधिकारियों की मोहर नहीं लग पाई है जिसको लेकर मोटर मालिक भी असमंजस्य की स्थिति में नजर आ रहे हैं।

पर्याप्त पानी नही आता

इसलिए लगानी पड़ती है मोटर- वार्डवासी

नपा अमले की उक्त कार्यवाही का विरोध करते हुए वार्डवासियों ने बताया कि आज नगर पालिका की टीम ने उनके घर पर लगी मोटर को जप्त कर लिया है। यदि नगर पालिका पर्याप्त मात्रा में पानी देती और फोर्स से पानी आता तो उन्हें मोटर लगाने की जरूरत नहीं पड़ती।पानी पर्याप्त नहीं मिल पाता इसीलिए मजबूरन मोटर लगानी पड़ती है। लेकिन उसे जप्त कर लिया गया ।हमारी मांग है कि पर्याप्त पानी दिया जाए ताकि किसी को मोटर लगाने की आवश्यकता ना पड़े।

आगे भी जारी रहेगी कार्यवाही - उइके

वहीं पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उइके ने बताया की नगर में रोजाना मुनादी कराकर टुल्लू पंप से पानी ना खिंचने की जानकारी दी जा रही है।कार्यवाही के पूर्व भी कई बार मुनादी कराई गई है।नल कनेक्शन में मोटर ना लगाने को लेकर सूचित किया गया।फिर भी लोग नहीं मान रहे हैं और नल कनेक्शन में मोटर लगाकर अतिरिक्त पानी खींच रहे हैं। इन वार्डों से भी आए दिनों शिकायत मिल रही थी जिसके चलते 2 दिनों से यह कार्यवाही शुरू की गई है।जिंसमे अब तक 07 मोटर पंप की जप्ती बनाई गई है।वही संबंधितों के खिलाफ पंचनामा बनवाया है, जिनके खिलाफ चालानी कार्यवाही की जाएगी।हमारी यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।कार्यवाही के दौरान उपयंत्री ज्योति मेश्राम, नपा जलप्रदाय शाखा प्रभारी भुवनेश्वर शिव ,राजकुमार कावरे, पुनीत बिसेन,संदीप श्रीवास्तव ,शंकर, मुन्ना ,गोविंद ,विनोद, राम प्रसाद ,भीकू ,और संतोष नागेश्वर सहित अन्य कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHI
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

दामाद ने सास-पत्नी को लकड़ी से की मारपीट- जान से मारने की धमकी देकर हुआ फरार

दामाद महेश के खिलाफ ग्रामीण थाने में अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम कटंगी में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एक दामाद ने अपनी सास और पत्नी को हाथ-मुक्कों और लकड़ी से मारपीट कर घायल कर दिया और भ पुलिस में शिकायत करने पर दोनों को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। ग्रामीण पुलिस ने आरोपी महेश पिता सुरेश खरोले वार्ड नंबर 10 बंदरझरिया कोसमी निवासी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कटंगी निवासी सुनीता छिपेश्वर अपने परिवार के साथ खेती करती हैं। उनकी बड़ी बेटी पूजा का विवाह 2020 में ग्राम बंदरझिरिया कोसमी निवासी महेश खरोले से हुआ था।28 मई की सुबह पारिवारिक विवाद के बाद पूजा अपने दो बच्चों को लेकर मायके कटंगी आ गई थी। दोपहर करीब 12 बजे महेश अपनी ससुराल पहुंचा और आंगन में खड़े होकर पत्नी पूजा को गालियां देने लगा।सास सुनीता ने जब दामाद महेश को गालियां देने से रोका तो महेश भड़क गया। उसने आवेश में आकर सास सुनीता को ही गालियां देना शुरू कर दिया और हाथ-मुक्कों से मारपीट की। इसके बाद आंगन में रखी लकड़ी उठाकर सास पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पत्नी पूजा आई तो महेश ने उसे भी नहीं बख्शा और उसकी पिटाई कर दी। हमले में सास सुनीता और पत्नी पूजा दोनों घायल हो गई।मारपीट के बाद आरोपी महेश ने दोनों मां बेटी को बोला कि आज तो बच गये। और पुलिस में रिपोर्ट करने पर दोनों मां-बेटी को जान से खत्म करने की धमकी देकर फरार हो गया।घटना के बाद घायल सुनीता अपनी बेटी पूजा के साथ ग्रामीण थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों का जिला अस्पताल बालाघाट में इलाज व मेडिकल कराया।सुनीता की शिकायत पर आरोपी दामाद महेश पिता सुरेश खरोले, बंदरझिरिया निवासी के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन,
स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान,
शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट